सुंदर मोहन पाठक

आपके स्न बैकाल

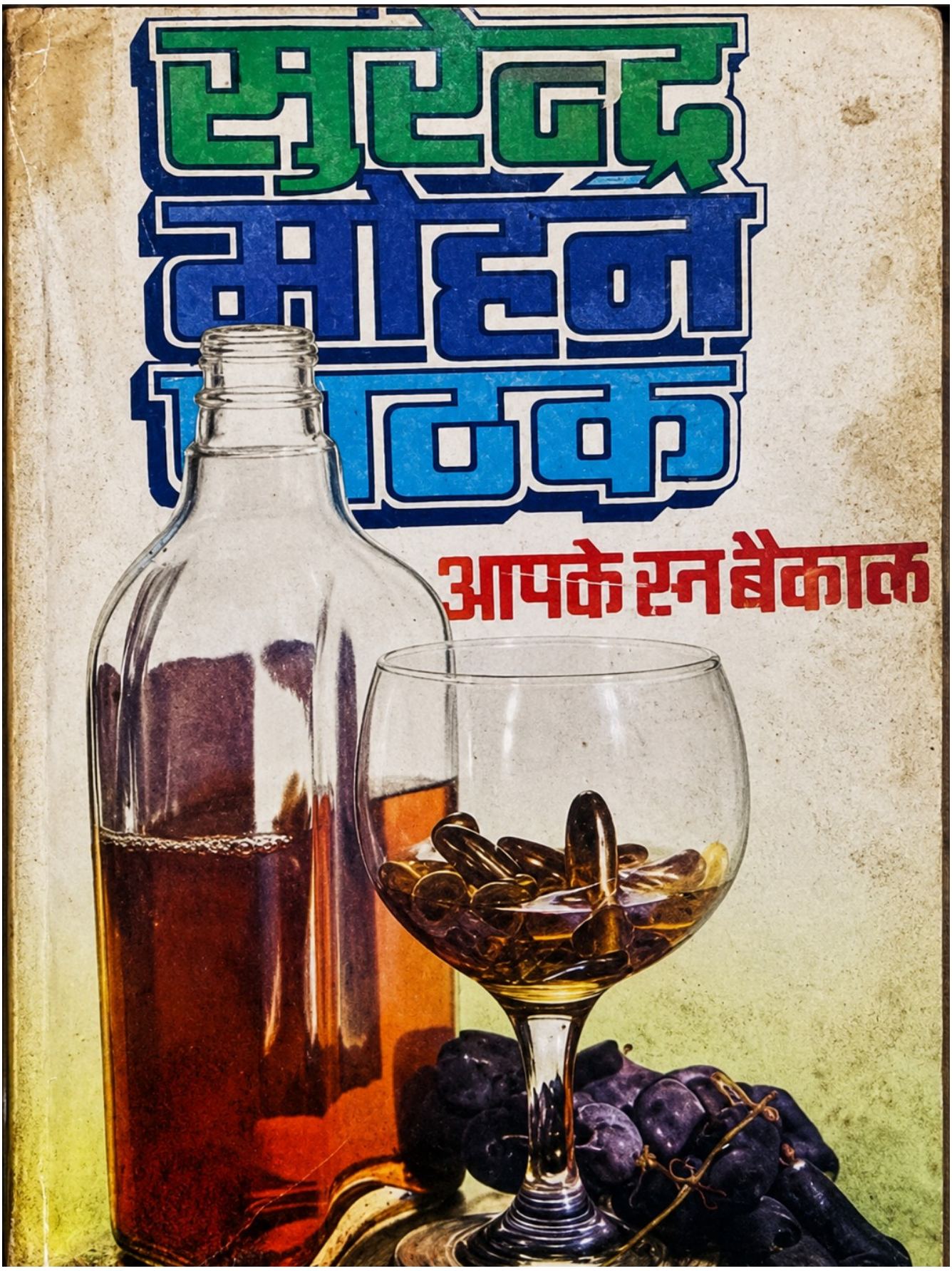

बाण्ड सीरिज का एक हाहा-कारी उपन्यास

आपरेशन बैंकाक
सुरेन्द्र मोहन पाठक

आदि से अन्त तक रोचक एक ही बैठक में पाठनीय! -: प्रकाशक:--
नीलम पॉकेट बुक्स
३३. गाँधी मार्ग, मेरठ-

कापीराइट- सुरेन्द्र मोइन पाठक

मल्य-छः रुपये केवल

उपन्यास आपरेशन बैंकाक

उपन्यासकार सुरेन्द्र मोहन पाठक

प्रकाशक---- नीलम पाकेट बुक्स,, ३३, गांधी मार्ग, मेरठ-२

फोन न०- ७५०२५

मुद्रक--- कुमार प्रिंटिंग प्रस, मेरठ-२

आपरेशन बैंकाक -- (उपन्यास) -- सुरेन्द्र मोहन पाठक

'□□' □□ □□□□ □□□ □□ □

□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □

'□□' □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □

□□□ □□□□ □□ □□ □

□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□- '□□□□ □'

'□□□□' -'□□ □□□ □□ □' □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ -

'□□' □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□-

'□□□□□□ □'

'□□ □□□ □□ □□□□'- □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □

□□ □□□□ □□ □□□□ '□□' □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □ □□ □□□□□□□□□□ □□□□- '□□□□ □□□ □□□□ ''□'

(□)

□□□ □□ □□'- □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□- '□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □'

'□□□□□, □□□□□----

'□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□

'□□□□□□□'

'□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□ ?'

'□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □'

'□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□'

'□□□ □□□□ □ □□□ □□□□'

'□□' □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □'

□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □

□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □

'□□' □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □

□□□□□□ □□□ □□□ □□ □

'□□□□□□□□' - '□□' □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□- '□□□□ □□□ □□

□□□□□□ (□□□□□: □'

'टैक्सी की रफ्तार फौरन तेज हो गई ।

'एम' ने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी पर दृष्टिपात किया ।

तीन बजकर दस मिनट हो चुके थे ।

होटल एक्सैलसियर लन्दन के हीथरो एयरपोर्ट के सामने था, और 'एम' के निवास स्थान से लन्दन एयरपोर्ट का फासला पूरा सोलह मील था। इतनी रात गये सड़कों पर ट्रैफिक बहुत कम था इसलिये 'एम' टैक्सी के पन्द्रह मिनट से भी कम समय में एयर-पोर्ट पहुंच जाने की अपेक्षा कर रहा था ।

'एम' ने अपना सिर सीट की पीठ से टिका दिया और नेत्र बन्द कर लिये ।

बाकई संसार में एक आदमी ऐसा था जो 'एम' को फोनी के नाम से पुकारता था ।

और वह आदमी जान पेट्रिक था ।

जान और अमेरिका का होने वाला राष्ट्रपति था। वह निकट भविष्य में होने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव का सबसे सबल प्रत्याशी था। इसके अतिरिक्त वह अमेरिकन स्टीम कारपोरेशन का प्रेसीडेंट था। एक बहुत बड़ी एयरवेज कम्पनी का चेयरमैन था और अमेरिका के कितने ही औद्योगिक संस्थानों का डायरेक्टर था । अमेरिका की जनता के दिल में उसने अपना इतना गहरा स्थान बनाया हुआ था कि उसका राष्ट्रपति का चुनाव जीत जाना लगभग निश्चित ही था ।

'एम' पिछले चालीस सालों से जान पेट्रिक को जानता था । दोनों आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में इकटठे पढ़े थे। जान पेट्रिक आक्स-फोर्ड में एक्चेन्ज स्टूडेंट था। उन दिनों 'एम' एक साधारण साधनों

वाला लेकिन ऊपरी रख रखाव में भारी आस्था रखने वाला लड़का था । अपने आपको बड़ा समर्थ और साधन सम्पन्न युवक प्रकट करने का उसे शौक था और अपनी इन आदतों की वजह से वह लोगों से पहनने के लिये कपड़े तक उधार मांग लिया करता था । वह एक बहुत मामूली परिवार से सम्बन्धित था लेकिन अपने आपको शाही सम्मान प्राप्त परिवार का सदस्य बताया करता था । वह अपने साथियों को अपने खानदान के फर्जी रण बांकुरों की शूरवीरता की झूठी कहानियां सुनाया करता था और दावा किया करता था कि उसके बाप और दादा दोनों को महारानी द्वारा नाइट का खिताब प्रदान

किया जा चुका था । जान पेट्रिक उसका गहरा दोस्त था और केवल वही उसकी हकीकत जानता था, एम की उन आदतों की वजह से ही वह उस जमाने में 'एम' को फोनी

- नकली झूठा के नाम से पुकारा करता नथा । विवि और जान

आज चालीस साल बाद 'एम' ने जान के मुंह से फिर से अपना नाम सुना।

पिछले 40 सालों में एम' और पेट्रिक की मुलाकातें बहुत कम हुई थी लेकिन फिर भी 'एम' को जान पेट्रिक की आवाज पहचानने में कोई दिक्कत नहीं हुई थी । बहुत कम मिल पाने के बावजूद भी दोनों एक दूसरे की गतिवि-धियों से मौटे तौर पर - अच्छी तरह परिचित थे जैसे 'एम' को मालूम था कि राजनैतिक क्षेत्र में जान पेट्रिक ने इतनी तरक्की कर ली है कि अभी से उसका नाम अमेरिका के भावी राष्ट्रपति के रूप में लिया जाने लगा था और जैसे जान पेट्रिक को यह मालूम था कि उसका कालेज का साथी ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का चीफ वन गया था और आज 'एम' के नाम से जाना जाता था ।

अमेरिका के भावी राष्ट्रर्षात जान पेट्रिक का यू अक्समात

(६)

लन्दन मे आगमन मानसिक और शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की अप्रत्याशित घटना के लिये भी भारी हैरानी का विषय था । जान पेट्रिक का इतनी रात गये यू एकाएक उससे सम्पर्क स्थापित करना एक भारी रहस्य का संकेत दे रहा था ।

उसी क्षण टैक्सी ड्राइवर ने टैक्सी को एक्सेलसियर की लाबी में लाकर रोक दिया ।

'एम' ने टैक्सी का किराया चुकाया और टैक्सी से बाहर निकल आया ।

इतनी रात गये भी एक्सेलसियर का डोरमैन उसके लिये मुख्य द्वार खोलने के लिये अपने स्थान पर मौजूद था ।

'एम' होटल में प्रविष्ट हो गया ।

रिसेप्शन के पीछे ऊघते से बैठे एक युवक ने प्रश्न सूचक नेत्रों से उसकी ओर देखा ।

'□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□ , □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□ □□)' - '□□' □□□□--

'□□ □□' - □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ - '□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □ '□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□"

'□□' □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □

□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □

(□□)

□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □

□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □

'□□□ □□□ - □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□

'□□□□' - '□□' □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □

□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □

□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □

'□□□□ □□' - □□ □□□□ □

'□□' □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

'□□' □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □

'□□□□'- □□□ □□□□□□□ □□□□ □

'□□' □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□

उसने अपने हाथों में अपना सिर थाम लिया।

'जान तुम --'एम' ने कहना शुरू किया - 'आप आई मीन सर...'

'कृपया मुझे जान ही बुलाओ।'

'आप एकाएक लन्दन कैस पहुंच गये?'

'फोनी- 'जान पेट्रिक ने सिर उठाकर 'एम' की ओर देखा और गहरी सांस लेकर बोला- 'मैं भारी मुसिबत में फंस गया हूं। और इस मुसीबत में से तुम्हीं मुझे निकाल सकते हो तुम्ही एक आदमी हो जितका मैं भरोसा कर सकता हूं।'

'आप बात बताइये- 'एम दूढ़ स्वर से बोला- जो मुझसे

(११)

सम्भव होगा मैं जरूर करूंगा ।'

'फोनी, बस इतना जान लो कि वर्तमान स्थिति में से अगर तुमने मुझे उभारा नही तो न केवल मैं राष्ट्रपति का चुनाव नहीं जीत पाऊंगा । बल्कि मेरे लिये जीना दूभर हो जायेगा ।'

'आप हुक्म तो कीजिये । मैं अपनी ओर से कोई कोशिश उठा नहीं रखूंगा ।'

'धन्यवाद दोस्त । मुझे तुमसे यही आशा थी और इसी आशा के भरोसे मैं भारी खतरा उठाकर यू गुप्त रूप में लन्दन भागा चला आया था ।'

'खतरा!'

'हां, मैं जाली पास पोर्ट पर सफर कर रहा हूं और अपनी सूरत बदलने के लिये मैं सफर के दौरान में नकली मूछे नकली बाल और चश्मा लगाये रहा था। क्योकि मेरा अमेरिका का भावी राष्ट्रपति बन जाने की पूरी सम्भावना है इसलिये मेरे घर पर पुलिस का पहरा है । बड़ी कठिनाई से मैं सिक्योरिटी की निगाहों में आये बिना वहां से निकल आने में सफल हो पाया था ।'

'आपने भारी खतरा मोल लिया । जाली पासपोर्ट की वजह से लन्दन एयरपोर्ट पर अगर आप पकड़े जाते तो जानते हैं क्या होता? जब अखबार में यह खबर

छपती कि अमेरिका का भावी राष्ट्रपति लन्दन एयरपोर्ट पर भेष बदकर जाली पासपोर्ट के साथ सफर करता पकड़ा गया । तो जानते है क्या होता?

'मैं समझता हूं- 'जान पेट्रिक उतावले स्वर में बोला-'लेकिन मैं पकड़ा नहीं गया हूं।'

'थैंक गाड। अब मुझे इस बात का भी इन्तजाम करना पड़ेगा

(१२)

कि आप जाती बार भी न पकड़े जायें ।'

'थैंक्स!'

'आप अपनी समस्या बताइये ।'

'पहले मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूँ।'

जान पेट्रिक अपने स्थान से उठकर कमरे के कोने में पहुंचा । कोने में पड़ी एक छोटी सी मेज पर एक सूटकेस रखा था । जान पैट्रिक ने सूटकेस खोला और उनमें से आठ एम० एम० का एक फिल्म प्रोजेक्टर निकला। उसने प्रोजेक्ट पर एक फिल्म का स्पूल चढ़ाया और प्रोजेक्टर का रुख सामने की सपाट दीवार की ओर कर दिया । फिर उसने खिड़कियां पर परदे खीच दिये और कमरे की बत्ती बन्द कर दी ।

उसने प्रोजेक्टर आन किया। कुछ क्षण उसने प्रोजेक्टर को जब दीवार पर सामने की दीवार पर फोकस करने में लगाये और फिल्म के स्पष्ट चित्र उभरने लगे तो कहा -- एक बार देखा है।' बोला- यह फिल्म दोबारा देखने की मुझमें हिम्मत नहीं--

और वह पंलग पर जा बैठा । चलती फिल्म की ओर उसने पीठ कर ली ।

'एम' फिल्म देखने लगा । जल्दी ही उसे महसूस हो गया कि बह फिल्म क्या थी और जान पेट्रिक उसे दुबारा क्यों नही देख रहा था ।

वह एक ब्लू फिल्म थी ।

'एम' ने सुना था कि ब्लू फिल्में बहुत गन्दी होती हैं लेकिन उस में इस हद तक गन्दगी भरी होती है। इसका अनुमान उसे नहीं था ।

(१३)

सामने दीवार पर एक लगभग बाइस साल की खूबसूरत लड़की और एक करीब पैतीस साल का हट्टा-कट्टा तन्दुरुस्त आदमी पूर्ण नग्नावस्था में शैतानी हरकतें करते दिखाई दे रहे थे । 'एम' हक्का बक्का सा फिल्म देखता रहा ।

पांच मिनट बाद जब फिल्म खत्म हुई तो उसकी जान में जान आई । उसने कभी सोचा भी न था कि एक स्त्री और पुरुष तन-हाई में इतनी गन्दगी भी घोल सकते हैं। और सबसे ज्यादा हैरानी उसे इस बान पर हो रही थी जान पैट्रिक उसे वह गन्दी फिल्म दिखा रहा था ।

फिल्म खत्म हुई तो जान पैट्रिक अपने स्थान से उठा । उसने प्रोजेक्टर का स्विच आफ किया, उस पर से स्पूल उतारा और के सामने आ बैठा फिर कमरे की बत्ती जला दी ---और कम्पित स्वर से बोला--

-- इस फिल्म में तुमने जिस लड़की को देखा 'मेरी इकलौती बेटी है।'

'एम' को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ । वह हक्का-बक्का सा जान पैट्रिक का मुंह देखने लगा । लेकिन शीघ्र ही 'एम' ने स्वयं को नियन्त्रित कर लिया। धीरे-धीरे उसे याद आने लगा कि जान पैट्रिक की एक लड़की थी जो स्विट्जरलैंड में पढ़ती थो ।

'ओह!'- एम के मुंह से केवल इतना ही निकला ।

'और मैं हमेशा यही समझता रहा कि साराह बड़ी भोली और जिम्मेदार लड़की है। इस फिल्म को देखने के बाद मैंने तफ्-तीश की तो मालूम हुआ साराह पिछले दस महीने से स्विट्जरलैंड के उस शिक्षा संस्थान से गायव है जहां कि मैंने उसे पढ़ने भेजा था।'

(१४)

'उन लोगों ने आपको साराह की सूचना नहीं भेजी?'

'भेजी थी लेकिन मुझे मिली नहीं चुनाव की वजह से मैं बहुत् व्यस्त हूं । मुझे छोटी मोटी बातों की ओर ध्यान देने की फुरसत नहीं । शायद मैंने उसे कोई मामूली चिट्ठी समझ कर कहीं फेंक दिया था ।'

'आप कभी साराह को चिट्ठी नहीं लिखते थे?'

'मैं नही, मेरी पत्नी लिखा करती थी और उसने लिखी भी होगी लेकिन साराह कभी जवाब नही देती थी इसलिये यह बात हमारे ध्यान में नहीं आई कि इस बार साराह का जवाब इसलिये नहीं आया क्योंकि माराह वही है ही नही। पिछले दस महीनों से साराह कहां है, क्या कर रही है मुझे खबर नहीं । लेकिन इस फिल्म को देखकर साफ जाहिर होता है। कुछ भी वह कर रही है अच्छा नहीं कर रही । उसने एक क्षण के लिये भी यह नहीं सोचा कि भावी राष्ट्रपति की बेटी है और उसकी ये हरकतें उसके बाप को कितना खराब कर सकती है।'

'एम' चुप रहा । स्थिति वाकई बड़ी विकट थी । जान पेट्रिक ने अपनी जेब से एक कागज निकला और उसे 'एम' की और बढ़ाता हुआ बोला- 'यह चिट्ठी देखो ।'

'एम' ने कागज खोलकर देखा । चिट्ठी टाइप की हुई थी ।

लिखा था-

उस आदमी की सेवा में एक भेंट जो अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के स्वप्न देख रहा है। श्रीमान जी, आपकी सेवा में यह लंदन का तोहफा भेजा जा रहा है। हमारे पास अभी तीन फिल्में और हैं। जो फिल्म आपको भेजी जा रही है। वे तीन फिल्में इस फिल्म से कहीं ज्यादा बढ़िया है। लोग देखेंगे तो उनकी तबियत खुश हो जायेगीं । राष्ट्रपति के चुनाव से अपना नाम वापिस ले लीजिये बरना बाकी की तीन फिल्में आपकी विरोधी पार्टी को भेज दी जायेगी ।

(१५)

'यह चिट्ठी और ये फिल्म आप तक कैसे पहुंची थी?'-

'एम' ने चिट्ठी वापिस करते हुए पूछा ।

'यह चिट्ठी और फिल्म दोनों मुझे लन्दन स्थित अमरीकी दूतावास की मार्फत भेजी गई थी। किसी ने दोनों चीजें दूतावास में सौंप दी थीं और प्रार्थना की थी कि ये अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के प्रत्याशी जान पैट्रिक तक पहुंचा दी जाये । दोनों चीजे बड़ी जिम्मेदारी से मुझ तक पहुंचा दी गई थी ।'

'फोनी - जान पंट्रिक दा स्वर में बोला- 'अब तुम्हारी समझ में आ गया मैं यू एकाएक लन्दन में तुम्हारे पास क्यों दौड़ा चला आया हूं । यह

फिल्म लन्दन से भेजी हुई है । तुम ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के चीफ हो और लन्दन तुम्हारा हैडक्वार्टर हैं। मुझे तुमसे बहुत आशा है कि तुम इस समस्या का कोई हल निकाल जाते हो किन अगर तुम समझते हो कि तुम कुछ नहीं कर सकते तो मजबूरन मुझे चुनाव से अपना नाम वापस लेना पड़ेगा । कुछ लोग नहीं चाहते कि मैं राष्ट्रपति बनू, इसलिये मेरी बेटी की इप गन्दी फिल्म के माध्यम से वे मुझे ब्लैकमेल कर रहे हैं। आर तुम कुछ नहीं कर सकते तो मेरे दुश्मनों की इच्छा पूरी हो जायेगी ।
'चुनाव से नाम वापिस लेने में कितने दिन बाकी है?'
'सात दिन ।'

(१६)
'बहुत वक्त है'- 'एम' विश्वासपूर्ण स्वर में बोला -'मेरी आर्गेनाइजेशन में केवल एक ही आदमी है जो यह काम कर सकता है और वह आपके ब्लैक मेलर को पाताल से भी खोज निकालेगा ।'
'वह भरोसे का आदमी है? - जान पेंट्रिक ने सशंक स्वर में पूछा ।
'अगर मैं भरोसे का आदमी हूं तो वह भो भरोसे का आदमी है।'
'कौन हैं वह?'
'कमान्डर जेम्स बांड सीक्रेट एजेन्ट जीरो जीरो सेवन ।'

****

'डार्लिंग ।'
'डार्लिंग !'
'डार्लिंग -'इस बार लड़की एकदम उसके कान के पास मुह ले जाकर बोली । 'हूं- जेम्स बांड ने एक ऊबी हुंकार मरी। वह औंधे मुंह पलंग पर पड़ा था । न उसने करवट बदली और न नेत्र खोले ।
'डार्लिंग तुम सुन नहीं रहे हो।'

'तुम सुनो तो कहूं न ।'
'तुम कुछ कहो तो सुनू न ।'
(१७)
'तुम्हारा फोन था ।
'क्या? कब ?'
'थोड़ी देर पहले । शाबर चल रहा था, इसलिये तुम्हें घंटी की आवाज सुनाई नहीं दी थी ।'
'फिर!'
'फोन मैंने सुन लिया था ।'
'कौन था?'
'मालूम नहीं । कोई तुम्हें पूछ रहा था। मैंने कह दिया तुम फ्लैट में नहीं हो ।'
'क्यों?'
'ओह डार्लिंग डोंट बी किल जाय। यह कोई वक्त है फोन सुनने का! इतना मजा आ रहा है

'फोन करने वाले ने ने तुम्हारी बात मान ली?'
'क्यों नहीं मानता?
'और कुछ नहीं कहा उसने?'
'और उसने मेरे साथ मजाक करने की कोशिश की थी।'
'अच्छा!'
'हां । मैंने कहा तुम फ्लैट पर नहीं हो तो वह बोला कि मेरे साथ बिस्तर में जो भी आदमी लेटा हुआ है उसे फौरन उसके पास भेज दो ।'

'क्या?'
'यह।'
जेम्स बांड ने फौरन नेत्र खोल दिये। उसने करवट बदली और लड़की की ओर देखा - 'फोन करने वाले ने और कुछ नहीं कहा था?”

(१८)

'नहीं ।'
'तुम्हें पूरा विश्वास है कि उसने अपना नाम नहीं बताया था ।'
लड़की एक क्षण हिचकिचाई और फिर बोली- - 'यस, आई एम श्योर उसने नाम नहीं बताया था । 'एम' भी भला कोई नाम होता है।'
जेम्सबांड उठकर बैठ गया- 'अभी क्या कहा था तुमने?'
'मैंने कहा था कि 'एम' भी भला कोई नाम होता है । 'एम' तो अंग्रेजी अल्फावेट का तेरहवां अक्षर होता है और तेरह का अंक तुम जानते ही हो बड़ा अनलक्की होता है।'
जेम्स बांड उछल कर पलंग से नीचे उतर आया। उसने अपनी कमर के गिर्द एक पिलो कवर लपेट लिया ।
लड़की के उसने सारे कपड़े उठाकर उनका गोला सा बनाया और उसे लड़की पर उछाल दिया । उस के कपड़े समीप पड़ी एक कुर्सी पर पड़े थे । 'डियरेस्ट- 'वह मीठे स्वर से बोला- 'अगर तीन मिनट में तुम मुझे अपनी पोशाक के भीतर दिखाई नहीं दी तो भारी गड़बड़ हो जायेगी ।'
'क्या गड़बड़ हो जायेगी?'
'तो तुम्हें सड़क पर आकर कपड़े पहनने पड़ेगें ।'

'व्हाट नानसैस ।'
* 'आज तुमने शीघ्र कपड़े पहनने का रिकार्ड तोड़ देना है । और आधा मिनट पहले ही गुजर चुका है।'
'लेकिन कोई बात भी है- 'लड़की कपड़ों को अपने सीने के
(१६)
साथ लगाये तीव्र विरोधपूर्ण स्वर से बोली ।
'बात है, स्वीट हार्ट लेकिन तुम्हारे पास बात सुनने का वक्त नहीं है। बात भी मैं तुम्हें लगभग तीन मिनट में ही सुनाऊंगा । अगर बात सुनोगी तो तुम्हें यहां से अपने बर्थ सूट में ही बिदा होना पड़ेगा ।'
'ओ डालिंग, डोंट बी फनी ।'
"तुम वक्त बरर्बाद कर रही हो ।'
'किसका? तुम्हारा या अपना ।'
'अपना । जेम्स बांड का वक्त सिर्फ जेम्स बांड ही बरर्बाद कर सकता है ।'
'लेकिन अभी तो दिन भी नहीं निकला । मैं इस वक्त यहां से नहीं जा सकती ।'
'सारी हनी' - जेम्स बांड पुरवत् मधुर स्वर से बोला ।
'यह सब उस काल की वजह से हुआ?'
जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया ।
'अगर मैं तुम्हें उस टेलीफोन काल के बारे में न बताती?'
'तो तुम बहुत बुरा करती' - जेम्स वांड बर्फ जैसे ठण्डे स्वर से बोला! 'ओ गाड, यू आर ए ब्रूट'-- लड़की बोली और पलंग से नीचे उतर आई ।
जेम्स बांड ने एक आखिरी हसरत भरी निगाह लड़की के पुष्ट और जवान शरीर पर डालीं और फिर तेजी से दूसरे कमरे की ओर बढ़ गया ।

जब तक वह कपड़े पहन कर बाहर निकला तब तक लड़की भी कपड़े पहन चुकी थी और अपने बालों को सुलझाने की कोशिश कर रही थी ।

(२०)

'दैट्ट ए गुड गर्ल' जेम्स बांडे प्रशंसात्मक स्वर से बोला

'राइट आफ्टर माई हार्ट । और डालिग तुम ऐसे ही बहुत खूब सूरत लग रही हो ।'

'यानि कि तुम मुझे मेकअप भी नहीं करने दोगे?'

'मैंने यह कब कहा है? आओ तुम्हें बाहर तक छोड़ आऊ ।

'और जेम्स बांड ने लड़की की बांहें पकड़ी और फ्लैट से बाहर ले जाने वाले द्वार की ओर बढ़ा ।

जेम्स बांड की मजबूत पकड़ में लगभग घिसटती हुई लड़की उसके साथ चलती रही ।

द्वार के समीप पहुंच कर बांड ने उसकों बांह छोड़ दी और उसके नितम्बों पर एक जोर का हाथ जमाता हुआ बोला- 'सी यू अगेन हनी ।'

'ओवर माई बैंड बाही जेम्स बांड एर ब्रदर मुस्करायदेव फकार कर बोली । सने फ्लॅट का द्वार भीतर से बन्द कर लिया और तेजी से उस मेज की ओर बढ़ा जहां टेलीफोन रखा था, उसने रिसीवर उठाया और एक नम्बर डायल कर दिया ।

दूसरी ओर से लगभग फौरन उत्तर मिला ।

'कमांडर जेम्स बांड रिपोटिंग, सर ।'

'आफिस - दूसरी ओर से उत्तर मिला- 'राइट अवे फौरन आफिस में पहुंचो) ।'

'यस सर' - जेम्स बांड बोला- 'राइट अवे ।'

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □

'□□' □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□-□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

'□□' □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□ '□□' □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □ □□□□□□□ □□ '□□'

'□□ □□□ □□ □□□□□ ?'

□□□□

'□□ □□□□□□□□'

'□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □'

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ '□□' □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □

'□□' □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□ □□□ □□□□

(□□)

□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□- '□□□□ □' '□□□□□□□ □□' □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □ '□□□□□' - '□□' □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ - "□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□"

"□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □"

'गुड, लेकिन इस काम में बहुत तेज रफ्तार की जरूरत है। हमारे पास केवल सात दिन हैं और इन सात दिनों में हमने जरूर कोई नतीजा हासिल करना है ।

'सात दिन काफी होते हैं. क्या काम है?'

'काम बताने से पहले मैं तुम्हें एक फिल्म दिखाना चाहता ह । 'एम' अपने स्थान से उठता हुआ बोला मुह दोवार की तरफ फेर लो ना। अपनी कुर्सी का

जेम्स बर्बाड ने आर पालन किया ।

प्रोथर

'एम' ने सूष्ट कैस में केस में से आठ एम० एम० का प्रोजेक्टर निकाल कर अपनी महोगनी की मेज पर रखा । प्रोजेक्टर का पलग उसने समीप के पावर प्वायन्ट में लगाया और फिर प्रोजेक्टर में एक फिल्म का स्पूल फिट कर दिया । उसने कमरे को बत्ती बन्द की । प्रोजेक्टर की लाइट को सामने दीवार पर फोकस किया और फिर फिल्म चालू कर दी ।

उस बीच जेम्स बांड एक सिगरेट सुलगा चूका था और उसके छोटे-छोटे कश ले रहा था ।

जेम्स बांड फिल्म देखने लगा । शीघ्र ही उसे अनुभव हो गया कि वह कोई साधारण फिल्म नहीं देख रहा था उसके होंठों की ओर बढ़ता हुआ सिगरेट वाला हाथ रास्ते में ही स्थिर हो गया ।

(२३)

यह नेत्र फैलाये सामने दीवार की ओर देखता रहा ।

उसकी बगल में खड़ा 'एम' बड़े गौर से जेम्स बांड के चेहरे पर प्रकट होने वाले एकाएक भाव को नोट कर रहा था ।

जेम्स बांड ने बिना दृष्टि हटाये हाथ बढ़ा कर समीप पड़ो ऐशट्रे में अपना सिगरेट झोक दिया ।

अन्त में फिल्म समाप्त हो गई ।

'एम' ने प्रोजेक्टर आफ किया और कमरे की बत्ती जला दी । बापस अपनी कुर्सी पर जाकर बैठने के स्थान पर वह जेम्स बांड के समीप मेज के सिरे से पीठ लगाकर खड़ा हो गया ।

'एसी तीन फिल्में और हैं' - 'एम' धीरे से बोला- 'आने बाले सात दिनों में हमें ये तीनों फिल्में जरूर मिलनी चाहिये ओर साथ ही बह लड़की भी हमारे अधिकार में होनी चाहिये जो इस फिल्म में चित्रित शैतानी हरकतों में शामिल है।

'लड़की क्यों?'

'ताकि मौजूद तीन फिल्में हमारे अधिकार में आ जाने के बाद वह लड़की नई फिल्म तैयार करवाने में फिर किन्हीं लोगों की सहायता न करने लगे ।'

'आई सी ।'

'फिल्में लन्दन में तैयार की गई थी इसलिये इस लड़की के और यह गन्दी फिल्म बनाने वाले बदमाशों के लन्दन में ही होते की पूरी सम्भावना है।'

'और?'

'और कुछ नहीं । इस आपरेशन में तुम्हें इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जायेगा ।'

(२४)

'लेकिन अगर मुझे यह मालूम हो कि यह फिल्म किसका क्या नुकसान कर सकती है और बाकी तीन फिल्मों का और फिल्म की लड़की का सात दिनों के अन्दर मिल जाना क्यों जरुरी है तो क्या मैं ज्यादा सहूलियत से काम नहीं कर सकूंगा ।'

'सारी । काम करने में चाहे तुम्हें दिक्कत हो लेकिन इससे जजादा तुम्हें कुछ नहीं बताया जायेगा । तुम केवल इतना जान लो कि अगर फिल्म में दिखाई देने वाली लड़की अपनी हरकतों से बाज न आई तो वह लड़की एक बहुत बड़े आदमी के भविष्य में आग लगा देगी ।'

जेम्स बांड ने अपनी जेब से सिगरेट का पैकेट फिर निकाला । उसने पैकेट में से सिगरेट निकाल कर मुलगाया । और उसका एक लम्बा कश लगाने के बाद

सरल स्वर में बोला- 'अमेरिका के होने वाले राष्ट्रपति का क्या हाल है साहब ?
'एम' के मुह से सिसकारी गई।
'कौन?
'मैं जान पंट्रिक की बात कर रहा था। जेम्स वांड धीरे से बोला लेकिन उसके होठों के कोरों पर आई मुस्कराहट 'एम' से छिपी न रही ।
'तुम क्या अनाप शनाप बक रहे हो ।' 'एम' झुंझला कर बोला ।
'आप कहते हैं तो मैं चुप हो जाता हूं लेकिन आप भी जानते हैं कि अब यह बात छुपाने से कोई फायदा नहीं है कि इस फिल्म और फिल्म में दिखाई गई लड़की जिए बड़े आदमी के मविष्य में आग लगा सकती है वह अमेरिका का सम्भावित भावी राष्ट्रपति जान पंट्रिक है। सर, मैं फिल्म की लड़की को जानता हूं।
(२५)
मैं उससे मिल चुका हूं । लड़की का नाम साराह पेट्रिक है और मैं पहले से ही जानता हूं कि वह जान तैट्रिक की बेटी है।'
'एम कई क्षण चुप रहा ।'
'तुम साराह से कब मिले थे?' - अन्त में उसने पूछा ।
'आखिरी बार लगभग छः महीने पहले मिला था' - जेम्स बांड बोला ।
'कहां? कैसे?'
'लन्दन में ही एक पार्टी में । साराह वहां मौजूद थी । किसी ने मेरा उससे विधिवत् परिचय भी कराया था और मैंने उसके साथ डांस भी किया या ।'
'तुम साराह को दुबारा तलाश कर सकते हो!'
'उम्मीद तो है है । लेकिन अब तो आप स्वीकार कीजिए कि वह जान पट्रिक की बेटी है।'

'तुम ठीक कह रहे हो इस फिल्म में शैतानी हरकतें करती तुम ने जो लड़की देखी है, वह अमेरिका के सम्भावित भावी राष्ट्रपति जान पंट्रिक की लड़की साराह पंट्रिक ही है। जान पंट्रिक को इस फिल्म के दम पर ब्लैक मेल किया जा रहा है। उसको धमकी दी जा रही है कि वह राष्ट्रपति चुनाव से अपना नाम वापस ले ले वर्ता वाकी की तीन ब्लू फिल्में उसके विरोधी पक्ष को सौंप दी जायेगी । चुनाव से नाम वापस ले सकने में केवल सात दिन बाकी हैं। अगर इस समय वह तीन ब्लू फिल्में और उसकी बेटी भी उसके अधिकार में नहीं आई तो जान पैट्रिक तबाह हो जायेगा, जेम्म । जान पैट्रिक मेरा दोस्त है। वह अमे-रिका से चलकर मुझ से मदद मांगने आया है मैंने उसकी हर सम्भव सहायता करने का वायदा किया है और वह वादा मैंने

(२६)

तुम्हारे दम पर किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम किसी न किसी प्रकार जरूर कोई नतीजा हासिल कर लोगे । जेम्स तुम्हें किसी भी प्रकार सात दिन से पहले ही यह काम करके दिखाना है। कर सकोगे?'

'मैं कोई कोशिश उठा नहीं रखूंगा।'

'यह भी अच्छा हुआ कि तुम साराह को पहले ही से जानते हो और यह कि मुझे तुम से कुछ छुपाना नही पड़ा ।'

जेम्यु बांड अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने प्रोजेक्टर से फिल्म का स्पूल अलग किया और फिर दोनों चीजें सूट केस में रख कर सूट केस बन्द कर दिया ।

'इसे में से जा रहा हूं जेम्स बांड बोला ।

'जरूर'- 'एम' बोला ।

मैं इस फिल्म की एक बात के बारे में आप का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।'

इस फिल्म को देखकर ऐसा नहीं मालूम होता कि यह फिल्म साराह और उसके विलास में साथी की जानकारी के बिना खींची गई है। दोनों की मुद्राओं से और रति क्रियाओं के लिये इस्तेमाल किये गये पलंग और कमरे से साफ जाहिर होता है कि यह फिल्म किसी स्टूडियों में बकायदा मुनासिब

रोशनियों के इन्तजाम के साथ बनाई गई है और जोड़े की तस्वीर कल्पना- त्मक कोणों से खींची गई है।'

'तुम कहना क्या चाहते हो ।'

'मैं यह कहना चाहता हूं कि साराह भी ब्लंक मेलरों के साथ मिली हुई है अपने बाप को तबाह करने के लिये यह अपने

२७)

बाप के दुश्मनों को पूरा सहयोग दे रही है।'

'तुम ठीक कह रहे हो । मैं भी यह बात समझता हूं और पैट्रिक भी यह बात समझता है । इसलिये तो मैने कहा है कि बाकी की तीन फिल्मों के साथ खुद साराह को भी जान पेट्रिक के अधिकार में होना जरूरी है। अगर फिल्में हमारे अधिकार में आ गई लेकिन साराह स्वतन्त्र रही तो कोई फायदा नही होगा । दुश्मन साराह की सहायता से फिर नई फिल्म तैयार कर लेंगे ।'

जेम्स बांड चुप रहा । उसने सिगरेट का आखिरी कश लगा कर उसे ऐशट्रे में डाल दिया । उसने सूटकेस उठा लिया और बोला, 'मैं आपके पास जल्दी ही रिपोर्ट करूंगा ।'

'ठीक है-' 'एम' बोला और उसने जेम्स बांड की ओर अपना हाथ बड़ा दिया ।

जेम्स बांड ने बड़ी मजबूती से हाथ थाम लिया ।

सबसे पहले जेम्स बांड ने उस आदमी को तलाश किया जिसने छः महीने पहले पार्टी में उसका साराह पैट्रिक से परिचय करवाया था ।

उस आदमी को साराह के बारे में कोई खबर नहीं थी । उसके कथनानुसार उस पार्टी के एक सप्ताह बाद ही साराह स्विटजर लैंड चली गई थी और उसके बाद वह वापिस लन्दन लौटकर आईं थी या नहीं और या वह अब स्विटजर लैंड में थी या नहीं, इस विषय में उसे कोई जानकारी नहीं थी ।

(२८)

उसी आदमी के माध्यम से जेम्स बांड ने उस पार्टी में मौजूद कुछ अन्य व्यक्तियों को भी खोज निकाला जो साराह से परिचित थे ।

वे लोग साराह से परिचित जरूर थे लेकिन उस समय किसी को भी साराह की खबर नहीं थी ।

तनिक भी निरुत्साहित हुये बिना जेम्स बांड ने दूसरी लाइन पर काम करना आरम्भ किया ।

उसने एक टैक्सी ली और फ्लीट स्ट्रीट पहुंच गया ।

फ्लीट स्ट्रीट की एक तीन मंजिली इमारत के सामने वह टैक्सी से उत्तरा ।

हाथ में सूटकेस लिये वह इमारत के कम्पाउण्ड में प्रविष्ट हो गया ।

ग्राउण्ड फ्लोर के द्वार पर एक पीतल की नेम प्लेट लगी हुई थी जिस पर काले अक्षरों में खुदा हुआ था--

हैरी क्रूगर ।

फोटोग्राफर.

स्टूडियो ।

जेभ्न बांड ने नेम प्लेट की बगल में लगी काल बैल पर उंगली रख दी ।

कुछ क्षण बाद द्वार खुला । एक लड़के ने द्वार खोला । 'हैरी हैं'- जेम्स बांड ने अधिकार पूर्ण स्वर से पूछा ।

'प्लीज कम इन' - लड़का बोला । जेम्स बांड भीतर प्रविष्ट हो गया ।

'आप यहां तशरीफ रखिए। मैं उन्हें आप के बारे में सूचना देता हूं।'

प्लीज ।'

(२६)

'आपका शुभ नाम?'

'बांड । जेम्स बांड । हैरी मुझे जानता है ।' लड़का वहां से विदा हो गया ।

जेम्स बांड ड्राइग रुम की तरह सजे हुये उस कमरे में एक सोफे पर बैठ गया । सूटकेस उसने अपने पैरों के समीप फर्श पर रख दिया और एक सिगरेट सुलगा लिया ।

वह प्रतीक्षा करने लगा ।

कुछ देर बाद हैरी कमरे में प्रविष्ट हुआ ।

हैरी क्रूगर एक कम से कम साढ़े तीन मन वजन का पहाड़ जैसे शरीर वाला आदमी था । वह ढीले कपड़े पहने हुये था और चलते समय कपड़ों के भीतर उसका ढीला ढ़ाला विशाल शरीर जेली की तरह हिलता था ।

जेम्स बांड अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ ।

'जेम्स' --प्रसन्नता की प्रति मूर्ति बनकर बाहें फैलाये उसकी ओर बढ़ता हुआ बोला- माई डालिग, माई लबी, माई डालिगेस्ट ।

और उसने जेम्स बांड को अपनी बाहों में भर लिया ।

'अरे छोड़ो' - जेम्स बांड उसकी गिरफ्त में छटपटाता हुआ बोला - 'मुझे गुदगुदी हो रही है।'

हैरी क्रूगर हो हो करके हंसने लगा। हंसी के साथ-साथ उसकी छाती और पर समुद्र की तरह उठने गिरने लगे और उनके साथ ही जेम्स बांड भी हिलोरे लेने लगा ।

'जिम्मी डियरेस्ट' हैरी क्रूगर प्यार भरे स्वर में बोला, 'कल मैंने तुम्हें ख्वाब में देखा था ।'

'हैरी' - जेम्स बांड बोला 'मुझे फौरन छोड़ दो वरना

(३०)

मैं समझूगा कि हमारी पिछली मुलाकात के बाद से तुमने होमो-सैक्सुअल आदतें अपना ली हैं ।'

हैरी क्रूगर ने फौरन उसे छोड़ दिया ।

'तुम बहुत बदमाश हो' - हैरी आहत स्वर से बोला ।

'मैं यहां तुमसे अपने बारे में राय पूछने नहीं आया' -जेम्स बांड बोला- 'मुझे तुमसे बहुत जरूरी काम है ।'

'बोलो ।'

'मैं तुम्हें एक फिल्म दिखाना चाहता हूं ।'

जेम्स बांड ने सिगरेट ऐशट्र में फेंका, सूटकेस उठाया और हैरी क्रूगर के साथ हो लिया ।

हैरी क्रूगर उसे एक सजे सजाये स्टूडियों में ले आया । जेम्स बांड ने सटकेस में से फिल्म निकाल कर प्रोजेक्टर मेज पर रख दी ।

'हेरी' - जेम्स बेहद गम्भीर स्वर में बोला- यह फिल्म टाप सिक्रेट है।
यह फिल्म तुम्हें दिखाने की हिम्मत मैं इसलिए कर रहा हूं, क्योंकि मुझे विश्वास है कि तुम किसी से इसका जिक्र नही करोगे ।

अब तक हैरी क्रूगर भी गंभीर हो उठा था ।

'मैं वहीं करूंगा जो तुम मुझे करने के लिये कहोगे' - वह बोला ।

'गुड । इस फिल्म को स्क्रीन करो ।'

हैरी ने पहले सावधानी से सारे दरवाजे बन्द कर दिये । कमरे में एक स्थान पर एक फोल्डिग स्क्रीन लगाई और फिर प्रोजेक्टर और फिल्म सैट करने में जुट गया ।

'हैरी - जेम्स बांड एक कुर्सी पर बैठता हुआ बोला- 'मैंने

(३१)

सुना है कि हर फोटोग्राफर का अपना एक उसकी कला में जरुर प्रतिबिम्बित होता है। स्टाइल होता है जो मैं यह फिल्म तुम्हें इस आशा से दिखाने लाया हूं कि शायद तुम इस फिल्म को देख-कर इसे शूट करने वाले फोटोग्राफर का अनुमान लगा सको । तुम मुद्दत से इस धन्धे में हो और निश्चय ही अपने हम पेशा लोगों का स्टाइल पहचानते होंगे ।'

हैरी ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

एक मिनट बाद फोल्डिग स्क्रीन पर ब्लू फिल्म चलने लगी । उस गन्दी फिल्म को देखकर हैरी के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया । वह उसे ऐसी निलिप्तता से देख रहा था जैसे वह ब्लू फिल्म नहीं साबुन के विज्ञापन की फि रहा हो । जेम्सबांड को इससे कोई हैरानी नहीं भुई, उसका धन्धा भी इससे मिलता जुलता था । वह खुद भी खूबसूरत नंगी लड़कियों की तस्वीरे और सलाइड तैयार करके अमेरिकन टूरि-स्टों को बेचा करता था ।

फिल्म समाप्त होने पर हैरी ने प्रोजेक्टर आफ किया और स्टूडियो की बत्तिया जला दी ।

'लड़की कौन है' - हैरी ने पूछा- 'मैं ब्लू फिल्मों में काम करने वाली सारी लड़कियों को जानता हूं लेकिन यह लड़की मैंने पहले कभी नहीं देखी ।'

'लड़की को छोड़ो' - जेम्सबांड बोला, 'लड़की में मेरी दिल-चस्पी नहीं है। तुम्हें कोई आइडिया है कि यह फिल्म किसने बनाई है? क्या तुम इस फिल्म में चित्रित आदमी को पहचानते हो?'

'जेम्स' - हैरी गम्भीर स्वर से बोला- 'मेरी जानकारी में लन्दन में केवल छः ऐसे कैमरा मैन हैं जो ब्लू फिल्म का धन्धा

(३२)

करते हैं। मैं उन सबका कैमरा टैक्नीक पहचानता हूं लेकिन*** लेकिन यह फिल्म उन छः फोटोग्राफरों में से किसी की बनाई हुई नहीं है।'

'श्योर!' जेम्सबांड निराशापूर्ण स्वर से बोला । 'श्योर' - हैरी बोला, 'लेकिन....'

'लेकिन क्या?'

'मेरा ख्याल है, मैं फिल्म में वित्रित आदमी को पहचानता हूं।'

'कौन है? कौन है वो?' जेम्सबांड के मन में एक नयी आशा जाग उठी ।

'मैंने उसे काफी अरसे पहले देखा था । तब बह सोहो के एक बार में बार मैन था ।'

'फरेंकीज बार और इस आदमी का नाम मारकस हान है। मैंने इसे फिल्म में भी देखा है

लेकिन क्या तुम ये अंदाजा नहीं लगा सकते कि इस फिल्म का फोटोग्राफर कौन है?'

'सारी । लेकिन अगर मैंने मारकस हान को ठीक पहचाना है तो वह तुम्हें बता सकता है कि फोटोग्राफर कौन है।'
'सही है!'
हैरी क्रूगर चुप रहा ।
'क्या तुम ऐक काम कर सकते हो?' जेम्सबांड ने पूछा ।
'क्या?'
'इस फिल्म में से तुम मुझे लड़की और उसके साथ के आदमी का एक क्लोज अप तैयार करके दे सकते हो?'
• 'मामूली काम है। मैं अभी करवाता हूं।'
'करवाता हूं नहीं । तुम खुद करो ।

(३३)

मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे स्टूडियों में इस फिल्म को तुम्हारे अलावा भी कोई देखे ।'

ओ० के०। तुम यहीं ठहरो मैं अभी आता हूं ।'

हैरी ने प्रोजेक्टर वहीं छोड़ दिया और फिल्म का स्पूल लेकर स्टूडियों से बाहर निकल गगा ।

जेम्सबांड ने एक नया सिग्रेट सुलगा लिया ।

लगभग आधे घन्टे बाद हैरी वापिस लौटा । उसके हाथ में ग्लासी पेपर पर बना हुआ एक कैबिनेट साइज का प्रिट था । प्रिंट उसने जेम्सबांड की तरफ बढ़ा दिया ।

जेम्सबांड ने देखा, प्रिंट में साराह पॅट्रिक और कथित मारकस होन के एनलार्ज हुए चेहरे दिखाई दे रहे थे ।

'ठीक है? - हैरी ने पूछा ।

'प्रिंट को इस लिफाफे में रख लो और यह अपनी फिल्म ।'

जेम्सबांड ने हैरी क्रगर द्वारा दिए लिफाफे में प्रिंट रख कर लिफाफा अपने कोट की जेब में रख लिया । उसने स्पल प्रोजेक्टर को दुबारा सूटकेस में बन्द किया और सूटकेस को फिर अपने बांये हाथ में लटका लिया ।

'थैंक्यू फार ऐवरी थिंग' - जेम्सबांड उसकी ओर अपना दाया हाथ बढ़ाता हुआ बोला ।

हैरी ने उसका हाथ थाम लिया और बोला 'माई पलेजर स्वीट हार्ट ।'

'और इस फिल्म को तुम अभी इसी क्षण भूल जाओ ।'

'कौन सी फिल्म । कैसी फिल्म हैरी पलकें झपकाता हुआ बोला ।

'व्यूटी फुल' - जेम्सबांड प्रशंसात्मक स्वर से बोला । 'फिर आना । मेरे स्टूडियों में एक नई मार्डल आई है।

(३४)

बहुत शानदार और जानदार चीज हैं। सामने यहां तक आती है' - हैरो क्रूगर अपनी छाती के सामने काफी आगे तक अपने दोनों हाथ फैला कर बोला' - और कमर मेरी मुट्ठी में आ जाती है और इतनी लम्बी और सुडौल टांगे तो तुमने जिन्दगी में नहीं देखी होंगी। हर जगह एक एक नट बोल्ट ऐसी मजबुत है जैसे उसे उसकी मां ने नहीं किसी मोटर कार बनाने वाली कम्पनी ने उसी साइज में बनाया हो । मिलोगे तो खुश हो जाओगे ।'

'मैं जरुर आऊंगा।'

'प्रामिस ।'

'मैं उसे तुम्हारे बारे में बताऊंगा।"

'जरुर बताना । अब मुझे इजाजत दो ।'

हेरी ने उसका हाय छोड दिया ।

****

जैम्सबाँड लन्दन की नगर वधुओं के इलाके सौहों में फ्रेंकीज बार में पहुंचा ।

बार अभी खुला नहीं था ।

पूछताछ करने पर उसे मालूम हुआ कि मारकस हान बार वाली ही इमारत की पांचवीं मंजिल के एक कमरे में रहता था । जेम्सबांड सीढ़ियां चढ़कर पांचवीं मंजिल पर पहुंचा । उसने हान के कमरे का दरवाजा खटखटाया ।

□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□

(□□)

□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □

□□□□ □□□□□ □

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □

'□□□ □□ ?' □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □

'□□□□□ □□□□'- □□□□□ □□□□ □□□□ □

'□□□ □□ □□□ □'

'□□□□□□□□□ □□□□'

'□□□□□ ?'

'□□□□□□□□ □'

'□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ ?'

'मारकस हान का ।'

कुछ क्षण चुप --

फिर भीतर से दुबारा वही स्वर सुनाई दिया'-टेलीग्राम को दरवाजे के नीचे से भीतर सरका दो।'

'लेकिन तुम्हें रसीद पर साइन भी तो करने पड़ेंगे, मेरे बाप' - जेम्सबांड अपने स्वर में गहरी झुंझलाहट का पुट देता हुआ बोला ।

'ठहरो, खोलता हूं।'

जेम्सबांड प्रतीक्षा करने लगा ।

थोड़ी देर बाद द्वार खुला । दरवाजे के पीछे से एक आदमी ने बाहर झांका । जेम्सबांड ने देखा, वह वही आदमी था जिसे वह ब्लू फिल्म में साराह पंट्रिक के साथ देख चुका था । जेम्सबांड ने शान्ति की सांस ली। वह ठीक जगह पर पहुंच गया था ।

'तुम्हांरा नाम मारकस हान है।' - जेम्सबांड ने अधिकारपूर्ण स्वर से पूछा ।

(३६)

जेम्सबांड के अधिकारपूर्ण स्वर का मारकस हान पर कोई प्रभाव दिखाई नहीं दिया। उसने दरवाजे में से सिर निकाल कर गलियारे में दांये बांये देखा और फिर उलझन पूर्ण स्वर से बोला -- 'वह टेलीग्राम वाला कहाँ गया?'

'□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□'- □□□□□□□□□ □□□□- '□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □ □□□□□ □□□' □□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □'

'□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□' - □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□-'□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □'

□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □

'□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□, □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □

'□□□ □□ □□□ -- □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□, □□□□ □□□ □□□□ □

'□□□□ □ □□□ □'

'□□□ □□ □□□□ □□□ !'

'□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □'

'□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□' - □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □

'□□□□□ □□□' - □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ -'□□□ □□□□ □□□□□ □□ □'

केवल एक क्षण के लिये मारकस हान के चेहरे पर जेम्सबांड के स्वर का प्रभाव दिखाई दिया लेकिन शीघ्र ही वह पहले जैसा हठी

(३७)

और क्रूद्ध मारकस हान बन गया ।

'ऐसी की तैसी तुम्हारी' - वह गर्ज कर बोला । उसने द्वार को थोड़ा सा अपनी ओर खोला और जेम्स बांड ने सूटकेस पर अपना घुटना लगाकर सूटकेस पीछे की ओर धकेल दिया । सूटकेस द्वार से पल्लों के बीच में से निकल गया ।

मारकस हान ने भड़ाक से दरवाजा बन्द किया लेनिक द्वार का लैंच लगा पाने से पहले ही जेम्स बांड का कन्धा पूरी शक्ति से द्वार से टकराया ।

द्वार सीधा जाकर मारकस हान के चेहरे से टकराया । वह लड़खड़ा कर पीछे हटा ।

उतने समय में जेम्स बांड कमरे में आ चुका था ।

'खून पी जाऊंगा' - मारकम पगलाये हुये बैल की तरह बिफर कर बोला और उस की ओर तेजी से झपटा ।

जेम्स बांड ने अपना सूटकेस वाला हाथ घुमाया । भीतर पड़े प्रोजेक्टर की वजह से काफी भारी हो गया सूटकेस भड़ाक से मारक्रस हान के शरीर के कन्धे के समीप टकाया । मारकस हान के पांव उखड़ गये । वह बाई ओर झुका और एक कुर्सी पर आ गिरा, अगले ही क्षण वह कुर्सी से उछलता हुआ फर्श पर लम्बा लेटा पड़ा था ।

जेम्स बांड शांत खड़ा उसके उठने की प्रतीक्षा करने लगा । पीड़ा क्रोध और अपमान के भावों से मारकस हान का चेहरा विकृत हो उठा । स्प्रिंग लगे खिलौने की तरह उखल कर अपने स्थान पर खड़ा हो गया । खड़े होने की क्रिया के दौरान उसने वह कुर्सी उठा ली थी जिससे उलझकर वह फर्श पर गिरा था। उसके

(३८)

नेत्रों में खून उतर आया था ।

जेम्स बांड ने फुर्ती से अपने शोल्डर होल्सटर से रिवाल्वर निकाल ली । लेकिन मारकस हान उसकी अपेक्षा से अधिक फुर्तीला और खतरनाक निकला । उसने जेम्स बांड को रिवाल्वर निकालते देख लिया था लेकिन फिर भी उसने रिवाल्वर की परवाह किये बिना कुर्सी बांड की ओर फेंक मारी थी ।

जेम्स बांड कुर्सी के सीधे प्रहार से बच गया लेकिन बचते-बचते भी कुर्सी की एक टांग उसके रिवाल्वर वाले हाथ से टकराई और रिवाल्वर उसके हाथ से निकल कर हवा में उछल गई ।

मारकस हान ने रिवाल्वर गिरने से पहले ही उसे रास्ते में लपक लिया ।

उसने रिवाल्वर की नाल जेम्स बांड की और तान दी । जेम्स बांड एकदम स्थिर खड़ा रहा

'जल्दी बोलो, कौन् हो तुम – मारकस हान क्रूर स्वर में बोला - वरना शूट कर दूंगा -

जेम्स बांड जानता था कि मारकस हान कोरी धमकी नहीं दे रहा था लेकिन फिर भी वह कठोर स्वर में बोला 'गोली चलाने की कोशिश मत करना मारकस हान । तुम बच नहीं पाओगे सोधे गैस चैम्बर में पहुंचोगे ।'

मारकस हान के मुह से एक गन्दी सो गाली निकली । फिर वह सांप की तरह फूंकार कर बोला- 'एक तो रिवाल्वर लेकर जबरदस्ती मेरे कमरे में घुमते हो और ऊपर से मुझे धमकी देते हो।'

'हां ।'

'बू ब्लडी सन बाफ ए बिच- 'मारकस हान चिल्लाया ।

(३६)

उस ने रिवाल्वर वाला हाथ सीधा किया ।

उसी क्षण जेम्स बांड ने अपने दांये पाव का पंजा ऊपर को ओर उठाया और एड़ी को जोर से फर्श पर दबाया ।

उसके जूते के अग्रभाग से एक छोटा सा चाकू गोली को तरह निकला और सीधा जाकर मारकस हान के रिवाल्वर वाले हाथ की कलाई में घुस गया ।

मारकस हान के मुह से एक चींख निकली और रिवाल्वर उसके हाथ से छूटकर दूर जा गिरा ।

जेम्स बांड ने झपटकर रिवाल्वर उठा ली । उसने रिवाल्वर की नाल मारकस हान को छाती पर रख दी और धीरे से बोला - 'अपने दोनों हाथ एक दूसरे से अलग रखो ।'

'मेरा हाथ - ओह - मारकस हान दांत भीचकर बोला - तुम कुत्तो...।- कमीने

जेम्स बांड का हाथ घूमा । रिवाल्वर की नाल भड़ाक से मारकस हान की बाई कनपटी से टकराई। उसकी चींख निकल गई । कनपटी से उसकी खाल 'कट गई और उसमें से खून बहने लगा । उसने कुछ कहने के लिये मुंह खोला लेकिन उससे पहले कि उसके मुह से कोई शब्द निकल पाता जेम्स बांड ने अपनी रिवाल्वर की नाल उसके मुह में हलक तक घुसेड़ दी ।

'मारकस हान- 'जेम्स बांड विष भरे स्वर से बोला- 'अगर फौरन तुमने चींखना चिल्लांना बन्द नहीं किया तो मैं तुम्हारा भेजा उड़ा दूंगा।

मारकस हान एकाएक शांत हो गया। उसके नेत्रों में भय की छाया उभर आई ।

'अपना दांया हाथ ऊपर उठाओ ।'

(४०)

मारकस हान ने आज्ञा का पालन किया ।

जेम्स बांड ने उसकी कलाई में घुसा चाकू खींच लिया ।

वह एक लगभग तीन इंच लम्बा आधा इंच चौड़ा और बहुत ही कम मोटे फल का दोनों ओर धार वाला चाकू था । जेम्सबांड ने रिवाल्वर मारकस हान के हलक से निकाल ली ।

'पीछे हटकर कुर्सी पर बैठ जाओ ।'

मारकस हान कुर्सी पर बैठ गया । उसने अपने बांये हाथ से अपनी घायल कलाई थाम ली थी ।

जेम्स बांड ने पलंग की पीठ पर फैला हुआ तौलिया उठा कर चाकू पर लगा खून पोंछा और फिर तौलिया मारकस हान की ओर उछाल दिया ।

मारकस हान ने बड़े कृतज्ञता पूर्ण ढंग से तौलिया लपका और उसे बड़ी मजबूती से अपनी घायल कलाई पर लपेट लिया ।

'कौन हो तुम" - उसने दवे स्वर ब्रदर

जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया । उसने आगे बढ़कर कमरे का दरवाजा भीतर से बन्द बन्द किया। उसने एक स्टूल उठाकर मर-कस हान के सामने रखा और उस पर बैठ गया ।

'तुम कोई शरारत नहीं करोगे' - जेम्स बांड ने उसे चेतावनी दी ।

मारकस हान ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया जेम्स बांड ने रिवाल्वर अपने कोट की दाई जेब में रख ली ।

'तुम नीचे फ्रकी के बार में बार मैन हो- 'जेम्स बांड ने पूछा ।

"हां - 'मारकस हान कठिन स्वर से बोला ।

'और तुम्हारी साइड लाइन है ब्लू फिल्मों में काम करना ।'

(४१).

'कौन कहता है- 'वह विरोध पूर्ण स्व से बोला ।

'मुझसे सवाल मत करो । सवाल मैं करूंगा, तुम सिर्फ जवाब दोगे ।'

मारकस हान चुप रहा ।

'ब्लू फिल्मों में काम करना तुम्हारी साइड लाईन है ।'

मारकस हान ने उत्तर नहीं दिया।

जेम्स बान्ड ने जेब से मारकस हान और सार'ह पैट्रिक की वह तस्वीर निकाली जो उसे हैरी क्रूगर ने बना कर दी थी ।

'इस तस्वीर को देखो - 'जेम्स बांड तस्बीर उसकी गोद में डालता हुआ बोला ।

मारकस हान् ने केवल एक उड़ती सी निगाह उस तस्वीर पर डाली फिर निगाहें चुराने लगा ।

'देखो मारकस हान' जेम्स आगे झुककर नम्र स्वर में बोला- 'यह प्रिंट के फिल्म मे से ही निकाला गया है और वह मूवी फिल्म भी मेरे पास है जिसमें तुम एक लडकी के साथ रति क्रियाओं में मग्न दिखाये गये हो । तुम इस बात से इन्कार नहीं कर सकते कि यह तस्वीर तुम्हारी है लेकिन मेरी तुममें दिलचस्पी नहीं है। मैं केवल यही जानना चाहता हूं कि तुम्हारी इस लड़की के साथ ब्लू फिल्म किसने तैयार की है? और यह लड़की अब कहां है?'

मारकस हान कुछ सोचने लगा ।

'□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□

(□□)

□□ □□□ □□□□ □'

' □□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ ?'

'□□□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□□ □□□ □'

'□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ ?'

'□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ ?'

'□□□□ □□□□□ □□ □'

'□□ □□□□ □□□□ □□ ?'

'□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□'

'□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ ?'

'□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □'

□□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □

'□□□ □□ □□ □□□ □□□'- □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□- '□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□

'□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ ?'

'□□□□ □□□□□ □'

'□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ ?'

'□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □'

(□□)

'□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □

'□□□□ □□ □□□ □□□□ □'

'□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ ?'

'□□□ □'

'तुम्हें क्या मिला था?'

'दो सौ पाउंड. हर फ़िल्म के लिए पचास पाउंड.'

'तुम वाकई लड़की के बारे में कुछ नहीं जानते?'

'मैं कसम खाकर कहता हूं, मैं लड़की के बारे में कुछ नहीं जानता ।'

- जेम्स बांड ने शान्ति की सांस ली। वर्तमान स्थिति में साराह पैट्रिक को जितने कम लोग जानते हो, उतना ही अच्छा था ।

'पीटर कुशिग और इस लड़की के से कैसे सम्बन्ध थे?'

'बहुत अच्छे । दोनों एक दूसरे से खूब घुले-मिले मालुम पड़ते थे।'

'पोटर कुशिग ने तुम्हें बताया था कि वह मूवी फिल्म क्यों बना रहा है ?'

'मैंने पूछने की जरूरत ही नहीं समझो थी। मैं खूब जानता था कि वे फिल्में क्यों बनाई जाती हैं? ब्लू फिल्में दूसरे देशों में बड़े ऊंचे दामों पर बिकती हैं। ब्लू फिल्म बनाकर बेचना तो पीटर का पुराना धन्धा ही है, मेरे ख्याल से उस फिल्म के लिये जैसे मैं किराये पर लिया गया था वैसे ही वह लड़की भी किराये पर ली गई थी। फर्क केवल इतना था कि लड़की पीटर से ज्यादा घुली मिली थी । सम्भव वह पीटर कुशिग की रखैल हो ।'

(४४)

'लड़की को मूवी कैमरे के सामने तुम्हारे साथ रति क्रियायें करने में कोई ऐतराज नहीं था ।'

'एतराज का क्या सवाल है? यह तो धन्धा है जो आप दौलत की खातिर करते हैं। मुझे ही कौन सा ऐतराज था? ऐसे ही लड़की को भी ऐतराज नहीं था ।'

मारकस हान अटका ।

'यस, यस.' --'लेकिन पहले बार के बाद मुझे एक सन्देह हुआ था ।'

'क्या ।'

'कि लड़की अपने होश-हवास में नहीं थी ।'

'तुम यह कैमे कह सकते हो?'

मिस्टर, मैं उस लड़की के साथ लेटा हुआ था । इतनी निकटता में उनकी कोई बात मेरे से ऐसे छुपी रह पाना सम्भव नहीं थी। वह बेहद गरमाई हुई थी और उसके दिमाग में सैक्स का इकलौता ख्याल डेरा डाले हुए था । मुझे तो सन्देह है कि उसे यह भी मालूम था या नहीं कि उसकी फिल्म बनाई जा रही है और मैंने उसकी बांह पर कई छोटे-२ तिल जितने बड़े गोल निशान देखे थे जो इन्जेक्शन की सिरींज से पैदा होते हैं। मेरे ख्याल से वह लड़की उस समय एल० एस० डी० के नशे में थी।'

'तुम्हारी वहां मौजूदगी के दौरान में उन लोगों में कोई बात-चीत न हुई थी?

'शूटिंग के बीच के इन्टरवलों में, शूटिंग से पहले और बाद ये बातें करते ही रहते थे लेकिन मैंने उसकी बातों की ओर ध्यान

(૪)

नहीं दिया था। मेरी दिलचस्पी नहीं थी। मैं तो वहां दो सौ पौण्ड कमाने गया था न कि एक ब्लू फिल्में बनाने वाले फोटो-ग्राफर और उसकी रखैल सी लगने वाली और एल० एस० डी० के नशे में डूबी लड़की की बातें सुनने ।'

'फिर भी ऐसी कोई भूली भटकी बात जो अनजाने में तुमने सुनी हो और अनजाने में ही तुम्हें याद रह गई हो ।'

मारकस हान कुछ क्षण तक सोचता रहा और फिर बोला-'मैंने पीटर कुशिग को लड़की से कहते सुना था कि शीघ्र ही वह उसे फिलीपाइन्स, हांग कांग, सिगापुर, मलेशिया, इन्डोनेशिया, थाईलैंड, बर्मा, हिन्दुस्तान पाकिस्तान वगैरह की सैर कराने ले जायेगा ।'

'उसने यह नहीं कहा था कि वह कब जावेगा?' और पहले कहां जायेगा

'नहीं ।

'कोई और ऐसी हो?' बात जो तुम्हें जिक्र के काबिल लग रही हो --

'नथिग ।'

जेम्स बांड कुछ क्षण चुप रहा और फिर अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ । उसने मारकस हान के हाथ से तस्वीर ले ली और उसे वापस कोट की जेब में

रख लिया । कोट की जेब में से रिवा-ल्वर निकाल कर उसने उसे सोल्डर होलस्टर में पहुंचा दिया । चाकू उसने जेब में ही रहने दिया। उसने जमीन से सूटकेस उठा लिया और फिर मारकरा हान के नेत्रों में झांकता हुआ कठोर स्वर में बोला- 'मारकस हान, मेरे इस कमरे से निकल जाने के बाद तुम मुझे एकदम भूल जाओगे। इसी में तुम्हारी भलाई है लेकिन

(४६)

अगर तुमने मेरे बारे में किसी को, विशेष रूप से पीटर कुशिग को कोई सूचना देने की कोशिश की तो मैं तुम्हारी वो गत बनाऊंगा कि तुम्हारी सगी मां भी तुम्हें नहीं पहचान पायेगी । समझ गये ।'

'समझ गया' - मारकस हान स्वीकृति-सूचक ढंग से सिर हिलाता हुआ बोला।

जेम्स बांड बिना उसकी ओर दुबारा दृष्टिपात किये लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया ।

****

प्रिन्स एलबर्ट रोड पर चौबी इमारत के सामने जेम्स- बांड टैक्सी से उतर गया ।

हाथ में सूटकेस लटकाये वह इमारत में प्रविष्ट हुआ । लिफ्ट के रास्ते वह पांचवी मन्जिल पर पहुंचा ।

पीटर कुशिग का फ्लैट तलाश करने में उसे कोई दिक्कत नहीं हुई। उसके फ्लैट के मुख्य द्वार के आगे एक धुंधले शीशे का झूलने वाला दरवाजा था । दरवाजे के ऊपरले हिस्से पर लिखा था-

पीटर कुशिग का

पोर्ट्रेट स्टूडियो ।

जेम्स बांड यह द्वार धकेल कर भीतर प्रविष्ट हो गया।

वह एक रिसेप्शन की तरह सजा हुआ छोटा सा कमरा था । रिसेप्शन डेस्क के पीछे एक लगभग तीस साल की सुन्दर महिला बैठी थी ।

(४७)

जेम्स बांड सीधा उसके समाने जा खड़ा हुआ ।

'मिस्टर कुशिग प्लीज' अपने होठों पर वह गोल्डन सी मुस्कराहट लाता हुआ बोला- 'जो पत्थर दिल लड़की का भी दिल जीत लेती थी ।

लेकिन जेम्स बांड को यह देखकर बड़ा अफसोस हुआ कि उस मुस्कराहट का रिसेप्शनिस्ट पर तनिक भो असर नहीं हुआ था ।

'मिस्टर कुशिग नहीं है?' -- वह भावहीन स्वर में बोली ।

'कहां गये हैं?'

"मालूम नहीं!'

'कब आयेंगे?'

'मालूम नहीं ।'

'मैं इन्तजार करू?

'कोई फायदा नहीं होगा । सम्भव है मिस्टर कुशिग कई दिन तक वापस न लोटें ।'

''क्या वे लन्दन से बाहर गये हुए हैं?'

'मालूम नहीं ।'

'मुझे उनसे बहुत जरुरी काम है। मैं उनसे कहीं फौरन सम्पर्क स्थापित कर सकता हूं?'

'मालूम नहीं!'

'आपके पिताजी का नाम क्या है?'

रिसैप्शनिस्ट ने अग्नेय नेत्रों से जेम्स बांड की तरफ देखा ।

'जाहिर है कि आपको इस सवाल का जवाब भी नहीं मालूम - जेम्स बांड अपने स्वर को भरसक भावहीन बनाता हुआ बोला-

(४८)

'जब कि इस बार मैंने सावधानी से ऐसा सवाल पूछा था जिसका जवाब आपको जरूर मालूम हो!'

'मिस्टर, डोंट ट्राई टु वी फनी!'

'ओ० के०, ओ० के० ।' जेम्स बांड बोला - सहयोग के लिये बहुत बहुत धन्यवाद ।'

जेम्सबांड उल्टे पांव से बाहर निकल आया। उस लड़की से कोई जानकारी हासिल होने की कोई उम्मीद नहीं थी । या तो उसे मालूम नहीं था कि पीटर कुशिश कहां था और या फिर उसे विशेष रूप से यह निर्देश दिया गया था कि वह उसके पते के बारे में किसी को न बताये ।

जेम्सबांड ने गलियारे में आकर लिफ्ट का काल बटन दबाया और प्रतीक्षा करने लगा ।

खाली लिफ्ट पांचवी मंजिल कर उसके सामने रुक गई ।

'ग्राउन्ड ।'जेम्सबांड बोला ।

लिफ्ट चालक ने द्वार बन्द किया और ग्राउन्ड फ्लोर का बटन दबाया ।

एकाएक जेम्सबांड को एक ख्याल आया । उसका ध्यान लिफ्ट चालक की ओर आकर्षित हुआ, वह एक लगभग पन्द्रह साल का सुनहरे बालों वाला सूरत शक्ल से बड़ा चालाक और कमीना लगने वाला लड़का था ।

'सुनो?' जेम्सबांड बोला- 'क्या नाम है तुम्हारा?'

'□□□ !' □□□□□ □□□□ □

'□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ ?'

(□□)

'□□□□ □□□□□, □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ ?'

'□□□ □□□ □□□□ □□□ □'

□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□, □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □

'□□□□ ?' □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□-□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □

'□□ !' □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ '□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□

□□ □□□□ □

'□□□□□□□ □' □□□□□ □□□□ □□□□-□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □

'□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ ?' □□□□□ □□□□ □

'□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □'

'□□□□ ?'

'□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ ?'

'□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ ?'

'□□□ ?'

'□□□□□ □□□ □'

'□□ □□□□ □□□ ?'

'□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □'

'□□□□ !'

(□□)

लड़के के लोमड़ी जैसे चालाकी से भरे नेत्रों में एक विचित्र प्रकार की चमक आ गयी ।

'आप क्यों जानना चाहते हैं?'

जेम्सबांड एक क्षण कसमसाया और फिर बोला - 'पीटर कुशिग से मैंने पांच हजार पौण्ड लेने हैं और एकाएक वह पता नहीं कहां गायत्र हो गया है।'

'अगर आपको पता लग जाये कि पीटर कुशिग कहां है त आप उससे अपनी रकम वसूल कर लेंगे?'

'बिल्कुल! मेरी रकम नहीं लौटायेगा तो मैं उस हरामी गरदन नहीं मरोड दूंगा?

'यानि कि पीटर कुशिग का पता मालूम होने से आपको पांच हजार पौंड का लाभ होगा

'तुम कहना क्या चाहते हो? - जेम्स बांड झुंझलाकर बोला ।

'मैं यह कहना चाहता हूं, बास । लड़का लालच भरे स्वर बोला- 'कि अगर मैं आपको पीटर कुशिग का एकदम सही-सही पता बता दू तो क्या आप मुझे क्वीन के एक बार फिर से दर्शन हासिल करने का हकदार नहीं मानेंगे?'

'जेम्स बांड ने एक गहरी सांस ली। लड़का उसे साफ-स ब्लैक मेल कर रहा था उसने अपनी जेब से एक पाउन्ड का। और नोट निकाला। उसने नोट लड़के की ओर बढ़ा दिया। उस की उगलिया नोट से लिपट गई लेकिन जेम्सबांड ने नोट छोड़ा नहीं ।

'लेकिन बेटे अगर पीटर कुशिन का पता एकदम सही न तो उनकी जगह मैं तुम्हारी गरदन मरोड़ दूंगा ।'

(५१)

'अड्रेस बिल बी वन हन्ड्रड परसेंट करेंवट, बास ।' लड़का विश्वासपूर्ण स्वर से बोला ।

जेम्सबांड ने नोट से अपनी पकड़ ढीली कर दी । नोट लग-भग तत्काल ही लड़के की जैकेट में कहीं गायब हो गया ।

'पोस्ट मैन इमारत की सारी डाक मुझे दे जाता है ।' लड़का धीमे किन्तु स्पष्ट स्वर में बोला- बाद से इमारत के विभिन्न कमरों में मैं डाक बांटता हूं । कल शाम की डाक में पीटर कुशिग की सैक्रेटी के नाम एक पत्र आया था । लिफाफा बैंकाक के प्रसी-डेन्ट होटल का था और उस पर भेजने वाले के नाम स्थान पर पर पीटर कुशिग के हस्ताक्षर थे ।

'यानि कि पीटर कुशिग बैंकाक के प्रेसीडेन्ट होटल में है।'

'शयोर । लेकिन अगर तुम्हारे बैंकाक पहुंचने तक पीटर कुशिग वहां से कहीं चला गया हो तो वापस मेरी नरदन मरोड़ने मत पहुंच जाना ।

'अच्छा ।' जेम्सबांड बोला और लिफ्ट से बाहर निकल आया ।

****

'एम' के आफिस के बाहरी कमरे में उसकी सैक्रेट्री मिस पेनी टाईप राइटर के पीछे बैठी थी ।

'हल्लो स्वीट हार्ट ।' जेम्भबांड उसके डैस्क के सामने रुककर बोला - लांग टाइम! सो सी ।'

मनीपेनी चुप रही ।

(१२)

'क्या रोज तुम इतनी ही खूबसूरत लगती हो?'

'चीफ भीतर है।'

'मैंने यह नहीं पूछा था।'

मनी पेनी चुप रही ।

'मैडम मेरा बाप कहा करता था कि सुबह सवेरे किसी खुब-सूरत लडकी का चुम्बन मिल जाये तो दिन बहुत बढ़िया गुजरता है।'

'यह सुबह सवेरा नहीं है।'

'मेरे बाप ने यह भी कहा है कि बारह बजे से पहले तक सुबह सवेरा ही होता है।'

'और मैं ऐसी खूबसूरत भी नहीं हूं।'

'तुम्हारी दोनों ही बातें गलत है?' जेम्स्बांड बोला 'और मैज की साइड से घूमकर उसकी ओर बढ़ा ।

मनीपेनी ने झपट कर लोहे का फुटा उठा लिया और चेता-वनी भरे स्वर से बोली- 'खबरदार?'

'मेरे बाप ने यह भी जहा है कि खूबसूरत लड़की से कभी नहीं डरना चाहिये ।'

'मैं कहती हूं रुक जाओ ।'

जेम्स बांड ने चेतावनी की परवाह नहीं की उसने सूटकेस फ़र्श पर रख दिया ।

मनीपेनी ने जल्दी से इन्टरकाम का बटन दबाया और जोर से बोली- 'मिस्टर बांड इज हेयर सर?'

जेम्सबांड अपने स्थान पर ठिठक गया ।

उसे भीतर भेजो ।' इन्टर काम पर 'एम' की आवाज सुनाई दी। '

(५३)

'आन यूअर वे, रोमियो?' - मनीपेनी शरारत भरे स्वर से बोली ।

"मैडम?' जेम्स बांड आहत स्वर से बोला- 'यू शुड नाट हिट बिलो दि बैल्ट ।'

मनीपेनी उसके स्वर की नकल करती हुई बोली- 'यू आल्सो शुड नाट बिहेब लाइक ए कैसा नोवा ।'

'जेम्स..?' इन्टर काम पर 'एम' की गर्जदार आवाज सुनाई दी- 'मेरी सैक्रेट्री को छोड़ो और फौरन भीतर आओ ।'

'अभी आया सर!' जेम्सबांड उच्च स्वर से बोला ।

फिर बह मनीपेनी से सम्बोधित हुआ - बैंकाक के प्रसीडेन्ट होटल से जल्दी से जल्दी मेरी बात करवाओ ।'

'यस सर!' मनीपेनी तत्पर स्वर से एडोक प्रोत जेम्सबांड ने सूटकेस उठाय एक आखिरी शिकायत भरी निगाह मनीपेनी की ओर डाल कर 'एम' के कमरे में प्रविष्ट हो गया ।

'एम' ने उसे बैठने का संकेत किया ।

जेम्सबांड 'एम' के समीप की एक कुर्सी पर बैठ गया ।

'क्या प्रोग्रेस है?' एम ने पूछा ।

जेम्स बांड ने उसे शुरू से आखिर तक सब कुछ कह सुनाया ।

'जेम्स..!' सारी बात सुन चुकने के बाद 'एम' बोला-'कहने की जरूरत नहीं कि तुम्हें फौरन बैंकाक रवाना होना पड़ेगा ।'

'जाहिर है?' जेम्सबांड बोला । 'मैं अभी तुम्हारी बुकिंग का इन्तजाम करता हूं । -

(५४)

एम बोला फिर उसने इन्टर काम का स्विच दबाया ओर बुकिंग के बारे में मनी पेनी को निर्देश देने लगा ।

'अगर बैंकाक में साराह मुझे मिल गई तो मुझे उसको क्या ट्रीटमेंट देना पड़ेगा?'

'क्या मतलब ?'

'मतलब यह सर कि बाकी की तीन फिल्में तो मैं पीटर कुशिंग से हासिल कर लूगा लेकिन साराह मेरे साथ वापिस आने के लिये तैयार न हुई तो?'

'तुमने उसकी इच्छा अनिच्छा नहीं पूछनी है!' - 'एम' कठोर स्वर से बोला- 'तुमने उसे जबरदस्ती यहां लाना है चाहे तुम्हें उसको भगाकर क्यों न लाना पड़े। मिस्टर, मैं उस लड़की को अपने अधिकार में चाहता हूँ मैं उसे उसके उसके बाप के पास भिजवा सकू । यह काम तुम्हें करना है मुझे इस बात से वास्ता नहीं है कि तुम यह काम कैसे करोगे । समझे ।'

'समझ गया ।' जेम्स बांड बोला--

उसी समय इन्टरकाम का बजर बजा । 'एम' ने स्विच ओन किया ओर बोला- 'यस ।'

'सर!' इन्टर काम पर मनी पेनी की आवाज सुनाई दी--'आज शाम को सवा चार बजे की बी. ओ. ए० सी. की फ्लाइट नम्बर ७१८ में मिस्टर बांड के लिये सीट बुक करा दी गई है। प्लेन ज्यूरिच रोम और कराची में रुकता हुआ अगले दिन बैंकाक पहुंचेगा।'

'गुड ।' 'एम' सन्तोषपूर्ण स्वर से बोला ।

'और सर, मिस्टर बांड से कहिये कि बैकाक का होटल

(५५)

प्रेसीडेंट लाइन पर है।'

'ओ. के. ।'

'एम' ने इन्टरकाम बन्द कर दिया और जेम्सबांड को मेज पर रखे फोन की ओर सकेत किया ।

जेम्पबांड ने टेलीफोन का रिसीवर उठा लिया ।

'हल्लो!' वह जोर से बोला-

'होटल प्रसीडैन्ट प्लीज ।' - दूसरी ओर से आवाज आई ।

'रिसेप्शन?'

'यह।'

... क्या आपके यहां मिस्टर पीटर कुशिग ठहरे हुये हैं? नहीं, नहीं मैंने उनसे बात नहीं करनी है। में केवल यह जानना चाहता था कि वे अभी वहीं है या चले गये?..... वैरी गुड, आप मेरे लिये कल के लिये एक सिंगल रूम बुक कर दीजिये । मेरा नाम जेम्सबाड है ।

मैं कल बी० ओ० ए० सी. की फ्लाइट नम्बर सात सौ अट्ठारह से बैंकाक पहुंच रहा हूं। ------ नहीं, एयरपोर्ट पर गाड़ी भेजने की जरूरत नहीं है। ओ. के. थैंक्यू ।'

और जेम्सबांड ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया ।

'अब, सर'- जेम्सबांड 'एम' से बोला- 'आप ऐसा इन्त-जाम कीजिये कि कल बैंकाक पहुंचते ही मुझे एयरपोर्ट पर एक कार और एक रिवाल्वर मिल जाये ।'

'मैं अभी बैंकाक में अपने दूतावास से सम्पर्क स्थापित करता हूं।'

'थैंक्यू । और यह फिल्म ओर प्रोजेक्टर आप संभाल लीजिये इसकी अब मुझे जरूरत नहीं ।'

(५ ६)

'ओ० के० ।'

'अब मुझे इजाजत दीजिये ।'

'ठीक है! तुम ठीक समय पर एयरपोर्ट पहुंच जाना । तुम्हारा टिकट वगैरह वही पहुंच जायेगा ।'

जेम्सबांड अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ । उसने 'एम' से हाथ मिलाया और द्वार की ओर बढ़ गया ।

'एम' भी अपने स्थान से उठा और लापरवाही से चलता हुआ द्वार तक उसके पीछे पहुंचा ।

जेम्सबांड कमरे से बाहर निकल गया । उसने मनी पेनी की ओर देखा ।

मनी पेनी एकदम गम्भीर थी ।

जेम्सवांड को मालूम था कि 'एम' मनी पेनी के ओर अपने कमरे को मिलाने वाले द्वार की अपनी चौखट पर खड़ा था । । उसने मनी पेनी को देखकर अपनी आंख दबा दी । मनी पेनी बौखलाकर नीचे देखने लगी ।।

जेम्सबांड लम्बे डग भरता हुआ मनी पेनी के डेस्क की बगल से गुजर गया और 'एम' के आफिस से बाहर निकल गया ।

****

धड़कते दिल से जान पैट्रिक ने अपना जाली पासपोर्ट लंदन एयरपोर्ट पर वर्दीधारी चैंकिग अधिकारी के काउन्टर पर रख दिया ।

जान पैट्रिक उस समय नकली मूछे नकली बाल और चश्मा लगाये हुये था ।

(५७)

चैंकिग अधिकारी ने पासपोर्ट पर लगी फोटो की और फिर जान पंट्रिक को देखा । उसने सन्तुष्टिपूर्ण ढंग से सिर हिलाया, पासपोर्ट पर एक मोहर लगाई और उसे बन्द करके जान पैट्रिक को लौटाता हुआ बोला- 'थैंक्यू मिस्टर फ्रक मैंक्शेन ।'

पासपोर्ट पर जान पैट्रिक का यही नाम लिखा हुआ था ।

उसने शांति की गहरी सांस ली। उसके होठों पर एक फीकी मुस्कराट उभरी और उसने पासपोर्ट थाम लिया ।

जान पैट्रिक बैरियर पार कर गया ।

उसने अपनी घड़ी पर दृष्टिपात किया ।

कान्टास ऐयर वेज की जिस फ्लाइट में उसकी न्यूयार्क के लिये सीट बुक थी, उसके टेक आफ करने में अभी पन्द्रह मिनट बाकी थे । वह आराम से चलता ह नम्बर तीन की ओर बढ़ा । वह पहले ही मालूम कर चुका का था कि उसकी फ्लाइट गेट नम्बर तीन से जाने वाली थी ।

उसी क्षण माइक्रोफोन पर उसे एनाउन्सर का स्वर सुनाई दिया- 'योर अटेन्शन प्लीज । हमें खेद के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि कान्टास एयर वेज की फ्लाईट नम्बर पांच सौ इक्यासी कल पुर्जों की आकस्मिक खराबी के कारण लगभग एक घन्टा लेट टेक आफ करेगी । इस फ्लाइट के यात्रियों से प्रार्थना है कि वे रिसेप्शन सैन्टर पर प्रतीक्षा करे । धन्यवाद ।'

जान पैट्रिक चिन्तित हो उठा। उसका एयरपोर्ट पर अधिक देर मौजूद रहना खतरनाक सिद्ध हो सकता था। अब उसके पहचान लिये जाने की सम्भावनायें बढ़ गई थीं।

'पलाइट लेट हो जाने से तुम्हारे लिये तो बड़ी दिक्कत हो गई,

(५८)

पैट्रिक ने चिहुंकर अपने पीछे देखा और फिर उसका मुह सूखने लगा ।

वह एक लगभग पचास वर्ष का छोटा सा आदमी था । उस के न केवल कपड़ों से बल्कि हाव भाव से भी रईसी झलकती थी । हरमन जे० बोल्टन संसार के गिने चुने करोड़पतियों में से एक था । अपनी बेशुमार दौलत की वजह से सारे संसार में उसका इतना दबदबा था कि वह विश्व के उद्योग पतियों को,

राजनीतिज्ञों को और यहां तक कि अमेरिकन एड पर आश्रित छोटे-मोटे बादशाहों को कठपुतली की तरह अपनी इच्छानुसार नचा सकता था ।

हरमन जे० बोल्टन संसार का आखिरी आदमी था जिसकी जान पैट्रिक वहां अपेक्षा कर सकता था । और इस बात में कोई सन्देह ही नहीं था कि बोल्टन ने उसकी मूछों नकली बालों और चश्मे के बावजूद पहचान लिया था इसलिये स्थिति से अनजान बनना बेकार था।

'बोल्टन, प्लीज' - जान पैट्रिक याचनापूर्ण स्वर से बोला--'मुझ से अलग हो जाओ । मुझे भय है तुम्हारी बजह से मैं पह-चान लिया जाऊंगा।'

'मुझे तुमसे बात करनी है ।' बोल्टन बोला ।

'इस वक्त नहीं ।'

'इसी वक्त ।'

'लेकिन...।'

'रिसैच्शन सैन्टर पहुंचो और सिरे के दरवाजे से अन्दर प्रविष्ट हो जाओ ।'

'लेकिन बोल्टन'.'ו

(૪)

'तुम इन्कार करने की स्थिति में नहीं हो ।'

हरमन जे. बोल्टन के स्वर में धमकी का स्पष्ट पुट था ।

जान पैट्रिक फौरन आगे बढ़ गया ।

रिसैप्शन सैन्टर में पहुंचकर बोल्टन द्वारा बताये द्वार से वह भीतर प्रविष्ट हो गया । यह एक बड़े ऐश्वर्यपूर्ण ढंग से सजाया हुआ वेटिंग रूम था जो केवल वेहद महत्वपूर्ण यात्रियों के लिये ही सुरक्षित था ।

एक मिनट बाद बोल्टन भी उस कमरे में प्रविष्ट हुआ ।

उसने द्वार भीतर से बन्द कर लिया । वह जान पैट्रिक के सामने आ खड़ा हुआ ।

जान पैट्रिक उससे निगाहें नहीं मिला सका ।

'बैठो' - बोल्टन आदेशपूर्ण स्वर से बोला ।

जान पैट्रिक एक सोफे पर बैठ गया ।

बोल्टन भी उस के सोफे पर बैठ गया और फिर धीमे किन्तु स्पष्ट स्वर से बोला- 'क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है?'

बोल्टन के स्वर में कोड़े जैसी फटकार थी। जान पैट्रिक कसमसाया लेकिन मुह से कुछ नहीं बोला ।

'ये नकली बाल, ये नकली मूछे चश्मा, जाली पासपोर्ट । इन तमाम बातों का मतलब क्या है?'

'एक ऐसी समस्या आ खड़ी हुई थी जिसकी वजह से यह सब करना जरुरी हो गया था ।' जान पैट्रिक दबे स्वर से बोला ।

'कैसी समस्या?'

- 'वह मेरी निजी समस्या है। उसमें तुम्हारी दिलचस्पी की कोइ बात नहीं है ।'

(६०)

'जानते हो अगर तुम इस हालत में जाली पासपोर्ट, नकली नाम और नकली सूरत के साथ सफर करते हुये इंगलैंड में गिर-फ्तार हो जाओ तो तुम्हारा क्या अन्जाम होगा? तुम सपने में भी राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं जीत सकोगे ।'

'मुझे मालूम है लेकिन जो कुछ मैंने किया है, वह भी बहुत जरूरी था ।'

'तुम मुझे अपने यू एकाएक लन्दन आने की वास्तविक वजह नहीं बताओगे ।'

'नहीं ।' जान पैट्रिक कठिन स्वर से बोला ।

'तुम्हारी मेरे प्रति भी कोई जिम्मेदारी है।'

जान पैट्रिक चुप रहा ।

'माई डियर पैट्रिक' - बोल्टन एक गहरी सांस लेकर बोला---- शायद तुम्हें हमारे बीच में तय हुये सौदे की दोबारा याद दिलाने की जरूरत है। शायद तुम तुम् ही भूल रहे हो कि तुम्हें अमेरिका का भावी राष्ट्रपति बनाने की खातिर जो चार करोड़ डालर की भारी रकम खर्च की जा रही है वह आधी मेरी जेब से निकली है । शायद तुम यह भूल रहे हो कि मेरी दो करोड़ डालर की रकम का उद्धार तुम्हारी सफलता पर निर्भर करता है । क्या तुम समझते हो जिस आदमी पर मेरे दो करोड़ डालर का दांव लगा हुआ हो मैं उसकी ऐसी मूर्खतापूर्ण हरकत बर्दाश्त करूंगा । यहां अगर

एक दो कौड़ी का रिपोर्टर भी तुम्हें पहचान ले तो तुम्हारे अमेरिका का भावी राष्ट्रपति बनने के चांस शत प्रतिशत खतम हो जायेंगे और साथ ही मेरे दो करोड़ डालर की रकम डूब जायेगी । पैट्रिक, तुम्हारे प्रसीडेन्ट बनने में मेरी सारी दिल-चस्पी केवल इसलिये हैं क्योंकि तुमने प्रसीडेन्ट बनने के बाद

(६१)

आरकेडिया डैम का ठेका मुझे देने का वायदा किया हुआ।।

जान पैंट्रिक ने बड़ी वेचैनी से पहलू बदला । वोल्टन सच कह रहा था । जान पैट्रिक ने वाकई उससे वादा किया था कि अगर वह प्रेसीडेन्ट बन गया तो वह उसको आरके -डिया डैम का ठेका दिलवा देगा । बोल्टन द्वारा दिया जाने वाला सबसे बड़ा खर्चा था । वह पचास करोड़ डालर का प्रोजेक्ट था और बोल्टन उसमें से कम से कम बीस प्रतिशत मुनाफा कमाने वाला था । और जान पैट्रिक जानता था कि अगर वह राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत गया तो उसकी सफलता की सबसे बड़ी वजह वोल्टन की बेशुमार दोलत और उसका राज-नैतिक प्रभाव होगा ।

'लेकिन बोल्टन' - जान पैट्रिक खुद को भरसक व्यवस्थित करता हुआ बोला- 'ऐसी भारी चिन्ता की कोई बात नहीं है । तुम जानते ही कि मैं पकड़ा नहीं गया हूं और आगे पकड़े जाने की सम्भावना नहीं है और सच पूछो तो अगर तुमने मुझे केवल संयोगवश यहां एयरपोर्ट पर देख न लिया होता तो तुम्हें कभी खबर भी नहीं होती कि मैं यूं छदम वेश धारण करके जाली पासपोर्ट पर सफर करके लन्दन आया था ।'

संयोग? डोंट टाक नानसेंस । 'संयोग!' वोल्टन बोला ---मैं विशेष 'रूप से तुमसे बात करने के लिये अपना हांगकांग का प्लेन मिस - करके यहां एयरपोर्ट पर बैठा हुआ था । पैट्रिक, तुम उन सिक्यो रिटी वालों की आंखों में धूल झोंक सकते हो जो सरकार ने न्यूयार्क में तुम्हारी हिफाजत के लिये तैनात किये हुये हैं। तुम न्यूयार्क और लन्दन के कस्टम अधिकारियों की आंखों में धूल

(६२)

झौंक सकते हो लेकिन वोल्टन और उसके आदमियों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकते । तुम्हारे न्यूयार्क से रवाना होते ही मुझे काहिरा में सूचना मिल गई थी और मैं फौरन लन्दन चला आया था और तुम्हारी जानकारी के लिये मुझे यह भी मालूम है कि एक्सैलसियर होटल में तुम जिस आदमी से मिले थे वह ब्रिटिश एन्टैलीजेन्स का चीफ है।'

जान पैट्रिक के मुंह से सिसकारी निकल गई । वह आश्चर्य और अविश्वासपूर्ण नेत्रों से वोल्टन की ओर देखने लगा ।

'अब तुम मुझे यह बताओगे कि ऐसी कौन सी समस्या है? जिसकी वजह से तुम्हें इतना खतरा उठाकर लन्दन में ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के चीफ के पास आना पड़ा ।'

वोल्टन से कुछ छुपाना बेकार था। जान पैट्रिक ने धीरे-२ ने सारी बात बता दी ।

'इस काम के लिये तुम क्यों आये?' - सारी बात सुन चुकने के बाद वोल्टन ने प्रश्न किया- 'मेरे पास क्यों नहीं आये?'

'क्योंकि ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स का चीफ मेरा बचपन का दोस्त है।'

'और मैं तुम्हारा दोस्त नही हूं।'

'नहीं ।' जान पैट्रिक दबे स्वर से बोला- 'तुम मेरे दोस्त नहीं हो । तुम केवल मेरे एक शक्तिशाली और समर्थ सहयोगी हो।'

'अमेरिका के होने वाले राष्ट्रपति को ऐसी उपाधि देते हुये मेरा कलेजा फटा जा रहा है लेकिन मुझे कहना पड़ रहा है, पैट्रिक, कि तुम गधे हो।'

(६३)

जान पैट्रिक कसमसाया लेकिन मुंह से कुछ नहीं बोला ।

'मुझे तुम्हारे बारे में चिन्ता होने लगी है।' वोल्टन सत्य ही चिन्तित स्वर से बोला- 'मैं सोच रहा हूं क्या वाकई तुम्हारे में वे गुण हैं जो कि एक महान राष्ट्र के महान राष्ट्रपति में होने चाहिये । पैट्रिक जरा अक्ल से काम लो । ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का चीफ तुम्हारा दोस्त है लेकिन क्या जेम्स बांड भी तुम्हारा दोस्त है?'

'वह चीफ का सबसे विश्वासनीय आदमी है।'

'और जेम्सबांड का आगे कोई सबसे विश्वासनीय आदमी होगा । उस विश्वासनीय आदमी का और आगे कोई सबसे विश्वासनीय आदमी होगा । यह सिलसिला कहां तक चलेगा इस सारी चेन में कहीं भी लीक हो जाये तो तुम्हारे भबिष्य का सर्व-नाश हो जायगा, यू फूल, यू ब्लन्ड्रिग फूल, तुम्हें यहां भागे आने की जगह फौरन मुझसे सम्पर्क स्थापित करना चाहिये था ।'

'मेरे से गलती हो गई।' जान पेंट्रिक ने बड़े अनिच्छापूर्ण ढंग से स्वीकार किया ।

'खैर, अब भी ज्यादा कुछ नहीं बिगड़ा है। अब मैं इस समस्या को अपने ढंग से हैंडिल करूंगा।'

'तुम क्या करोगे?'

'बताऊंगा । पहले तुम मेरे कुछ सवालों का जवाब दो ।'

'पूछो ।'

'मान लो जेम्मबांड अपने अभियान में सफल हो गया । उसने बाकी की तीन फिल्में और तुम्हारी बेटी तुम्हारे पास पहुंचा दी

(६४)

तो तुम क्या करोगे?'

'मैं फिल्मों को नष्ट कर दूंगा और अपनी बेटी को कन्ट्रोल करने की कोशिश करूंगा।'

'कैसे?'

'मैं उसे समझाऊ'गा।'

'और अगर वह न समझी, अगर उसने फिर कोई वैसी ही हरकत की तो?

'तो.तो।'

जान पैट्रिक को उत्तर नहीं सूझा ।

'दैट्स दी प्वायन्ट' - वोल्टन हाथ फैलाकर बोला- 'दैट्स दि होल प्वायन्ट । तुम मेरी बात समझ गये हो। पंट्रिक अगर तुम्हारी बेटी

तुम्हारे खिलाफ है तो वह जिंदगी भर तुम्हारे कैरियर के लिये खतरा बनी रहेगी। मौका लगने पर वह फिर तुम्हारे लिये ऐसी ही मुसीबत खड़ी कर देगी जैसी उसने अब की है।'

'तो फिर तो फिर मैं क्या करू' ।

'एक बात बताओ ।'

'पूछो ।'

'अगर तुम्हारी बेटी किसी दुर्घटना में अपने प्राण खो बैठे तो क्या तुम्हें बहुत अफसोस होगा?'

'मैं समझा नहीं ।'

'नादान मत बनो । तुम मेरी बात समझ रहे हो । पेट्रिक तुम्हारे दोस्त ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के चीफ और मेरी लाइन आफ ऐक्शन में यही फर्क है। वह ब्लू फिल्में और तुम्हारी बेटी को तुम्हारे हवाले करके तुम्हें केवल वक्ती तौर तर मुसीबत से छुटकारा दिलवा सकता है लेकिन मैं तुम्हारी मुसीबत की स्थाई

(६१)

रूप से हल कर सकता हूं। तुम्हारा दोस्त तुम्हारी लड़की को तलाश कर सकता है लेकिन मैं तुम्हें उससे हमेशा के लिये छुट-कारा दिलवा सकता हूं। मैं उसकी और उसके सहयोगियों की जबान हमेशा के लिये बन्द करवा सकता हूं ।'

'तुम ।' जान पेट्रिक अपने होठों पर जुबान फेरता हुआ बोला- 'तुम ऐसा नहीं कर सकते ।'

'क्यों नहीं कर सकता? और फिर हर्ज क्या है? मुझे विश्वास नहीं कि तुम्हारा अपनी बेटी से इतना मोह है कि उसके इस संसार से विदा हो जाने के बाद तुम उसके वियोग में रो रोकर जान दे दोगे ।'

'लेकिन वह मेरी बेटी है।'

'पैट्रिक, मूर्ख जैसी बातें मत करो । वह तुम्हारी बेटी है क्योंकि तुमने उसे पैदा किया है लेकिन तुम जानते हो न उसकी पूरी जिन्दगी में एक ईमानदार बाप कि तरह तुमने उसमें कभी दिल -चस्पी नहीं ली। कई सालों से तुमने उसकी सूरत तक नहीं देखी है। अगर यह फिल्म की बात सामने न आती तो तुम्हारे पास तो यह जानने का भी कोई साधन नहीं था- और न फुरसत थी कि वह जिन्दा है कि मर गई। पैट्रिक, वह एक आवारा, चरित्र-हीन और गैर जिम्मेदार लड़की है जिसे तुम्हारे शानदार भविष्य में रुकावट बनने का कोई अधिकार नहीं है। उसका ----- ।'

उसी क्षण कमरे में लगे लाउड स्पीकर पर एनाउन्सर की आवाज गूंज उठी ।

बोल्टन चुप हो गया ।

(६६)

'योर अटेंशन प्लीज' - एनाउन्सर कह रही थी - 'कान्टास एयर वेज की फ्लाइट नम्बर - ५८१ के यात्रियों से प्रार्थना है कि वे अपने प्लेन पर सवार होने के लिये तत्काल तीन नम्बर गेट पर पहुंचे ।'

जान पैट्रिक तत्काल अपने स्थान से उठा ।

'□□□ □□□□ □□□□' □□ □□□□- '□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □'

'□□□□ □□□ □ - □□□□□□ □□□□- □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□'

'□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □'

'□□□□□□□ □ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □'

□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □

□□□□ □□. □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□

□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□-□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□- '□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □'

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □

□□ □□□□ □□□□□□ □□ □

****

□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□, □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□-□□□□□ □□ □□□□ □

[illegible]

[illegible]

[illegible]

'[illegible]'

'[illegible]' - [illegible]

'[illegible]'

'[illegible]'

'[illegible]'

'[illegible]'

'[illegible]'

'[illegible]'

(□□)

'□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□'

' □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □ □□ □□□□'

□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □

□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □

'□□□□□□□□ □□' - □□ □□□□□- '□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □'

□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □

'□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □'

'□□□□□ □ □□□□□□□□ □'

□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □

□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□, □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□

□□ □□□□ □□ □□ □□ □□ □

□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □

[illegible]

[illegible]

([illegible])

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

साराह और सफेद सूट वाला आदमी उसको बगल से गुजर गये ।

साराह की दृष्टि जेम्सबांड पर नहीं पड़ी ।

जेम्सबांड रिसेप्शन पर पहुंचा ।

'अभी जो सफेद सूट वाले साहब यहाँ से गुजर रहे हैं 'जेम्सबांड ने रिसैप्शन क्लर्क से पूछा -- मिस्टर कुशिग है न?'

'यस सर' - क्लर्क बोला ।

'मैंने उन्हें बहुत अरसे बाद देखा है। मुझे अपनो पहचान पर सन्देह हो रहा था ।

'वे मिस्टर कुशिग ही है सर ।'

'मेरा नाम जेम्सबांड है। मेरे लिये रुम बुक है ।'

क्लर्क ने रजिस्टर देखा और फिर बोला- 'यस सर ।'

जेम्सबांड ने खाना पूरी की और फिर एक बैल ब्वाय के साथ हो लिया ।

बैल ब्वाय उसका सूटकेस और उसे तीसरी मंजिल के एक कमरे में छोड़ गया ।

(৩०)

जेम्सबांड नित्य कर्म से निवृत हुआ । उसने नया सूट पहना और कमरे से बाहर निकल आया ।

अब रिवाल्वर उसके कोट के नीचे शोल्डर होल्स्टर में रखी थो ।

जेम्सबांड ने होटल के डाइनिंग हाल में आकर खाना खाया और फिर होटल से बाहर निकल आया ।

वह अपनी कार में बैठा ।

उसने कार बिना मतलब नगर की विभिन्न सड़कों पर चलाना शुरू कर दिया ।

चार सौ मन्दिरों के नगर बैंकाक की सुन्दरता का आनन्द लेता हुआ जेम्सबांड कार चलाता रहा ।

लान लुआंग रोड और राजा डैमर्न एवेन्यू होता हुआ वह नदी के साथ चलता हुआ महाराज रोड नेशनल म्यूजियम पर पहुंच गया । वहरे पैलेस के समीप से गुजरता हुआ आगे बढ़ा । बुद्ध के मन्दिरों के समीप से गुजरते समय एकाएक उसकी नजर दाई ओर उठ गई ।

'ब्यूटी फुल ।' - उसके मुंह से निकला और उसने कार रोक दी ।

नदी के पार नदी के किनारे पर बैंकाक का विश्व प्रसिद्ध सूर्योदय का मन्दिर खड़ा था ।

कितनी ही देर आसमान की बुलन्दियों को छूते हुये उस विशाल मन्दिर से जेम्सबांड अपनी निगाहें नहीं हटा सका । वह सांस रोके उसकी सुन्दरता का रसस्वादन करता रहा ।

अन्त में उसने अपनी कार को गियर में डाला और धीमी गति से आगे बढ़ा दिया ।

(७१)

ट्रिपेड रोड पर पुल पर से होता हुआ वह नदी पार कर गया ।

एक पतली सी सड़क के किनारे उसे एक टू सीटर स्पोर्ट कार खड़ी दिखाई दी ।

उस का इन्जन खुला हुआ था । और उस पर पीटर कुशिग झुका हुआ था । साराह कार से हटकर फुटपाथ पर एक पेड़ के नीचे खड़ी थी ।

जेम्सबांड ने अपनी विशाल कार को उस कार की बगल में ला खड़ा किया ।

" आज तो तकदीर साथ दे रही है " --वह मन ही मन बुदबुदाया और कार से बाहर निकल आया ।

'हल्लो' - वह साराह की ओर देखे बिना पीटर कुशिग से बोला- 'मदद चाहिये

पीटर पीटर कुशिग ने सिर उठाया । अपने सामने एक योरोपियन को देखकर उसके चेहरे पर तनिक रौनक आ गई ।

'पता नहीं क्या गड़बड़ हो गई है।' - पीटर कुशिग बोला ।

'कार स्टार्ट ही नहीं हो रही है।'

'तुम इन्जन के बारे में कुछ जानते हो ।'

'नहीं, मैं तो यू' ही हाथ मार रहा था ।'

'हटो, मैं देखता हूं ।'

पीटर कुशिग एक और हट गया ।

''तुम कार को स्टार्ट करने की कोशिश करो'- जेम्सबांड बोला । वह जान बूझकर साराह की ओर नहीं देख रहा था ।

(७२)

पीटर कुशिग कार की ड्राइविंग सीट की ओर बढा ।

तब तक साराह भी उसी और देखने लगी थी। पीटर कुशिग की ओर देखते ही उसकी निगाहें सीधी जेम्सबांड के चेहरे से टकराई ।'

'मिस्टर बांड' - उसके मुह से निकला ।

जेम्सबांड ने यू सिर उठाया जैसे उसे पहली बार सड़क पर किसी तीसरे आदमी के अस्तित्व का ज्ञान हुआ हो ।

'साराह' - 'वह उत्साहपूर्ण स्वर से बोला- सरपराइज सर-पराइज ।'

साराह फुटपाथ से उतरकर कार के समीप आ गई उसने जेम्सबांड की ओर अपना हाथ बढ़ा दिया । जेम्सबोड ने बड़ी गर्मजोशी से उसका हाथ थाम लिया ।

पीटर कुशिग संदिग्ध नेत्रों से कभी जेम्सबांड को ओर कभी उसको देख रहा था ।

'पीटर'- साराह बोली- मिस्टर बांड से मिलो । मिस्टर बांड ये मिस्टर कुशिग हैं। पेशे से फोटोग्राफर है और मेरे दोस्त है। मैं इनके साथ पूर्वी देशो के टूर पर निकली हूं ।'

जेम्मबांड ने बड़े उत्साह से पीटर कुशिग से हाथ मिलाया ।

'बड़ी खुशी हुई आपसे मिलकर साहब -।' जेम्स बांड बोला ।

पीटर कुशिंग के चेहरे पर मुस्कराहट आ गई। लगता था वह बड़ा सरलचित्त और जल्दी खुश हो जाने वाला आदमी था ।

'और पीटर' - साराह बोली- 'ये मिस्टर जेम्स बांड है । छः महीने पहले मैं इनसे लन्दन की एक पार्टी में मिली थी। उसके बाद और भी मुलाकातें हुई लेकिन अफसोस है कि इनके

(૭३)

नाम के अतिरिक्त मैं इनके बारे में जानने लायक कुछ भी नहीं जानती ।

'नाम के अतिरिक्त मेरे बारे में जानने लायक कुछ है भी नहीं । दरअसल, मिस्टर कुशिग, मैं बहुत निकम्मा आदमी हूं । मैं निकम्मा आदमी इसलिये हूं क्योंकि कुछ काम नहीं करता हूं और कुछ काम इसलिये नहीं करता हूं क्योंकि मेरा बाप मेरे लिये इतनी दौलत, छोड़कर मरा है कि वह कम से कम मेरी जिन्दगी में खत्म होने वाली नहीं ।'

साराह और पीटर कुशिग हंसे ।

'आप बहुत दिलचस्प आदमी है।' पीटर कुशिग बोला ।

□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □

'□□□ □□□□ □□□□ ?' □□□□□ □□ □□□□

'□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□ □' □□□□□□□□□ □□□□

'□□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □

'□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □ □□□ □ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ ?'

'□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□, □□□ □□□□□□□□□□, □□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□'

'□□□□□, □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ ?'

'□□□□□□□□□□ □□□ □'

'□□□ □ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□'

(□□)

'□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□' - □□□□ □□□□□ □□□□ □

'□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □' □□□□□□□□□ □□□□ □

'□□ !'

'छोड़िये, बातें बाद में करेंगे। आइये पहले कार को देखें ।'

पीटर कुशिंग ड्राइविंग सीट पर जा बैठा ।

जेम्सबांड इन्जन पर झुक गया ।

'इन्जन स्टार्ट करो ।'

पीटर कुशिग ने इन्जन स्टार्ट किया ।

'पैट्रोल टैंक की क्या पोजीशन है?'

'तीन चौथाई फूल है।' पीटर कुशिग बोला ।

'इन्जन फिर स्टार्ट करो ।' कुछ क्षण बाद जेम्सबांड फिर बोला

तत्काल इन्जन की घरर घरर से वातावरण गूँज उठा ।

'पैट्रोल की नली में मिट्टी फंस गई मालूम होती है । औजार है।'

पीटर कुशिग ने टूल किट निकाल कर उसके हाथ में दे दी ।

उसके बाद लगभग दस मिनट जेम्सबांड इन्जन से उलझा रहा ।

'अब स्टार्ट करो ।' अन्त में वह बोला ।

□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□ □ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □

'□□□□□□□ □' □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □

(□□)

'□□□□ □□□□ □' □□□□□□□□□ □□□□ □

'□□□□□□ □□□□, □□ □□ □□□□□□□□ □' □□□□□ □□□□-- '□□ □□ □ □□□□ □□□□□ □'

"□□ □□□ □□□□□ □'

'□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □' □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□- □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □'

'□□□□□..□'

'□□, □□ □□ □'

'□□□□□ □□□ □□' - □□□□□□□□□ □□□□ -- □□□□ □□ □□□□ □'

□□□□□□□' '

'□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□'

'□□□ □□□'

'□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □

'□□□□□ □'

□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □

****

□□□□□ □

□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □

□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □ □□ □

□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

'□□□□□□ □□□□ -□□□□□ □' -□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□

'यू आर एक्सपैक्टिड, सर?' रिसेप्शनिस्ट का 'सर' कहने का अन्दाज ऐसा या जैसे उस बेहूदे आदमी को 'सर' कहने से उसका कलेजा फटा जा रहा हो ।

'यस ।'

क्लर्क ने एक टेलीफोन उठा लिया। उसने टेलीफोन पर कुछ क्षण बात की और फिर रिसीवर को यथा स्थान रख दिया ।

'सूट नम्बर सात सो बीस, प्लीज।' वह उस युवक से बोला ।

'थैंक्यू ।' युवक बोला और लिफ्ट की ओर बढ़ गया ।

(२७७)

रिसैप्शनिस्ट की नफरत भरी निगाहें तब तक उसका पीछा करती रही जब तक कि वह लिफ्ट में प्रविष्ट होकर दृष्टि से ओझल नहीं हो गया ।

बह युवक सातवीं मंजिल पर पहुंचा। उसने सात सौ बीस नम्बर सूट का द्वार धीरे से खटखटाया ।

'कम इन ।' भोतर से आवाज आई ।

युवक भीतर प्रविष्ट हो गया ।

एक चमड़े के सोफे पर चाइना सिल्क का गाउन पहने हुये हरमन जे० वोल्टन बैठा था जैसे कोई शहनशाह अपने सिहा-सन पर बैठा हो ।

युवक ने उसका अभिवादन किया ।

'जैस्पर' - वोल्टन फटकार भरे स्वर से बोला- 'मैंने तुम्हें कितनी बार कहा है कि जब आया करो तो अपनी हुलिया सुधार कर आया करो ।

'सारी बास'-- जैस्पर र दांत निकालकर बोला- 'आगे से ख्याल रखूंगा।'

लेकिन बोल्टन को मालूम था कि वह आगे से ख्याल नहीं रखेगा ।

'और तुम दस मिनट लेट हो ।'

'सारी अगेन ।'

'और बैठने की तकलीफ मत करना । कालीन तो तुम खराब कर ही चुके हो। मैं नहीं चाहता कि तुम होटल का शानदार सोफा भी खराब करो ।'

'ओ० के० बास ।' जैस्पर बोला- वह आदतन ऐसी बातों का बुरा नहीं मानता था ।

(७८)

जैस्पर- हैमिल्टन जैस्पर- हरमन जे० बोल्टन का जल्लाद था । कई सालों से वह हरमन के सम्पर्क में था और ऐसे कितने हो लोगों को दूसरी दुनिया में पहुंचा चुका था जिसकी इस दुनिया में मौजूदगी बोल्टन को रास नहीं आती थी । जैस्पर किसी को हत्या करे या न करे उसे हर साल बोल्टन से चालीस हजार डालर मिल जाते थे ।

जैस्पर अपने वर्तमान जीवन से बेहद सन्तुष्ट था । आज उसे बोल्टन ने बुलाया था । और बोल्टन के बुलावे का केवल एक ही मतलब होता था। फिर किसी की इस दुनिया में मौजूदगी उसके सामने बैठे छोटे से आदमी के लिये असुविधा का विषय बन गयी थी ।

'तुम्हें फौरन बैंकाक के लिये रवाना होना है । --बोल्टन ने कहा।

'वेरी वेल' - - 'मैं तैयार हूँ।' उन्होंने बिना किसी भावना के कहा, 'मैं तैयार हूँ।'

हरमन जे० बोल्टन ने उसकी ओर एक तस्बीर बढ़ा दी और बोला- 'इस लड़की का नाम साराह पंट्रिक हैं। यह इस समय पीटर कुशिग नाम के एक आदमी के साथ बैंकाक में प्रसीडेन्ट होटल में है। आदमी की तस्वीर मेरे पास नहीं है लेकिन यह आदमी लड़की के साथ ही होगा । तुमने इन दोनों की हत्या करनी है लेकिन हत्या तुमने तब तक नहीं करनी जब तक इनके पास मौजूद तीन फिल्में मेरे आदमियों को हासिल न हो जायें ।'

'मुझे यह कैसे मालूम होगा कि फिल्में आपके आदमियों को हामिल हो गई हैं या नहीं।' जैस्पर ने पूछा ।

(७६)

जेम्सबांड नाम का ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का एक एन्जेट उन फिल्मों को हासिल करने की कोशिश कर रहा है। जेम्सबांड मेरे आदमियों की निगरानी में है। उसे फिल्में मिलते ही फिल्में उसमे छीन ली जायेगी । उसके बाद तुम्हें अपने काम आरम्भ करने के लिये हरा सिगनल दे दिया जायेगा ।'

'ओ० के० ।'

'बैंकाक नगर से बीस मील बाहर सचावेता एस्टेट नाम की एक जगह है । लोगों की निगाह में उस एस्टेट का मालिक प्रिस के० सचावेता है लेकिन वास्तव में उस एस्टेट का मालिक मैं हूं और प्रिंस सचावेता मेरा वेतन भोगी कर्मचारी है। फिल्में हासिल करने के लिये जो कुछ करना है वह प्रिंस सचावेता करेगा वह तुम्हें बैंकाक ह्वाई अड्डे पर मिलेगा और वहां से तुम्हें अपने साथ सचाबेता एस्टेट ले जायेगा वही तुम्हें बतायेगा कि तुमने अपना काम कब शुरू करना है । समझ गये ।'

'समझ गया ।"

'और तुम्हें अपने साथ कोई हथियार वगैरह ले जाने की जरूरत नहीं है। प्रिंस सचावेता तुम्हारी हर जरूरत पूरी करेगा ।'

'वैरी गुड ।'

'यहां से तुम सीधे एयरपोर्ट पहुंचो । तुम्हारा प्लेन छूटने में केवल एक घन्टा बाकी है। अपना टिकट तुम बी० ओ० ए० सी० के इन्क्वायरी काउन्टर से ले लेना ।'

'ओ० के० ।'

'एन्ड विश यू गुड लक ।'

'थैंक्यू ।'

(८०)

हरमन जे० बोल्टन चुप हो गया ।

'बॉस?!'

'यस ।'

'आपको कैसे मालूम है कि साराह नाम की यह लड़की ओर उसका साथी बैंकाक में ही है!

बोल्टन ने उसे घूर कर देखा ।

'ओ० के०, ओ० के० आई जस्ट आस्कड' - जैस्पर जल्दी से बोला । उसने बोल्टन का अभिवादन किया और वहां से विदा हो गया ।

हरमन जे० बोल्टन ने जैस्पर के अभिवादन का उत्तर नहीं दिया । उसका चेहरा शांत था जैसे तूफान आने से पहले समुद्र शांत होता है ।।

****

बान थाई रेस्टोरेन्ट में साराह पैट्रिक और पीटर कुशिग जैम्सबांड की शेबर लेट पर पहुँचे ।

पीटर कुशिग पहले ही टेबल रिजर्व करवा चुका था । एक स्टीवर्ट उन्हें उनको टेबल तक छोड़ गया । उस शाम के भोजन की शुरुआत उन्होंने शेम्पेन से की । उनकी टेबल चौकोर खम्बे के पास थी । उस खम्बे पर तथा ऐसे ही अन्य खम्बों पर थाईलैंड के विभिन्न एतिहासिक स्थानों की तस्वीरें लगी हुई थीं। साराह के ठीक सामने खम्बे पर फ्रेम में जड़ा एक विशाल सात मंजिले महल का पोस्टर लगा हुआ था ।

(८१)

पोस्टर के नीचे अंग्रेजी में लिखा हुआ था- सचावेता पैलेस ।

'ब्यूटी फुल' - साराह बोली ।

'कौन?' - पीटर कुशिग बोला ।

साराह ने खम्बे पर लगे सचावेता पैलेस के पोस्टर की ओर संकेत कर दिया ।

पीटर कुशिंग कुछ क्षण पोस्टर देखता रहा और फिर वह भी प्रशंसात्मक स्वर से बोला- 'हां वाकई ।'

जेम्सबांड को ऐसी चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी । उसने उड़ती सी निगाह पोस्टर पर डाली और फिर दुबारा शैम्पेन पीने में व्यस्त हो गया ।

'तुम्हारी क्या राय है, मिस्टर बांड!' साराह ने जेम्सबांड से पूछा ।

'पोस्टर वाकई बहुत अच्छा छपा हुआ है।'- जेम्स बांड बोला ।

'क्या जगह है! साराह अपनी ही झोंक में बोलती गई-क्या खूबसूरती है! इस पैलेस में रहने का अवसर हासिल करने की खातिर तो मैं इसके मालिक से शादी करने के लिये भी तैयार हो जाऊ चाहे वह नब्बे साल का ही क्यों न हो ।'

'मैं नब्बे साल का नहीं हूं।'

साराह ने चौंककर आवाज की ओर देखा । जेम्सबांड और पीटर कुशिग भी उस ओर देखने लगे ।

शब्द खम्बे की दूसरी साइड की टेबल पर एक अकेले बैठे आदमी के मुंह से निकले थे। वह एक लगभग चालीस साल का

(८२)

स्वस्थ व्यक्ति था । वह एक शानदार सूट पहने हुए था और उसके दोनों हाथों की तीन तीन उंगलियां बड़े बड़े हीरों वाली अंगू-ठियों से जगमगा रही थी। उसकी टाई में अंगूठियों से भी बड़ा हीरा जगमगा रहा था ।

'मुझे प्रिन्स के० सचावेता कहते हैं - वह आदमी तनिक सिर नचा कर बोला- 'और जिस पैलेस की आप तारीफ कर रही है वह मेरा है।'

'वाकई?' - साराह के मुंह से निकला ।

'जी हां। वैसे तो मुझे आपसे शादी करने में भी कोई एत-राज नहीं लेकिन अगर आप केवल इस पैलेस में रहने की खातिर ही मुझसे शादी करना चाहती है तो उसकी जरूरत नहीं । मैं आपको अपने पैलेस में कुछ दिन रहने के लिए सादर आमन्त्रित करता हूं।'

'आप बहुत विनोद प्रिय व्यक्ति है - - साराह के मुह से केवल -इतना ही निकला ।

'आपकी जर्रानवाजी है।'

'क्या आप डिनर के लिये हमारा निमन्त्रण स्वीकार कर सकते हैं । मैंने आज तक कभी किसी प्रिंस के साथ बैठ कर खाना नहीं खाया ।'

'यह मेरा सौभाग्य होगा - प्रिस सचावेता बोला ।

उसने वेटर को संकेत किया । एक वेटर को संकेत करने पर एक स्वीवर्ट सहित तीन वेटर दौड़े चले आये । प्रिंस के कहने भर की देर थी कि उन चारों को एक बड़ी मेज पर शिफ्ट कर दिया गया ।

शैम्पेन का नया दौर आरम्भ हुआ ।

(८३)

'मेरे मित्रों से मिलिये - 'साराह बोली- 'पीटर कुशिग । जेम्स बांड ।'

'दोनों ने बारी बारी प्रिंस सचावेता से हाथ मिलाया ।

'टुरिस्ट?' प्रिंस सचावेता ने पूछा ।

'हां ।'

'आई सी । आई एम वैरी प्लीज्ड टू मीट यू पीपुल ।'

'वुई टु'- तीनों लगभग एक साथ बोले ।

उसी क्षण थाई नर्तकियों के शास्त्रीय नृत्य का प्रोग्राम आर-म्भ हो गया ।

नृत्य के बाद उन्हें डिनर सर्व किया गया । चारों ने हल्की-फुल्की बातें करते हुये खाना खाया ।

डिनर के बाद उन्हें काफी सर्व की गई ।

'आज के डिनर के बदले में --- प्रिंस सचावेता काफी की चुस्कियां लेता हुआ बोला- 'मैं आपको कुछ दिन सचावेता पैलेस का मेहमान बनने का आमन्त्रण देता हूं। मुझे आपका मेजबान बनने में भारी खुशी होगी ।'

साराह का चेहरा खुशी से दमकने लगा ।

'मुझे आपका मेहमान बनकर खुशी होगी ।' वह बोली 'लेकिन मैं अकेली नहीं आ सकती । मेरे साथ मेरे दो मित्र भी हैं।'

'मैंने आपसे अकेली आने के लिये कहा भी नहीं । आपके मित्र मेरे हैं'- और वह जेम्स बांड और पीटर कुशिग की ओर देख कर मुस्कराया ।

दोनों भी जवाब में मुस्कराये ।

'आपको विश्वास दिलाता हूं कि मेरी एस्टेट में आपका

८४)

भरपूर मनोरंजन होगा । वहां मनोरंजन के तमाम आधुनिक साधन मौजूद है। यही एक विशाल स्वीमिंग पूल के अलावा बारह सौ एकड़ में फैला हुआ एक विशाल जंगल है जहां आप लोग घुड़-सवारी भी कर सकते हैं और शिकार भी ।'

'ओह हाउ स्वीट' - साराह प्रसन्नता से दमकती हुई बोली । उसने यू पीटर कुशिग और जेम्स बांड की ओर देखा जैसे वह हां कहने से पहले उनकी सहमति हासिल करना चाहती हो ।

दोनों ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

'लेकिन जनाब' - पीटर कुशिग बोला- 'हम आप पर बोझ नहीं बनना चाहते । अगर आप समझते हैं कि..।'

'अगर मैं आप लोगों को बोझ समझता होता तो मैं भला आपको आमन्त्रित ही क्यों करता?' प्रो सचावेता मीठे स्वर से बोला- 'मैं अपने विशाल महल में अकेला रहता हूं। आप लोगों के आगमन से मेरे भी कुछ दिन रौनक से गुजर जायेंगें ।'

'फिर हमें क्या एतराज हो सकता है ।'

'ठीक है । आप लोग कहां ठहरे हुये हैं।'

'प्रसीडेन्ट में ।'

'मैं कल सुबह आपके लिये अपनी गाड़ी भेज दूंगा ।'

'लेकिन गाड़ियां हमारे पास हैं' - साराह बौली ।

'गाड़ी मैं फिर भी भेज दूंगा । आप अपनी गाड़ियों पर तशरीफ लाइयेगा । मेरा शोफर आपको राह दिखाता हुआ ले आयेगा ।'

'ठीक है।'

'अब मैं आपसे विदा लेता हूं।'

प्रिस सचावेत्ता ने वारी-२ तीनों से हाथ मिलाया ।

(८५)

उसने बिल अदा करने का बहुत आग्रह किया लेकिन जेम्स बांड ने उसे ऐसा नहीं करने दिया ।

प्रिंस सचावेता वहां से विदा हो गया ।

'दोस्तों'- उसके जाने के बाद साराह बोली' - तुम दोनों को मेरा शुक्रगुजार होना चाहिये । मेरी ही वजह से तुम्हें थाईलैंड में एक प्रिंस के शाही महल में रहने का मौका मिल रहा है ।'

'मैं आपका शुक्रगुजार हूं, मैडम' - पीटर कुशिग सिर नवा कर बोला ।

'साराह' - जेम्स बांड तनिक गम्भीर स्वर से बोला- 'मैं तो तुम लोगों के साथ होने की वजह से खामखाह बुला लिया गया हूं । लेकिन मैं तुम दोनों के लिये असुविधा का कारण नहीं बनना चाहता ।

'ओह डोंट टाक नानसेंस'-उसकी बात काट कर सराह बोली- 'यू आर कमिंग

जेम्स बांड ने पीटर कुशिंग की ओर देखा ।

'तुम्हें चलना पड़ेगा हमारे साथ'-पीटर कुशिग बोला ।

जेम्स बांड को उन दोनों से ऐसे ही उत्तर की आशा थी । इसीलिये उसने ऐसी बात कही थी । वास्तव में प्रिंस सचावेता के एकाएक वहां टपक पड़ने से उसे बड़ा लाभ हो गया था । साराह हर वक्त पीटर कुशिंग के साथ रहती थी। होटल में रहते उससे तनहाई में बात कर पाना बड़ा कठिन काम था । लेकिन प्रिंस सचावेता की एस्टेट में, उसे विश्वास था, साराह से तनहाई में बात करने के कई अवसर आयेंगे ।

वह मन ही मन अपनी तकदीर पर खुश होता हुआ संकोच पूर्ण स्वर से बोला- 'आल राइट दैन ।'

****

'मैंने स्कीम थोड़ी बदल दी है' - प्रिंस सचावेता बोला ।

वह सचावेता पैलेस के विशाल हाल में एक दीवान पर अधलेटा सा बैठा हुआ था उसके सामने एक कुर्सी पर जैस्पर बैठा था ।

'क्या किया है तुमने - ?' जेस्पर ने पूछा । 'पहले यह तय हुआ था कि जेम्स बांड साराह पैट्रिक और पीटर कुशिग से फिल्में हासिल करेगा और फिर वे फिल्में उससे हम हथिया लेंगे । लेकिन अब इतनी लम्बी क्रिया का अनुसरण करने की जरूरत नहीं रह गई है

'अब क्या फर्क पड गया?

साराह पेट्रिक, पीटर कुशिम और जेम्स बांड मेहमान बनकर सचावेता पैलेस में कुछ दिन के रहने आने वाले हैं। एक बार सचावेता एस्टेट की चार दीवारी में कदम रखने के बाद उन्हें यहां से बाहर नहीं निकलने दिया जायेगा । जब लड़की और पोटर कुशिग मेरे अधिकार में होंगे तो मैं उनसे यह भी कबुलवा लूगा कि फिल्में कहां हैं। फिल्म हासिल हो जाने के बाद तुम्हें दो की जगह तीन आदमियों को ठिकाने लगाना पड़ेगा ।'

'वह तो ठीक है लेकिन स्कीम में जो हेर-फेर तुम कर रहे हो क्या वह बास को पसन्द आयेगा?'

क्यों नहीं पसन्द आयेगा? क्या खराबी है इसमें?'

'खराबी' मुझे नहीं मालूम लेकिन मैं इतना जानता हूं कि

(८७)

जेम्स बांड बहुत खतरनाक आदमी है। उसका यहां मौजूद होना तुम्हारी तन्दुरुस्ती के लिये अच्छा साबित नहीं होगा ।

'मैं देख लूगा उसे ।'

'ठीक है । जो जी में आये करो! मेरा काम तो तब शुरु होगा, जब फिल्में तुम्हारे अधिकार में आ जायेंगी । उस से पहले या बाद में चाहे कोई तुम्हारा गला काट जाए । मुझे परवाह नहीं ।'

'ठीक है, ठीक है। तुम अपना काम करो । मैं अपना काम करता हूं ।'

'ओ० के० ।' - जैस्पर अपने स्थान से उठता हुआ बोला -'मैं सोने जा रहा हूं। और जब तक फिल्म तुम्हारे अधिकार में नहीं आ जाती, तुम भूल जाओ कि मैं यहां हूं, गुड नाइट ।'

!’ राजकुमार ने कहा, ‘शुभ रात्रि!’

'जैस्पर लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया ।

*****

सचावेता एस्टेट का प्रवेश द्वार ऐसा था जैसा मध्यवर्ती युग के किलों का होता है। केवल फाटक आधुनिक ढंग की लोहे की ग्रिल का बना हुआ था। फाटक कम से कम बीस फुट ऊंची पत्भर की बनी दीवार में फिट था ।
दीवार के ऊपर कंटीले तार लगे हुये थे ।

होकर सारे महल को देखने के लिये क्रेन की तरह चारों ओर गरदन घुमानी पड़ती थी ।

अर्धवृताकर ड्राइव वे से होती हुई तीनों गाड़ियां पैलेस के `सामने आकर रुक गई । सब लोग गाड़ियों से बाहर निकले । मसिडीज का ड्राइवर आदरपूर्ण ढंग से सिर नवाकर एक ओर खड़ा हो गया ।

(८९)

'माई, माई। साराह सांस रोक कर बोली'--- क्या शान है?'

सामने संगमरमर की कम से कम तीन सीढ़ियां थी जो एक बहुत बड़ी टैरेस पर खत्म होती थी। टैरेस के बाद वास्तविक महल आरम्भ होता था ।

उसी क्षण काली लकड़ी का बना महल का विशाल प्रवेश द्वार खुला और टैरेस पर प्रिंस सचावेता प्रकट हुआ । उसने दोनों हाथ हिला कर आगन्तुकों का स्वागत किया और उन्हें सीढ़ियों के ऊपर आने का संकेत किया ।

जेम्स बांड, पीटर कुशिग और साराह पेट्रिक सीढ़ियां तय करने लगे ।

'वैलकम, वैलकम'- उनके सामने आ देवपर प्रिंस सचावेता बोला- 'वैलकम टू माई हम्बल पलेस

उसने तीनों से हाथ मिलाया ।

उसने ताली बजाई ।

दो वर्दीधारी नौकर प्रकट हुए ।

'साहब लोगों की गाड़ियों गैरेज में ले जाओ और उनका सामान उनके कमरों में पहुंचा दो ।'

नौकर फौरन सीढ़ियां उतर गये ।

'आइये तब तक चाय हो जाये - प्रिंस सचावेता बोला ।

टैरेस पर ही बांई ओर एक कैनोपी के नीचे कुसियां लगी हुई थी । वे लोग वहां जा बैठे ।

'क्या लाजवाब जगह है' - साराह एक बार फिर पैलेस के विस्तार पर दृष्टि डालती हुई बोली - 'क्या लाजवाब जगह है । कम से कम सौ कमरे तो होंगे उसमें ।'

(९०)

'दो सो पन्द्रह मैडम' - प्रिंस सचावेता सिर नवाकर बोला ।

'और आप यहां अकेले रहते हैं?'

'जी हां लेकिन आप लोगों की वजह से अगले कुछ दिन अकेला नहीं रहूंगा । दरअसल मैडम, मेरी सारी जिन्दगी इसी महल में गुजरी है और मैं यहां के रहन-सहन का, यहां की तनहाई का इतना आदि हो गया हूं कि मैं स्थाई रूप से कहीं और जाकर रहने की कल्पना ही नहीं कर सकता ।'

'ओह' - साराह बोली ।

बड़े राजसी ढंग से उन्हें वहां चाय सर्व की गई ।

चाय के बाद प्रिंस उन्हें महल के भीतर ले आया ।

महल के भीतर पहुंच कर उसने फिर बड़ी शान से ताली बजाई ।

एक आदमी प्रकट हुआ। बाकी फौजियों से भिन्न वर्दी पहने हुए था और हाव भाव से जिम्मेदार अफसर मालूम होता था ।

'विशियन आप लोगों को आपके कमरे दिखा देगा । मैंने आपके लिए पहली मंजिल पर साथ-साथ के तीन कमरों का इन्त-जाम किया है। इससे आपको बहुत सुविधा होगी। दरअसल यह जगह इतनी बड़ी है और यहां इतने कम लोग रहते हैं कि एक अजनबी का यहां गुम हो जाना बड़ा आसान है ।'

सब लोग अपने अपने कमरों में पहुंच गए। वे बहुत ऊचो छतों वाले बहुत बिशाल कमरे थे और वहां पर सुख सुविधा के सब साधन मौजूद थे ।

लगभग एक घन्टे बाद विशियन उन्हें लन्च के लिये बुलाने आ गया ।

(९१)

डाइनिंग रूम एक रेलवे स्टेशन जितना बड़ा आयताकार कमरा था और वहां पर कम से कम दो सौ आदमियों का एक साथ बैठ कर खाना खा सकने का प्रबन्ध था ।

उन्हें शाही ठाट बाट के साथ खाना सर्व किया गया । भोजन के दौरान में प्रिंस हल्की फुल्की बाते करता रहा । भोजन के बाद मेज से क्राकरी हटा दी गई और उन्हें काफी सर्व कर दी गई ।

'अब मैं आपसे एक बड़ी मामूली सी बात करना चाहता हूं ।' प्रिंस शांत स्वर से बोला । उसका रुख पीटर कुशिग और साराह पैट्रिक की ओर था ।

जेम्स बांड को वह बिल्कुल नजर अन्दाज कर रहा था- 'बाकी की तीन ब्लू फिल्में आप दोनों में से किसके पास हैं ।'

पीटर कूशिग और साराह पेटिक चोंके । जेम्स बांड भी चौंका लेकिन प्रत्यक्षतः स्वयं को शान्त बनाए रहा।

'कौन सी ब्लू फिल्में?' - पीटर कूशिग बौखलाये स्वर से बोला ।

'मिस्टर कुशिग ।' प्रिंस सचावेता पूर्ववत शांत स्वर से बोला, 'आपने साराह पेट्रिक की चार ब्लु फिल्में बनाई थी, जिसमें से एक आपने मैडम के बाप को यानि कि अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के सबसे शक्तिशाली प्रत्याक्षी जान पेट्रिक को भेज दी थी । जान पेट्रिक की बेटी की गन्दी फिल्मों के दम पर आप उसे ब्लैक मेल कर रहे हैं कि वह चुनाव से अपना नाम वापिस ले ले।'

'क्या?' सारोह के मुंह से निकला ।

(९२)

'जैसे आपको मालूम नहीं' - प्रिंस बोला ।

'बाई गाड मुझे मालूम नहीं ।'

'यानि कि कैमरे के सामने एक आदमी के साथ आप इतनी देर रति क्रियाओं में मग्न रही कि चार फिल्में बनाई जा सके और आपको खबर भी नहीं हुई?'

'नहीं, नहीं' - साराह उत्तेजित स्वर से बोली- 'मैंने यह नहीं कहा ।'

'तो फिर?'

'मुझे इस बात की खबर नहीं है कि उन फिल्मों में से एक मेरे डैडी को भेजी गई है और उन्हें उस फिल्म के दम पर ब्लैक मेल किया जा रहा है।'

'यह हकीकत है । आप चाहे तो मि. बांड से पूछ सकती हैं?'

'जेम्स बांड' सराह ने, लापरवाही से काफी की हैरानी चुस्कियाँ लेते हुये जेम्स बांड की ओर देखा - 'यानि की इन्हें भी मालूम है।'

'मैडम, जेम्स बांड ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स का एजेन्ट है और यह भी उन फिल्मों को ही हासिल करने के लिये आपके साथ लगा हुआ है।'

'क्या, ये सच है?' - साराह ने जेम्स बांड से पूछा ।

जेम्स बांड मुस्कराया और उसने धीरे से सिर नवा दिया ।

'मेरे डैडी ने यह फिल्म देखी है?'

'बिना फिल्म देखे उन्हें कैसे खबर होती कि उन पर कितना भारी दबाव डाला जा रहा है- 'जेम्स बांड सरल स्वर में बोला ।

(९३)

'पीटर' - साराह दांत पीसकर बोली- 'कमीने! कुत्ते । तुमने मुझे धोखा दिया ।'

और वह बिल्ली की तरह पीटर पर झपटी ।

पीटर कुशिग अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ । बांह के एक झटके से उसने साराह को वापिस अपनी कुर्सी पर धकेल दिया ।

'खाना शानदार था - 'पीटर कुशिग जमहाई लेता हुआ बोला - 'और ब्लू फिल्मों की कहानी भी शानदार थी । थैंक्यू फार ऐवरी थिग ।'

और वह लम्बे डग भरता हुआ द्वार की ओर बढ़ गया । डाइनिंग हाल में कम से कम आधी दर्जन वर्दी धारी नौकर खड़े थे । किसी ने उसे रोकने की कोशिश नहीं की। न ही प्रिंस सचा-वेता अपना अपने स्थान से हिला । वह कान खुजलाता हुआ पीटर को द्वार की ओर बढ़ते देखता रहा।

पीटर कुशिग ने डाइनिंग रूम का विशाल दरवाजा खोला और बाहर टैरेस पर आ गया ।

वह संगमरमर की सीढ़ियां उतरने लगा ।

उसी क्षण कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई दी ।

थोड़ी देर बाद पीटर कुशिग टैरेस पर दिखाई दिया ।

यह बदहवाश सा भागता हुआ डायनिंग रूम में वापिस घुस आया । उसके पीछे दो शेर जैसे स्याह काले आल्लसेशियन कुत्ते प्रकट हुए लेकिन उन्होंने डाइनिंग हाल में कदम रखने की कोशिश नहीं की ।

'तशरीक रखिये - 'प्रिंस सचावेता मीठे स्वर में बोला ।

पीटर कुशिग घबराया हुआ वापिस अपनी कुर्सी पर आ बैठा ।

(९४)

उसकी व्याकुल दृष्टि अभी भी बार-२ बाहर टैरेस पर खड़े कुत्तों की ओर उठ जाती थी जो जलती हुई आंखों से डाइनिंग रूम में भूँक रहे थे ।

आपने बहुत अच्छा किया जो वापिस लौट आये - 'प्रिस सचावेता सहानुभूति से बोला- 'वरना ये कुत्ते आपकी बोटी-२ नोंचकर रख देते ।'

पीटर कुशिग चुप रहा । वह कुर्सी पर बैठा हाफ रहा था ।

'अब मैं अपना पहला सवाल फिर दोहराता हूं - प्रिंस बोला - 'बाकी की तीन फिल्मे कहां हैं, मिस्टर कुशिंग?'

'भाड़ में जाओ तुम' - पीटर कुशिग क्रोधित स्वर मे चिल्ला कर बोला- 'वे तीन फिल्में तुम्हें हरगिज नहीं मिलेंगी।'

'अच्छा देखते हैं ।'

उसने घूमकर द्वार भीतर झांक रहे थे। कुत्ते आशापूर्ण नेत्रों से देख रहे थे । प्रिन्स ने उन्हें पुकारा और भीतर आने का सकेत किया ।

कुत्ते दृढ़ कदमों से डाइनिंग हाल में घुस आये ।

पीटर की आंखें आतंक से फैल गई ।

प्रिन्स के संकेत पर कुत्त उसकी ओर बढ़ने लगे ।

'नहीं नहीं,.." पीटर कुशिग आतंकित स्वर से चिल्लाया । साराह भी भयभीत नेत्रों से कुत्तों को देख रही थी ।

केवल जेम्स बांड शांत था ।

'मिस्टर कुशिग' प्रिंस सचावेता तनिक कठोर स्वर से बोला ।

'अब भी आप की यही राय है कि वे फिल्में मुझे हरगिज नहीं मिलेंगी ।'

(९५)

पीटर कुशिग कुर्सी के ऊपर चढ़ गया । एक कुत्ता हवा में उछला और उसने अपने दोनों अगले पांव उसकी छाती पर जमा दिये । वह कुर्सी समेत फर्श पर उलट गया ।

'बताता हूं...' वह आतंकित स्वर से चिल्लाया ।

प्रिन्स ने सीटी बजाई ।

कुत्ते पीटर कुशिग से अलग हट कर खड़े हो गये ।

'मैं सुन रहा हूं... प्रिस बोला ।

पीटर कुछ क्षण हांफता रहा और फिर कठिन स्वर से बोला- 'फिल्में मेरे बैंक में है ।

'कौन सा बैंक?'

'बरकलेज बैंक, पिक डेली ब्रांच, लन्दन ।'

'अब आप अपने बैंक के नाम एक लेटर लिखिये, आपकी वे तीन फिल्में विशियन नाम के पत्रवाहक को सौंप दीजायें ।'

पीटर कुशिग ने जेम्स बांड की ओर देखा और उदास स्वर से बोला..' अगर तुम वाकई ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स के एजेन्ट हो तो कुछ करते क्यों नहीं हो ?'

'मैं क्या कर सकता हूं?' जेम्स बांड लापरवाही से कन्धे उचका कर बोला, 'कुछ करने की गुंजायश ही कहां है? चारों इक्के तो प्रिन्स के हाथ में हैं। मैं ऐसे खेल में दांव नहीं लगाता जिससे मेरी हार निश्चित हो । और फिर एक तीसरे दर्जे के ब्लैंक मेलर की खातिर मैं अपनी जान जोखिम में क्यों डालू' ।'

पीटर कुशिग का चेहरा क्रोध और बेबसी से विकृत हो उठा 'वैल सैड, मिस्टर बांड प्रिन्स सचावेता प्रशंसात्मक स्वर से बोला ।

"(९९)

प्रिन्स के संकेत पर एक आदमी ने पीटर कुशिग के सामने कागज और पैन रख दिया ।

अंगारों पर लोटता हुआ पीटर कुशिग अथारिटी लैटर लिखने लगा ।

लिख चुकने के बाद उसने कागज प्रिस की ओर बढ़ा दिया प्रिंस ने कागज लेकर पढा ।

'वैरी गुड' वह संतुष्टिपूर्ण ढंग से सिर हिलाता हुआ बोला - 'विशियन अभी लन्दन रवाना हो जायेगा । कल रात तक वह फिल्में लेकर वापिस पहुंच जायेगा। तब तक आप यहीं रहेगे । उसके बाद आप कहीं भी जाने के लिये आजाद होंगे ।'

कोई कुछ नहीं बोला ।

'अब एक छोटी सी सावधानी और' विशियन साहब लोगों की तलाशी लो, शुरूआत मिस्टर जेम्स बांड से करो । मिस्टर पीटर खुशग के पास हथियार होने की सम्भावना बहुत कम है क्योंकि अगर इनके पास कोई हथियार होता तो इन्होंने उसे कुत्तों पर जरुर इस्तेमाल किया होता । और मैडम की तलाशी लेने की जरूरत नहीं है। इनकी पोशाक से ही जाहिर हो रहा है कि इनके पास कोई हथियार नहीं हो सकता ।'

बात सच थी साराह पैट्रिक इतनी टाइट पोशाक पहने हुए थी कि उसमें एक सिक्का भी छुरा पाने की गुंजाईश न थी ।

विशियन आगे बढ़ा । उसने बड़ी दक्षता से पहले जेम्स बांड की और फिर पीटर कुशिग की तलाशी ली ।

'दोनों के पास कुछ नहीं है' अन्त में वह प्रिन्स से बोला ।

'वैरी गुड'... प्रिन्स सन्तुष्ट स्वर से बोला साथियों, जो असुविधा आप लोगों को हुई, उसके लिये मैं क्षमा चाहता हूं और

(९७)

साथ ही आपको विश्वास दिलाता हूं कि मेरी मेहमान नबाजी में आप किसी प्रकार का अन्तर नहीं पायेंगे। यहां आपके मनोरंजन का भरपूर प्रबन्ध है । महल में विलियार्ड रूम है। पिछवाड़े में टेनिस कोर्ट है और

स्वीमिंग पूल है। कही भी जाने की आपको पूरी स्वतंत्रता है लेकिन भगवान के लिये टैरेस की सीढ़िया उतरने की कोशिश मत कीजियेगा । मैं शाम की चाय पर आप लोगों के फिर दर्शन करूंगा।'

प्रिन्स अपने स्थान से उठा और राजसी ठाठ से चलता हुआ वहां से विदा हो गया । कुत्ते वह अपने साथ ले गया ।

जेम्स बांड अपने स्थान से उठा और जमहाई लेता हुआ बोला, 'मुझे तो नींद आ रही है।'

पीटर कुशिग और साराह भी उठ खड़े हुए । साराह से निगाहें नहीं मिला रहा थापीटर कुशिग

'पीटर'. साराह दुखी स्वर में बोली, 'जो कमीनी हरकत तुमने की है भगवान उसके लिये तुम्हें कभी माफ नहीं करेगा ।'

पीटर कुशिग ने कुछ कहने के लिये मुंह खोला ।

'यहां से चला' - जेम्स बांड जल्दी से बोला, 'नौकरों के सामने ऐसी बातें करने का कोई फायदा नहीं हैं ।'

पीटर कुशिग कुछ नहीं बोला ।

साराह भी दुबारा नहीं बोली ।

तीनों साइड के दरवाजे से डाइनिंग हाल से बाहर निकल गये । वे एक लम्बे गलियारे में आगे बढ़े । गलियारे की दीवारों पर ढ़ालों पर क्रास में लगी तलवार भाले बछें और नेजे वगैरह टंगे हुए थे ।

□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□

(□□)

□□□□ □□□□□ □□ □ □□□ □

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □

□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □

□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

'□□ □□□□' - □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□-'□□□□□□' □

□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□

□□□□ □□□□□ □□ '□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □

जेम्स बांड ने भी पेकट से एक सिगरेट निकाला । उससे पहले उसका और फिर अपना सिगरेट सुलगा लिया ।

'क्या इरादा है?'-वह पैकेट और लाइटर जेब के हवाले करता हुआ बोला ।

'देखते हैं क्या होता है? ' -पीटर कुशिग बोला । 'बैंक के मामले में तुमने प्रिंस से झूठ तो नहीं बोला था?' जेम्स बांड ने पूछा ।

'नहीं। मैं कुत्तों से बहुत डर गया था। अगर उस वक्त मुझ पर बेपनाह दहशत सवार न हो गई होती तो मैं जरूर झूठ बोलता ।'

(९९)

'और जब प्रिंस का आदमी बरकलेज बैंक लन्दन से वैरंव वापिस लौट आता तो जानते हो तुम्हारी क्या दशा होती?'

'वह दो दिन में वापिस लौटेगा । तब तक क्या मैं यही बैठा रहूँगा ।'

'तुम समझते हो तुम यहां से निकल सक्त्ते हो?'

'क्यों नहीं? दो दिन के समय में कोई रास्ता जरूर निकाल लूंगा।'

'लेकिन अब फिल्में तो तुम्हारे हाथ से गई ।'

' 'उससे क्या होता है? फिल्में तो फिर तैयार हो जायेगी ।'

'कैसे? तुम्हारे ख्याल से अब भी साराह तुम्हें सहयोग देगी?

'मिस्टर! साराह मेरी मुठठी में है, वो वही कुछ करेगी जो मैं उसे कहूँगा । एल० एस० डी० का ईन्जेक्शन उसकी रगों में जाने कि देर है '

'पीटर'- जेम्स बांड गहरी सांस लेकर बोला- तुम बड़े प्रबल आशावादी हो ।'

'क्या मतलब ?'

'तुमने यह कैसे सोच लिया कि फिल्में हासिल हो जाने के बाद प्रिंस हमें यहां से चले जाने देगा ।'

'पीटर कुशिम का मुह खुला रह गया। वह सिगरेट पीना भूल गया ।'

'फिल्में मिलने की देर है और वह हम तीनों का गला काट देगा'- जेम्स बांड बोला ।

'लेकिन - लेकिन यह कैसे हो सकता है?'

'क्यों नहीं हो सकता? हम लोग उसके सामने पिंजरे में बंद

(१००)

चूहे की तरह बेवस है । वह जब चाहेगा, हमें मच्छर की तरह मसल देगा ।'

लेकिन आखिर क नून भी कोई चीज है?'

कानून उसका क्या कर लेगा? किसी को खबर कैसे होगी कि हम तीनों इस दुनिया में नहीं रहे? शायद तुम इस इलाके के विशाल जंगल को भूल रहे हो । प्रिंस ने बताया था कि बारह सौ एकड़ जमीन में जंगल ही उगा हुआ हैं। ऐसी जगह में तीन लाशें गुम कर देना क्या कठिन काम हैं ।'

'तुम वाकई ब्रिटिश इन्टेलीजेंस के एजेन्ट हो?'

'तुम्हें शक है ।'

'तुम एकाएक गायब हो जाओगे तो तुम्हारे लोग तुम्हें तलाश नहीं करेंगे ?'

'पड़े करते रहे। पूछे जाने पर प्रिस बडी शराफत से कह देगा जेम्स बांड नाम के एक साहब उनसे मिलने आये तो थे लेकिन जल्दी ही चले गये थे। कहां चले गये थे? उसे मालूम नहीं ।

'और मेरी कार- और तुम्हारी कार भी--बँकाक की किसी सड़क पर पाई जायेगी, छुट्टी ।'

'ओह गाड! - पीटर कुशिम बोला । उसके चेहरे का रंग उड़ गया था ।

कुछ क्षण वह अपने सूखे होठों पर जुबान फेरता रहा और फिर बोला- 'नहीं, ऐसा नहीं हो सकता । यू तीन आदमियों की हत्या कर देना कोई आसान काम नही है। तुम खामखाह मुझे डराने की कोशिश कर रहे हो ।'

'पीटर जरा अक्ल से काम लो। एक मिनट अपने आप को प्रिंस के स्थान पर रख कर देखों। अगर तुम उसकी जगह

(१०१)

होते तो ऐसी स्थिति में तुम क्या करते? क्या तुम्हें यह युक्ति संगत लगता है कि साराह की ब्लू फिल्म हासिल करने के लिये प्रिंस इतना बखेड़ा करे और फिर साराह को आजाद छोड़ दे ताकि वह नई ब्लू फिल्म तैयार करा ले ।

'ओह माई गाड! ओह माई गुड गाड ।'

'जेम्स बाँड कुछ क्षण सिगरेट के कश लगाता हुआ उसके बदहवास चेहरे को देखता रहा और फिर बोला- 'एक बात बताओगे, पीटर?'

'क्या पूछना चाहते हो ।' -पीटर कुशिग डूबते स्वर से बोला 'जो लोग जान पैट्रिक को राष्ट्रपति नहीं बनने देना चाहते उनसे तुम्हारा क्या वास्ता है ।

पीटर कुशिम कुछ क्षण हिचकिचाया और फिर बोला- 'मैं भी उन्ही लोगों में से एक हूं!'

'और वे लोग कौन है । राष्ट्रपति पद के किसी दूसरे प्रत्याशी के साथी !'

'नहीं । हम केवल अम-रीकी जनता के हितचिन्तक हैं। जान पैट्रिक यूनाइटिड स्टेट्स आफ अमेरिका के उच्चतम पद के योग्य व्यक्ति नहीं है। जान पौट्रिक एक कमजोर निकम्मा और मूर्ख आदमी है। कुछ पैस वाले लोगों का स्वार्थं इस बात में है कि जान पैट्रिक राष्ट्रपति बने । दरअसल इलैक्शन जान पैट्रिक नहीं लड़ रहा है इलेक्शन जान पंट्रिक की पीठ पर मौजूद अमेरिकन के करोड़पति हरमन जे० बोल्टन जैसे समर्थ लोग लड़ रहे हैं जिन्होंने जान पेट्रिक को राष्ट्रपति बना कर उससे अपने कई स्वार्थ सिद्ध करने हैं। अगर जान पंटिक राष्ट्रपति बन गया तो वह अमेरिका के धन्ना सेठों

(१०२)

के हाथों की कठपुली बन कर रह जायेगा। जान पंट्रिक एक बिका हुआ इंसान है जो हरगिज भी व्हाइट हाउस में कदम रखने के योग्य नहीं ।'

'तुम लोग अपनी इस बात को जनता तक क्यों नहीं पहुंचाते हा?'

'वक्त बहुत कम है। अमेरिका की जनता के कानों में अपनी बात पहुंचाने के लिये हमारे पास वक्त बहुत कम है और वैसे भी अपनी बात जनता के कानों तक पहुंचान के लिय हमने जान पेट्रिक से टक्कर नहीं लेती है, हरमन जे० बोल्टन जैसे आदमियों से टक्कर लेनी है जो हमसे बहुत अधिक समर्थ है । हमें खेद है कि जान पेट्रिक की हकीकत हमारे सामने बड़ी देर से खुली, अब हमारे पास इतना समय या साधन नहीं है कि हम हरमन जे० बोल्टन जैसे आदमियों के खिलाफ मोर्चा खड़ा कर सके । हरमन जे बोल्टन के नक्कार खाने में हमारी तूती की आवाज कौन सुनेगा । इसलिये हमने मुसीबत की जड़ पर ही वार करने की सोची । साराह पेट्रिक के माध्यम से हमने जान पेट्रिक को चुनाव से अपना नाम वापिस लेने पर मज-बूर करने के लिये बड़ी कार आमद तरकीब निकाली थी लेकिन...'

पीटर कुशिग ने अपना वाक्य पूरा नहीं किया । उसने बड़ी बेबसी से कन्धे झटकाये ।

जेम्न वाड ने सिगरेट का आखरी कश लगाया और सिगरेट का बाकी टुकड़ा फर्श पर फेंक कर उसे जूते से मसल दिया ।

'प्रिंस कहता था कि तुम भी उन फिल्मों को हथियाने की ताक में थे?' पेट्रिक कुशिग बोला ।

' प्रिंस ठीक कहता था ।'

लेकिन तुम तो ब्रिटिश इन्टेलीजेन्त से सम्बन्धित हो।

(१०३)

अमेरिका के सम्भावित राष्ट्रपति से तुम्हारा क्या सम्बन्ध?'

'सम्बन्ध तुम्हारी समझ में नहीं आयेगा- 'जेम्स बांड दर बाजा खोलता हुआ बोला- 'गुड डे पीटर । आराम करो । दोप-हर के खाने के बाद आराम करना तन्दरुस्ती के लिये बहुत अच्छा होता है वैसे भी शायद ख्वाब में तुम्हें यहां से भाग निकलने की कोई तरकोब सूझ जाये ।'

पीटर चुपचाप खड़ा रहा ।

जेम्स बांड दरवाजा खोलकर बाहर निकल आया ।

उसने साराह का द्वार धीरे से खटखटाया ।

भीतर से कोई उत्तर नहीं मिला ।

जेम्स बांड अपने कमरे की ओर बढ़ गया ।

अपने कमरे में पहुंच कर उसने दरवाजा भीतर से बन्द कर लिया ।

उसकी निगाह पलंग के समीप मेज पर पडे अपने सटकेस पर पडी ।

सूटकेस में से एक टाई का थोड़ा सा भाग बाहर झलक रहा था ।

जेम्स बांड फौरन समझ गया कि उसकी अनुपस्थिति में उसके सूटकेस की तलाशी ली गई थी ।

उसने अपना सूटकेस खोला । सूटकेस का सामान उसने पलंग पर उलट दिया और फिर सूटकेस के तले का निरीक्षण किया ।

उसके मुह से शांति की एक गहरी सांस निकल गई । तलाशी लेने वाले को सुटकेस के दोहरे तले की खबर नही हुई थी ।

(१०४)

जेम्स बांड ने सूटकेस में हाथ डालकर एक कैंच दबाया । सूटकेस का ऊपरी तला थोड़ा सा एक ओर हट गया । भीतर जेम्स बांड की प्रिय रिवाल्वर और एक छोटी सी बिजली से चार्ज होने वाली जापानी टार्च रखी थी । जेम्स बांड ने दोनों चोजों को फिर यथा स्थान सरका दिया । उसने सूटकेस में अपना सामान फिर भरा और कोट और जूते उतार कर और टाई ढीली करके पलंग पर लेट गया ।

कुछ ही क्षण वाद वह पूरी निश्चिन्तता से नींद का आनन्द ले रहा था ।

शाम की चाय का बुलावे पर वे लोग फिर डायनिग हाल में पहुंचे । प्रिन्स ने उनके "साथ यू मुहब्बत से चाय पी जैसे कुछ हुआ ही न हो। लेकिन पीटर कुशिंग और साराह पेट्रिक जो हो चुका था, उसको भूल जाने का बहाना करने के मूड में नहीं थे। उन दोनों के चेहरे पर फटकार बरस रही थी । केवल जेम्स बांड ही बड़े महज और स्वाभाविक ढंग से प्रिन्स से बातें करता रहा । जेम्स बान्ड ने नोट किया कि प्रिन्स उसके व्यवहार से कुछ चिन्तित दिखाई देने लगा था। शायद उसे यह पसन्द नहीं आ रहा था कि जेम्स बांड वर्तमान स्थिति में भयभीत न हो ।

चाय के बाद पीटर कुशिग और साराह पेट्रिक अपने कमरों में चले गये लेकिन जेम्स बांड ने प्रिन्स को बिलियर्ड के लिये आमन्त्रित किया ।

(१०५)

प्रिंस ने उसका आमन्त्रण फौरन स्वीकार कर लिया ।

दोनों विलियर्ड खेलते रहे। जीत जेम्स बांड की हुई । लेकिन उसे स्वीकार करना पड़ा कि प्रिंस बहुत शानदार खिलाड़ी था । उसके स्ट्रोक बहुत शानदार और नपे तुले थे ।

एक घन्टे बाद जेम्स बांड प्रिंस से हाथ मिलाकर अलग हो गया।

रात को नौ बजे डिनर पर वे फिर इकट्ठे हुये । उस बार सबने चुपचाप खाना खाया और डायनिंग हाल से विदा हो गये ।

जेम्स बांड सीधा अपने कमरे में आ गया ।

अपने कमरे में आकर उपने अपने सारे कपड़े उतारे और बिस्तर में प्रविष्ट हो गया । नग्नावस्था में सोना उसकी पुरानी आदत थी ।

दिन में काफी सोने के बावजूद भी उसे जल्दी ही नींद आ गई ।

*

अचानक द्वार भड़भड़ाये जाने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुल गई ।

जेम्स बांड तत्काल बिस्तर से निकल आया । उसने कमरे की बत्ती जलाई ।
अपनी कमर के गिर्द एक तौलिया लपेटा और फिर आगे बढ़कर द्वार खोल दिया ।

साराह आंतक की प्रतिमूर्ति बनी कमरे में घुस गई ।

'मिस्टर बांड - 'वह बदहवास स्वर से बोली-'मिस्टर बांड, वह भागने की कोशिश कर रहा है ।'

'कौन!"

'पीटर ।'

(१०६)

'कहाँ है वह?'

'जब मैंने उसे देखा था तो वह अपने कमरे की बालकनी में से लटक कर नीचे टैरेस पर पहुंचने की कोशिश कर रहा था ।'

'जेम्म बांड लपक कर अपने कमरे की बालकनी पर पहुंचा ।

पीटर कुशिग की बालकनी की बगल से एक बेल गुजर रही थी । जेम्स बांड ने देखा पीटर कुशिग उस बेल से लिपटा हुआ था । उसके देखते देखते हो वह नीचे टैरेस पर कूद गया । जेम्स बांड ने देखा, उसके हाथ में एक बड़ी सी तलवार थी जो शायद उसने गलियारे की दीवार से उतार ली थी ।

साराह भी उसकी बगल में आ खड़ी हुई ।

पीटर पलक झपकते ही टैरेस पार कर गया और संगमरमर की सीढियां उतरने लगा ।

जेम्म बांड सांस रोके उसे भागता देखता रहा।

शीघ्र ही वह नीचे लान में गया और फिर सीधा घने पेडों की ओर भागा

उसी क्षण महल की किसी ऊपरी मन्जिल की खिड़की में एक सर्च लाइट जल उठी और उसका तीव्र प्रकाश लान में पड़ा, एक क्षण बाद लान में भागता हुआ पीटर कुशिग सर्च लाइट के प्रकाश के दायरे में आ गया ।

उसो क्षण विजली की रफ्तार से भागते हुये दोनों अल्सेशियन कुत्ते वहां पहुंच गये ।

अपने पीछे कुत्तों की आवाज सुनकर पीटर ने भागना बन्द कर दिया और तेजी से वापिस घूमा ।

एक कुत्ते ने उस पर छलांग लगा दी ।

पीटर कुशिग का तलवार वाला हाथ हवा में घूमा । तलवार

(१०७)

पूरी शक्ति से जाकर कुत्ते की खोपड़ी से कटराई और कुत्ता पीछे की ओर उचट गया उसकी खोपड़ी आधी कट गई थी। एक वार गुर्राया और फिर शांत हो गया ।

पीटर कुशिम फिर पेड़ों की ओर भागा । उनी क्षण दूसरा कुत्ता उस पर झपटा ।

पीटर कुशिंग एकदम दांई ओर हट गया। वह कुत्ते के वार से बाल बाल बचा ।
जमीन से टकरा कर कुत्ता फिर उस पर झपटा लेकिन तब तक पीटर कुशिंग सम्भल चुका था। उसने फिर अपना तलवार वाला हाथ घुमाया ।

तलवार के भरपूर वार से कुत्त की आधी कमर कट गई । बह घास पर उलट गया और पीड़ा से तड़पने लगा ।

पीटर थोड़ा सा बायें हटा और फव्वारे के समीप से होता हुआ आ फिर जगल की ओर भागा, एक क्षण के लिये सर्च लाइट के प्रकाश के दायरे से निकल गया लेकिन शीघ्र ही प्रकाश उप पर फिर पड़ने लगा ।

वह अभी पेड़ों से पांच छः गज दूर ही था कि वाताबरण गोली चलने की आवाज से गूंज उठा ।

पीटर कुशिग एक बार हवा में उछला और फिर घास पर लोट गया । उसका भेजा उड़ गया था ।

ऊपरी मन्जिल की एक बालकनी में खड़े जैसपर ने रायफल नीचे झुका ली और सन्तुष्टि पूर्ण ढंग से सिर हिलाया । इतना शानदार निशाना उसने अपने जीवन में पहले कभी नहीं लगाया था ।

'मर गया - 'जेम्स बांड के पीछे खड़ी साराह के मुंह से निकला ।

(१०८)

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □

'□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□' - □□□□□ □□□□ □□□□ □

'□□□□□ ?' □□□□□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □

□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □

□□□□□□ □□□□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □

'□□ □□□□ □□ □□□ □□□ ?' □□□□□ □□ □□□□ □

'□□□' - □□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □

दूसरी मंजिल पर पहुंचकर वह तनिक ठिठका ।

ऊपर की मन्जिल के गलियारे में किसी के सीढ़ियों के पास चलने की आवाज आ रही थी ।

जेम्स बांड ने अपने चारों ओर दृष्टि दौड़ाई ।

(१०६)

सीढ़ियों के सामने के कमरे में घुस गये।

वे दोनों जल्दी से उस कमरे में घुस गये ।

कुछ क्षण बाद किसी के सीढ़ियां उतरने की आबाज आई ।

जेम्स बांड ने दरवाजे की झिरी में से बाहर झांका ।

एक हिप्पी सा लगने वाला दुबला पतला आदमी हाथ में राईफल लिये सीढ़ियां उतर रहा था ।

उसके दृष्टि से ओझल होने के थोड़ी देर बाद वे कमरे से बाहर निकल आये और सीढ़ियों के समीप पहुंचे ।

तभी नीचे से किसी के उच्च स्वर में बोलने की आवाज आई-'वे दोनों अपने कमरे में नहीं हैं।'

वे तेजी से सीढ़ियां चढ़ने लगे ।

□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □

□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □ □□□□□□ □□□□ □□ □ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □

□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □

□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□---'□□□ □□□'

(□□□)

'□□□□ □□□ □□?' □□□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □

'□□□ □□□□ □□□□□ ?'

'क्योंकि पीटर ने निकल भागने की कोशिश करके काम खराब कर दिया था। अब वे हमें भी गिरफ्तार करके रखते ।'

'तो क्या हो जाता? कल रात की ही तो बात थी । उस के बाद तो प्रिंस ने हमें स्वतन्त्र कर ही देना था ।'

'यह तुम्हें किसने कहा हैं?'

'क्या मतलब ? प्रिंस ने यही तो कहा था ।'

'और तुमने मान लिया था ।'

'मैं यह कहना चाहता हूं मैडम् कि प्रिंस का आप को आजाद करने का कतई इरादा नहीं है, फिल्म हासिल हो जाने के बाद वह हम दोनों की गरदान यू- जेम्स बांड ने चुटकी बजाई'-'काट देगा और हमारी लाशों को बारह सौ एकड़ के जंगल में सड़ने के लिये फेंक देगा ।'

'लेकिन क्यों? हमने उसका क्या बिगाड़ा है?'

'मैंने तो कुछ नहीं बिगाड़ा। मैं तो सिर्फ गेहूं के साथ घुन की तरह फ्ति रहा हूं लेकिन तुमने एक ऐसी ब्लू फिल्म के निर्माण में मदद दी है जो तुम्हारे बाप को अमेरिका का अगला राष्ट्रपति बनने से रोक सकती है।'

'लेकिन-- लेकिन मेरी इसमें कोई गलती नहीं है' - साराह रुआंसे स्वर से बोली- वे ब्लू फिल्में इसलिये तैयार नहीं की गई थी कि वे मेरे डैडी को ब्लेक मेल करने के लिये इस्तेमाल की जायें पीटर ने मुझे धोखा दिया था, मैं भगवान की कसम खा कर

(१११)

कहती हूं आज से पहले मुझे खबर नहीं थी कि वे फिल्में क्या गुल खिला रही है ।'

'तो फिर तुमने फिल्म में काम क्यों किया ।'

'धन की खातिर । पीटर ब्लू फिल्में बनाने का धन्धा करता या । वह कहना था कि ब्लू फिल्में पूर्वी और मध्यवर्ती देशों में बहुत मंहगे दामों में बिकती है। वह कहता था कि ब्लू फिल्म का प्रिन्ट कम से कम सौ सौन्ड में चिकता है। पना नहीं कैये मेरो अकल इतनी खराब हो गई कि उसने ब्यू फिल्म में काम करने के लिये कहा और मैं तैयार हो गई ।'

'तुम्हारी अक्ल खराब नहीं हुई थी, खराब की गई थी । पीटर ने तुम्हें एल ० एव० डी० का इंजेक्शन दिया था ।

'हे भगवान ।'

'तुमने वे फिल्में देखीं?।'

'नहीं ।'

'मैंने एक देखी थी अगर तुम उन्हें देखती तो तुम्हारी आत्मा त्राहि- त्राहि कर उठती । तुम्हें विश्वास नहीं होता कि फिल्म में चित्रित तमाम घिनौनी हरकते तुमने की हैं । और अब तुम यह सोचो कि वह फिल्म तुम्हारे डंडी ने देखी है।'

'हे भगवान! अब मैं अपने डैडी को कैसे मुंह दिखाऊंगी ।

शायद ऐसी कोई समस्या खड़ी ही न हो । शायद उससे पहले ही तुम दूसरी दुनिया में पहुंच जाओ । साराह एक ढंग से देखा जाये तो तुम्हारी मौत का सामान तुम्हारे डैड़ी ही कर रहें हैं।'

'कैसे?'

'जो आदमी तुम्हारे डैडी को व्हाइट हाउस में देखना चाहते

(११२)

हैं प्रित सचावेता उन्हीं का सहयोगी मालूम होता है। प्रिंस फिल्में हासिल करने के बाद भी तुम्हारी हत्या इसलिये करना चाहता है ताकि आजाद हो जाने के बाद तुम दुबारा ऐसी फिल्म न बना सको ।'

'लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी भला? मैंने कहा कि फिल्मों के मामले में पीटर ने मुझे धोखा दिया है। मैं प्रिस के पास जाती हूं और उसे सारी स्थिति बता देती हूं। अगर वह डैडी का सहयोगी है तो वह मेरी बात जरूर मान जायेगा ।'

और अगर वह न माना । अगर उसे तुम्हारी बात पर विश्वास न हुआ । अगर उसने यह समझा कि तुम अपनी जान बचाने के लिये एक कहानी धड़ कर सुना रही हो और पीटर क्योंकि मर चकने के बाद तुम्हारी बात इसलिए तुम सारा इलजाम बनना चाहती हो । ध नहीं कर सकता मेर थोप कर खुद दूध की घुली

'हे भगवान'- सागह असहाय भाव से बोला- 'अब में क्या करूं।'

'मरने से डरती हो' - जेम्स बांड ने पूछा ।

'कौन नहीं डरता । तुम नहीं डरते ।' जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया ।

उसने एक सिक्रेट सुलगा लिया ।

उसी क्षेणे उसके कानों में लाउडस्पीकर पर गूंजती हुई प्रिस सचावेता की आवाज पड़ी- 'जेम्स बांड । साराह पैट्रिक । भगवान के लिये यहां से भागने की कोशिश मत करना । एस्टेट की दीवारों में बिजली का करेन्ट दौड़ रहा है। तुम दोनों खामखाह

(११३)

मारे जाओगे । तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम वापिस लौट जाओ । पीटर मरा नहीं है, वह बुरी तरह घायल हैं । उसे तुम लोगों की जरूरत है।'

दोनों बाल्कनी में आ गये ।

जेम्स बांड ने सावधानी से नीचे झांककर देखा ।

नीचे टैरेस पर हाथ में माइक लिये प्रिस सचावेता खड़ा था । उनकी बगल में वह हिप्पी खड़ा था जिसे जेम्स बांड ने हाथ में राइफल लिये सीढ़ियां उतरते देखा था ।

प्रिंस संचावेता ने अपनी चेतावनी फिर दोहराई ।

जेम्स बांड साराह की बांह थामे वापिस कमरे में आ गया ।

'वे लोग समझ रहे हैं' कि- जेम्स बांड बोला- हम भी पीटर के साथ भागे थे । उनके ख्याल से पीटर क्यकि सामने की ओर भागा था, इसलिए मारा गया था और हम शायद साइड से होकर पिछवाड़े के जंगल में भाग गए हैं ।

"प्रिम कह रहा था कि पोटर मरा नहीं है' - साराह बोली ।

'वह झूठ बोलता है । मैंने खुद उसका भेजा उड़ता देखा या ।'

'क्या वे वाकई हमें कत्ल कर देंगे' - साराह रुआंसे स्वर से बोली ।

'तुम्हें पीटर की मौत के बाद भी शक है। लेकिन मैडम हमारा कत्ल करने के लिये उनको पहले हमें तलाश करना जरूरी है और दो सौ पन्द्रह कमरों के इस महल में और बारह सौ एकड़ के जंगल में किसी आदमी को तलाश कर लेना तुम आसान काम समझती हो । अभी हमारी मौत बहुत दूर है। तब तक तो मैं कोई

(११४)

तिगड़म भिड़ा लूँगा ।'

'तुम क्या करोगे ।'

'फिलहाल जो सबसे पहली तरकीब मेरे दिमाग में आ रही है वह यह है कि मैं महल में मौजूद किसी टेलीफोन तक पहुंचने की कोशिश करूं । टेलीफोन से मैं अपने दूतावास से सम्पर्क स्थापित करूंगा । एक बार हमारे दूतावास को मेरी स्थिति की जानकारी होने की देर है कि प्रिस सचावेता की ऐसी तैसी हो जायेगी । थाई सरकार के दखल के बाद उसकी हमें हाथ लगाने की हिम्मत नही होगी ।'

'लेकिन अगर टेलीफोन तक पहुंच नहीं हुई ।'

फिर कोई दूसरी तरकीब सोचेंगे, फिलहाल तो जब तक नीचे का हंगामा खत्म नहीं होता हमें यहीं छुप रहना हैं ।'

'अगर वे हमें तलाश करते हुये यही आ गये ।'

'मुझे उम्मीद नहीं । पहले तो उन्हें यह ही नहीं मालूम कि हम हम महल में है, उनके ख्याल से हम जंगल में है और फिर इस मंजिल पर बिजली नहीं है। तीन मंजिलों में सो से कम सौ कमरे तो क्या होंगे । निपट अन्धकार में सिनेमा हाल जैसे बड़े-बड़े कमरों से में किसी को तलाथ कर लेना तुम आसान काम समझती हो । मेरा दावा है अगर वह महन की तलाशी लेगें तो दिन में ही लेगें ।'

उप्ती क्षण बाहर से एक हल्की सी आवाज आई ।

जेम्म ब्रांड के कान खड़े हो गये। उनने साराह को चुप-चाप वहीं खड़े रहने का संकेत किया। उसने रिवाल्वर निकाल कर हाथ में ले ली और दवे पांव द्वार की ओर बड़ा ।

(११५)

बड़ी सावधानी से द्वार में एक पतली सी झिरी बनाकर उसने बाहर झांका ।

दूर सीढ़ियों के सिरे पर उसे दो आदमियों का साया दिखाई दिया ।
अन्धकार में उनकी सूरतें दिखाई नहीं दे रही थी । उन में से एक के हाथ में रायफल दिखाई दे रही थी ।

'मौज करो प्यारे'- उनमें से एक बोला ।

'मौज तो तुम करोगे' - दूसरा जले भुने स्वर से बोला- 'मुझे तो सारी रात यहां सीढ़ियों पर बैठोंबैठे गुजारनी है।'

'होशियार रहना ।'

फिर एक आदमी सीढ़ियां उतर गया ।

राइफल वाला वहीं खड़ा रहा । फिर वह सीढ़ियों में ही रेलिग के साथ पीठ लगा कर बैठ गया, राइफल उसने अपनी गोद में रख ली ।

जेम्स ब्रांड चिन्तित हो उठा वह सशस्त्र पहरेदार उम मंजिल पर क्या कर रहा था? क्या प्रिस को मालूम हो गया था कि वे लोग जंगल में नहीं भागे थे बल्कि महल में ही मौजूद थे ।

जेम्स बांड ने द्वार के पास एक स्टूल सरका लिया और उस पर बैठ गया ।
बड़े धैर्य के साथ वह हाथ में रिवाल्वर थामें और झिरी में आंख लगाये पहरेदार को पट्टेदारी करने लगा ।

****

'मैं संतुष्ट नहीं हूं' - जैस्पर बोला ।

प्रिस सचावेता ने अनिच्छापूर्ण ढंग से जैस्पर की ओर देखा, वह बेहूदा हिप्पी हरमन जे० बोल्टन द्वारा वहां भेजा गया था इसलिये प्रिंस उसे बर्दाश्त कर रहा था । वरना वह उसका उस कमरे में बैठना पसन्द न करता ।

'क्यों - प्रिंस ने धैर्यपूर्ण स्वर से पूछा ।

'तुम इस बात को गारन्टी के तोर पर ले रहे हो कि क्योंकि पीटर ने भागने का उपक्रम किया इसलिए जेम्स बांड और साराह भी भागे होंगे

'जाहिर है । वे तीनों साथ थे, इनका इकट्ठा भागना ही युक्ति संगत लगता है। फर्क केवल इतना है कि पीटर कुशिग ने लान पार करके सामने की ओर भागने की मूर्खता की क्योंकि उस ओर एस्टेट का प्रवेश द्वार देखा था और हम लोगों की निगाहों में जल्दी आ गया इसलिये मारा गया । लेकिन जेम्स बांड और साराह बगल से होकर पिछवाड़े के जंगल में भाग गये हैं।'

'और अगर वे अभी महल में ही हुये?'

'तो भी क्या फर्क पड़ता है? आखिर वह कब तक भूखे प्यासे महल की ऊपरी मंजिल में छुपे रह सकते हैं। भोजन की तलाश में उन्हें नीचे आना पड़ेगा और फिर वे घेर लिये जायेंगे ।'

(११७)

'तुम्हें पूरा विश्वास है कि कोई भी यहां से भाग नहीं सकता?'

'कोई नहीं भाग सकता' - प्रिंस दृढ़ स्वर से बोला ।' एस्टेट की चार दीवारी के ऊपर लगी तारों में ४४० वोल्ट का करेन्ट दौड़ रहा हैं। जो कोई दीवार पर चढ़ने की कोशिश करेगा उसका काम हो जायेगा । और फिर मुझे विश्वास नहीं कि वह लड़की बीस फुट ऊंची दीवार चढ़ सकती है ।

'तुमने उन तीनों के सामान की अच्छी तरह तलाशी करवाई थी ।

'बहुत अच्छी तरह से । किसी के पास किसी प्रकार का कोई हथियार नहीं था ।'

जैस्पर चुप हो गया । लेकिन उसके मन से चिन्ता नहीं गई, वह कितनी ही देर बेचेनी से पहलू बदलता रहा ।

'तुम महल की तलाशी क्यों नहीं करवाते' - थोड़ी देर बाद वह फिर बोला ।

'कई वजह है। जैसे मुझे पूरा विश्वास है कि वे दोनों महल में नहीं है और इसकी तलाशी बेकार है जैसे महल बहुत बड़ा है और उसकी ऊपरली तीन मन्जिलें क्योंकि कई सालों से इस्तेमाल नहीं हो रही है इर्सालये उनमें बिजली की फिटिग नहीं है। जैसे मेरे पास सिर्फ पच्चीस आदमी है और उनको मैं सारी रात महल की तलाशी लेते रहने में थकाना नहीं चाहता । महल की तलाशी से कुछ हासिल तो होना नहीं उल्टे नुकसान यह होगा कि कल वे लोग भगोड़ों की तलाश में बारह सौ

(११८)

एकड़ का जंगल छानने के काबिल नहीं रहेंगे । वैसे अब तलाशी लेने में और सुबह तलाशी लेने में कोई फर्क पडने वाला नहीं है । अगर वे महल में है भी तो उनके रात भर किसी अन्धेरे कमरे में बैठे रहने से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। वैसे मुझे उम्मीद नहीं कि जेम्स बांड इतना मूर्ख नहीं कि छुपने के लिये बारह सौ एकड़ के घने जंगल को छोड़ कर वह इस महल में छुग बैठा रहे ।'

'जगल की ऐसी की तैसी - जैस्पर तनिक झल्ला कर बोला-'मैं चाहता हूं कि पहले महल की चप्पे चप्पे की तलाशी करवाई जाये ।'

'तुम मुझे आदेश दे रहे हो' प्रिस गर्ज कर बोला ।

'मैं तुम्हें आदेश नहीं दे रहा हूं' एक नेक राय दे रहा हूं। और मेरे पर रोब गांठने की कोशिश न करो । मैं तुम्हारी हकीकत जानता हूं। यह एस्टेट तुम्हारे बाप की नहीं है। तुम भी मेरी तरह हरमन जे० के नौकर हो । इसलिये अपना शाही रोव उस पर डालने की कोशिश करना जो तुम्हारी हकीकत जानता न हो ।'

सचावेता एकदम ठण्डा पड़ गया ।

'मैं फिर कहता हूं कि तलाशी के लिये जंगल में आदमी भेजने से पहले महल में उनकी तलाश करवाओ । अगर यह तलाश अधेरे की वजह से रात को सम्भव नहीं तो सुबह होते ही करवाओ । महल की तलाशी करवाने से अगर तुम्हें कोई फायदा नहीं होगा तो नुकसान भी नहीं होगा ।

'आल राइट' - प्रिंस दवे स्वर में बोला- 'मैं सुबह पहले महल की तलाशी करवाऊंगा ।'

'गुड'- जैसपर सन्तुष्ट स्वर में बोला- 'और रात भर के

(११६)

लिये हर मंजिल की सीढ़ियों पर एक सशस्त्र पट्टेदार तैनात कर दो, पहरेदारों को कह दो कि अगर उसे उन मजिलों में कही वे दोनों दिखाई दें तो वे उन्हें फौरन शूट कर दें और अगर किसी मन्जिल पर उन्हें कोई खटपट सुनाई दे या किसी के यहां होने का सन्देह हो तो वह फौरन बाकी आदमियों को सूचित करे । रात के अन्धेरे में अगर पूरे महल की तलाशी नहीं हो सकती तो कम से कम एक मंजिल की तलाशी तो हो सकती है।

'ठीक है' - प्रिंस उठता हुआ बोला- 'मैं इन्तजाम करता हूं ।'

एक बात और सुनते जाओ ।

प्रिंस ठिठक गया ।

'जो कुछ तुम कर चुके हो या करने वाले हो उसे मुझ पर अहसान जताते हुये मत करो । मेरा काम उन दोनों की हत्या करना है, अगर तुम उन्हें तलाश नहीं कर पाये यह तुम्हारी असफलता होगी, मेरी नही । इसलिये मुझे परवाह नहीं है कि तुम मेरी राय को मानते हो या नहीं। मैंने जो कहा है तुम्हारी भलाई के लिये कहा है। अगर तुम्हें मेरी राय पसन्द नहीं है तो भाड़ में जाओ तुम और भाड़ में जाओ तुम्हारा इन्तजाम, जब तुम्हें खबर हो जाये कि वे दोनो कहां हैं तो मुझे बता देना । मैं उनका काम तमाम कर दूंगा । तब तक के लिये गुड बाई ।'

जैस्वर उठा और लम्बे डग भरता हुआ कमरे से बाहर निकल गया ।

प्रिस सचावेता ठगा सा उस गन्दे हिप्पी को जाता देखता रहा ।

****

जेम्सबांड दरवाजे की झिरी में आंख लगाये सावधानी से बाहर झांकता रहा । विक्ट स्थिति में धीरज न खोना उसको आदत बन चुकी थी । कितनी ही देर वह सतर्कता की प्रतिमूति बना उसी स्थिति में बैठा रहा ।

फिर उसने पहरेदार को सीढ़ियों पर पसरते देखा । लगभग पन्द्रह मिनट बाद पहरेदार के खर्राटें लेने की आवाज जैम्सबॉड को वहां तक सुनाई देने लगी ।

जेम्सबांड समझ गया कि वह पहरेदार केवल सीढ़ियों की निगरानी के लिये वहां तैनात किया गया था, कमरों की तलाशी के लिए नहीं।

उसने धीरे से द्वार बन्द कर दिया और वापस कमरे में आ गया ।

साराह भीगी बिल्ली बनी पलंग पर बैठी थी ।

'□□□□□□□□' - □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□- '□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □

'□□ □□□□□□□□ ?'

'□□□□ □□□□ □□□'

'□□ ?'

'□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□'

'□□□□ ?'

(□□□)

'□□□□□ □□□ □

□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □

□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □

□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □

जेम्सबांड ने डोरी का एक सिरा बाल्कली की रेलिंग के साथ मजबूती से बांध दिया और बाकी की डोरी बाल्कनी से नीचे लटका दी ।

फिर वह कमरे में वापस लौट आया ।

'इससे क्या होगा?' साराह ने पूछा ।

'उलझन पैदा होगी । मेरे बाप ने कहा था कि बेटा जब फंस जाओ तो ज्यादा से ज्यादा उलझनें पैदा करने की कोशिश करो । सुबह जब वे लोग बाल्कनी से नीचे यह डोरी लटकी देखेंगे तो वे यही समझेंगे कि हम रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर डोरी के रास्ते उतरकर जंगल में भाग गये ।'

(१२२)

सारा चुप रही.

'आओ सो जाये' जेम्सबांड बोला और पलंग पर आकर लेट गया ।

'ऐसी स्थिति में तुम्हें नींद आ जायेगी?' साराह हैरानी से बोली ।

'मुझे तो आ जायेगी ।'

'मैं तो अपनी आंख भी बन्द करने की हिम्मत नहीं कर सकती ।'

'आंख खुली रखकर तुम कौन सा करिश्मा कर लोगी ।'

सारा चुप रही ।

'मुझ पर भरोसा रखो मैडम । तुम्हें जीवित रखने के लिये जो कुछ किया जा सकता है, हो रहा है । --और जेम्सबांड के आँख बंद कर ली ।

****

सुबह हुई ।'

पेड़ों की ओट में से उगते हुए सूरज का प्रकाश सचावेता एस्टेट में फैल गया ।

प्रिम सचावेता ग्राउन्ड फ्लोर पर स्थित अपने वेडरूम में से निकलकर टैरेस पर आ गया ।

उत्ती क्षण एक वेर्दीधारी नौकर भागता हुआ उसके समीप पहुंचा ।

'सर' - वह हांफता हुआ बोला- 'पांचवी मंजिल की बाल्कनी में से एक रस्सी लटक रही

'कहां?'-

नौकर ने बाई और की दीवार की ओर सकेत कर दिया ।

प्रिंस सचावेता ने देखा । बाई ओर काफी दूर की दीवार के साथ रेशम की एक पतली सी डोरी लटक रही थी।

उसी क्षण टरेस पर जैस्पर भी पहुंच गया।

'जैस्पर'- प्रिंस ने कहना चाहा ।

'मैं उस रेशम की डोरी को पहले ही देख चुका हूं।'

'तुम्हारा ख्याल ठीक था ।' - प्रिंस तनिक उत्तेजित स्वर से बोला । एकाएक बह जैस्पर से प्रभावित दिखाई देने लगा था ।-'वे रात को महल में ही थे लेकिन रात के अन्धेरे में इस रस्सी के सहारे नीचे उतरकर वे जगल में भाग गये हैं।'

(१२४)

'अब तुम जंगल में तलाश का फौरन इन्तजाम करवाओ ।'

'अब तो महल में उनकी तलाश करवा कर समय बरबाद करने की जरूरत नहीं है।'

'हूं।'

'मैं अभी जंगल में तलाश शुरू करवाता हूं ।'

प्रिंस ने समीप खड़े वर्दीधारी नौकर को कुछ आदेश दिया ।

नौकर आदरपूर्ण ढंग से सिर नवाकर वहां से चला गया ।

लगभग पन्द्रह मिनट में टैरेस पर पच्चीस सशस्त्र आदमी जमा हो गये ।

प्रिंस ने अपनी भाषा में उन्हें तलाश के बारे के निर्देश दिये ।

फिर चौबीस आदभी जंगल की ओर रवना हो गए । एक मशीनगन धारी आदमी पीछे रह गया ।

'यहां एक सशस्त्र आदमी काफी होगा?' जैस्पर ने पूछा-

क्यों नहीं?' प्रिंस बोला- 'इस एक आदमी को तो मैंने यूं ही रोक लिया है वर्ना यहां तो एक आदमी की भी जरूरत नहीं है। यहां अब पद्देदारी की जरूरत किस लिये है?'

'अगर वे दोनों वापिस आ गये तो?'

'तो क्या मैं तुम और यह मशीनगन वाला एक निहत्थे आदमी और एक असहाय औरत को अपने अधिकार में नहीं कर सकेंगे?'

जैस्पर चुप हो गया ।

'और फिर पावर हाउस में भी दो सशस्त्र आदमी मौजूद हैं। जरूरत पड़ने पर उन्हें भी टेलीफोन करके फौरन यहां बुलाया जा सकता है ।'

(१२५)

जैस्पर कुछ नहीं बोला । न जाने क्यों वह सारे इन्तजाम से खुश नही था । उसकी अन्तरात्मा कह रही थी कि कहीं जरूर कोई गड़बड़ थी । लेकिन प्रिंस पर अपनी शंका व्यक्त करना बेकार था । उसकी निगाह में सब कुछ बड़े संतोष जनक ढंग से और वड़े मलीके से हो रहा था ।

****

जेम्मबांड की नींद खुली ।

उसने अपनी कलाई घड़ी पर दृष्टिपात किया । पांच बज चुके थे ।

कमरे में रात जैसा घुष्प अंधेरा नहीं था । भोर के उजाले से धीरे- धीरे कमरः भी प्रकाशित हो रहा था ।

उसने देखा विशाल पलग के दूसरे सिरे पर गठरी सी बनी दीन दुनिया से बेखबर साराह सोई पड़ी थी ।

जेम्सबांड निशब्द पलग से नीचे उतर आया । उसने कमरे के द्वार को जरा सा खोलकर बाहर गलियारे में झांका।

सीढ़ियों पर पहरेदार मौजूद नहीं था ।
उसने वापिस कमरे में आकर साराह को झिंझोड़ा ।
साराह हड़बड़ा कर उठ बैठी और आंखें मलने लगी ।
'तुम तो कहती थी कि तुम आंख भी बन्द करने की हिम्मत नहीं कर सकती?'

(१२६)

साराह ने आहत भाव से जेम्सबांड की ओर देखा ।

'चलो'- जेम्सबांड बोला ।
'कहां?'
'यहां से बाहर ।'

'कहीं बाथरूम ---।'

'वह भी तलाश करते हैं।'

साराह पलंग से नीचे उतर आई ।

दोनों कमरे से बाहर निकल आये । जेम्सबांड ने रिवाल्वर निकालकर हाथ में ले ली और सीढ़ियों की ओर बढ़ा ।

कहीं कोई नही था ।

सोढियां उतरकर वे चौथी मंजिल पर पहुँच गए ।

वहां भी सन्नाटा था ।

वे सीढ़ियों से काफी दूर एक बड़े कमरे में प्रविष्ट हो गये ।
सौभाग्य वश उसमें बाथरूम भी था । साराह सीधी बाथ-रूम में चली गई ।
जेम्सबांड बाल्कनी में पहुंचा । पर्दे के पीछे झुककर बह नीचे टैरेस की ओर झांकने लगा ।

टैरेस पर सशस्त्र आदमी इकट्ठे होने लगे ।

प्रिंस सचावेता उन्हें निर्देष देने लगा ।

थोड़ी देर बाद सशस्त्र आदमी जंगल की ओर बढ़ने लगे ।

केवल एक मशीन गन वाला पीछे रह गया ।

जेम्सबांड ने जंगल की ओर बढ़ते आर्दामयों को गिनना आरम्भ कर दिया ।

कुल चौबीस आदमी थे ।

फिर उसने प्रिस को मशीन गन वाले को निर्देश देते देखा ।

(१२७)

मशीन गन बाला टेरेस की सीढ़ियां उतर गया और लान को पार करके फव्वारे के पास पहुंच गया । मशीन गन गोद में रखकर वह फव्वारे पर बैठ गया । रह रह कर उसकी चौकन्नी निगाहें महल की बाल्कानियों पर घूम जाती थी ।

फिर प्रिंस और हिप्पी भी टैरेस छोड़कर महल में प्रविष्ट हो गये ।

जेम्सबांड सोचने लगा । उसके पास आठ फायर करने वाली रिवाल्वर थी और फालतू कारतूस नहीं थे। क्या वह रिवाल्वर के दम पे एक मशीन गन बाले पर, एक एक्सपर्ट निशाने बाज हिप्पी पर और प्रिंस सचावेता पर काबू पा सकता था ।

अगला कोई कदम उठने से पहले उससे कुछ क्षण प्रतीक्षा करने का फैसला कर लिया

जंगल में जेम्सबांड की तलाश क्षारम्भ हुए एक घन्टा हो चुका था ।
सूरज पेड़ों से ऊंचा उठ चुका था । और उसकी चम-कीली धूप सारे महल और आस-पास के इलाके पर पड़ रही थो ।

जैस्पर टहलता हुआ फिर टैरेस पर आ गया ।

प्रिस सचावेता उसे कहीं दिखाई नहीं दिया ।

फव्वारे पर मशीन गन वाला बैठा था और वह प्रत्यक्षता बढ़ा चोकन्ना दिखाई दे रहा था ।।

(१२८)

अपने आप ही जैस्पर की दृष्टि पांचवी मंजिल की और उठ गई ।

वह टैरेस की संगमरमर की सीढ़ियां उतर कर नीचे लान में आ गया और लापरवाही से टहलता हुआ उस ओर बढ़ा जिधर रेशम की डोरी थी ।

समीप पहुंचकर उसने डोरी को अपने हाथ में पकड लिया पहले उसने डोरी को जोर से झटका दिया और फिर डोरी के साथ लटक गया ।

उसके हाथ डौरी पर से फिसलने लगे ।

जैस्पर के नेत्र सिकुड़ गये ।

उसने दुबारा बड़ी मजबूती से डोरी को अपने हाथों में थामा और उसके सहारे ऊपर चढ़ने की कोशिश की ।

उसने देखा कि रेशम डोरी से हाथ फिसलने से रोकने के लिये बड़े अथक परिश्रम की आवश्यकता थी ।

'इन्टरेस्टिंग' - जैस्पर होठों में बुदबुदाया- 'वैरी इन्टरे स्टिंग ।'

वह बापिस लौट पड़ा ।

महल में वह प्रिंस के कमरे में पहुंचा ।

'अगर मान लो जंगल में से तुम्हें अपने आदमियों को वापिस लाने की जरूरत पड़ जाये तो क्या करोगे?' - जैस्पर ने पूछा ।

'उनके पीछे आदमी भेजना पड़ेगा' - प्रिंस उलझन पूर्ण स्वर में बोला ।

'उन लोगों को गये हुये एक घन्टे से ज्यादा हो गया है और वे सारे जंगल में फैले हुए होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि

(१२६)

अगर तुम अब एक आदमी उन्हें बुलाने भेजो तो कम से कम तीन घन्टे बाद सारे आदमी वापिस यहां इकट्ठे हो जायेंगे ।'

'हां' - प्रिंस हिचकिचाता हुआ बोला- 'लेकिन बात क्या है?'

जेम्सबांड और साराह पैट्रिक अभी भी महल में ही हैं' -जैस्पर भावहीन स्वर में बोला ।

'क्या कह रहे हो?' प्रिंस चौंका- 'वह सिल्क की डोरी ।'

'मैं उसी को देख कर आ रहा हूं उस डोरी के सहारे नीचे उतरना भारी श्रम का काम है। कोई बहुत असाधारण सहन शक्ति और हिम्मत वाला आदमी ही उस डोरी के सहारे नौचे उतर सकता है। सम्भव है जेम्स बांड यह कठिन काम कर ले लेकिन साराह उस रस्सी के सहारे नीचे नहीं उतर सकती ।'

'सम्भव है जेम्स बाँड भाग गया हो । और लड़की महल में हो?'

'तुम्हें जेम्स बांड ऐसा आदमी लगता है जो अपनी जान बचाने के लिये किसी लड़की को मुसीबत में छोड़ कर भाग जाए ।'

प्रिन्स चुप रहा । एकाएक वह बेहद चिन्तित दिखाई देने लगा था ।

'वह सिल्क की रस्सी जेम्स बांड ने हमें केवल धोखा देने के लिये लटकाई है और तुम उसके धोखे में आ गए हो । तुमने अपने सारे आदमी जंगल में भेज दिये हैं और तुमने खुद कहा है कि वे

(૦૬૪)

तीन घण्टे से पहने वापिस नहीं लौटाये जा सकते । तीन घन्टे में वह बहुत कुछ कर सकता है ।'

'एक निहत्था आदमी क्या कर सकता है?' प्रिंस बोला ।

'दुश्मन को कमजोर मत समझो, मिस्टर ।'

'मैं जंगल में गए आदमियों को बुलवाता हूं ।'

'कैसे बुलवाओगे? बाहर बैठे मशीन गन वाले को उनके पीछे भेजोगे?'

'हां ।'

'यहां तुम किसी सशस्त्र आदमी की मौजूदगी जरूरी नहीं समझते?'

'तो फिर क्या किया जाये?'

'तुमने कहा था कि पा में दो सशस्त्र आदमी मौजूद हैं।'

'हां' - प्रिन्स के चेहरे पर रौनक आ गई- 'यह ठीक है। मैं उन्हें टेलीफोन करके बुलाता हूं ।'

'पावर हाउस कहां है?'

'यहां से लगभग तीन मील दूर चारदीवारी के पास । और अगर तुमने यह सवाल इसीलिये पूछा है कि वे यहां तक आयेंगे कैसे तो उनके पास मोटर साईकिल है?'

'गुड । टेलीफोन करो ।'

प्रिन्स टेलीफोन की ओर बढ़ा । उसने रिसीवर उठाकर कान से लगाया । उसने बुरा सा मुंह बनाया और फिर जोर-जोर से पलंजर खटखटाने लगा । अन्त में उसने रिसीवर को क्रेडिल पर पटक दिया ।

(१३१)

'क्या हुआ?' - जैस्पर ने पूछा ।

'टेलीफोन खराब हो गया है। डायल टोन नहीं है।'

'वाह! क्या ऐफीशेन्सी है?'

'□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ ?' □□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □

'□□ □□□□ □□□□□ ?'

□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□- '□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□'

'□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ ?'

'□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □'

' □□□□ □□□ □ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ ?'

'□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □'

'□□ □□□ □'

□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □ □□□ □ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □

□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □

□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □

'□□□□□□ □□ □□□' - □□□□□□ □□□□ □□□□- '□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□'

मशीन गन वाले ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

जैस्पर ने एक सरसरी निगाह महल के विस्तार पर दौड़ाई और फिर लौट पड़ा ।

---------------------पेज १३२-१३३ नहीं है ----------------------

(१३४)

आयेगा । साराह, तुम यहीं ठहरों मैं अभी आता हूँ ।'

साराह के कुछ कह पाने से पहले ही जेम्स बांड कमरै से निकल आया ।

वह गलियारे में आगे बढ़ा । एक स्थान पर पहुंच कर वह ठिठक गया ।

दीवार पर एक बड़ी सी तस्वीर लगी हुई थी जिसका फ्रेम एक ओर से चटख गया था।

जेम्स बांड ने दीवार से तस्वीर उतारी और फ्रेम की चटखो पट्टी उखाड़ ली । फट्टी के चटखे हुए भाग को उसने खींच कर चौडा किया और फिर उसने अपनी जेब से अपने मरकरी पालिश वाला चश्मा निकाल कर उसमें फंसा दिया ।

वह आगे बढ़ा ।

सीढ़ियों के समीप आकर वह गलियारे के फर्श पर लेट गया

□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □

□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □

□□□□□□□□ □□□□ □□ □

□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □

□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□

(□□□)

□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □

□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □

□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □

□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □

□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □

□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □

[illegible] [illegible] [illegible] [

लेट जाओ । इस टार्च की सहायता से तुमने बालकानी के जंगल के निचले भाग को खटखटाना है । यह आवाज दूर फव्वारे के पास खड़े मशीनगन वाले के कानों में नहीं पड़ेगी । लेकिन अन्दर हाल में बैठे, मुझे पूरा विश्वास है हिप्पी के कानों में जरुर पड़ेगी । यह देखने के लिये कि आवाज कहां से आ रही है वह टैरेस पर जरुर आयेगा । ज्यों ही हिप्पी तुम्हें महल से बाहर कदम रखता दिखाई दे तुम दो बार जल्दी से जंगला खटखटाना और फिर उठकर मेरे पीछे भाग आना, समझ गई ।।

साराह ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

'शुरू हो जाओ ।'

साराह फौरन पेट के बल फर्श पर लेट गई ।

जेम्मबांड कमरे से बाहर निकल आया। वह सीढ़ियों के मोड़ पर दीवार के साथ चिपक कर खड़ा हो गया । अपनी रिवाल्वर

(१३७)

निकालकर उसने हाथ में ले ली और प्रतीक्षा करने लगा ।

कुछ क्षण बाद उसे जंगले के साथ टार्च के टकराने को पहली टन्न की आवाज सुनाई दी ।

कुछ क्षण बाद फिर...

टन--- टन.-----

नीचे हाल में बैठे जैस्पर के कान खड़े हो गये ।

टन - टन - टन।

जैस्पर के दो कानों ने फौरन अनुभव किया कि आवाज कहीं बाहर से आ रही थो वह उछलकर अपने पैरों पर खड़ा हो गया ।

रिवाल्वर पर उसकी पकड़ मजबूत हो गई ।

कुछ क्षण शान्ति रही। केवल में टंगी घड़ी की टिक हाल में सुनाई दे रही थी ।

उसके बाद फिर---
टन
आवाज निश्चिय ही बाहर से आ रही थी ।

जैस्पर दबे पांव बाहर की ओर बड़ा ।

ऊपर जेम्स बांड सांस रोके दीवार के साथ चिपका खड़ा था ।

उसको जैस्पर के अपने स्थान से हटने की आहट सुनाई नहीं दी थी ।

टन, टन, टन.

जैस्पर ने महल से बाहर धूप में नहाई टैरेस पर कदम रखा ।

(१३८)

साराह ने उसे बाहर निकलते देखा । उसने दो बार जल्दी से टार्च को रेलिंग के साथ मारा और फिर अपना सिर भीतर खींच जिया । वह अपने स्थान से उठी और दबे पांव बाहर की ओर भागी ।

जेम्स बांड ने दो बार एक साथ टन्न की आवाज सुनी और वह समझ गया कि हिप्पी सीढ़ियों के सामने से हट कर टेरेस पर पहुंच गया ।

वह दबे पांव दो सीढ़ियां फांदता हुआ नीचे आया । सीढ़ियों के मोड़ पर आते ही उसे द्वार के बाहर खड़ा हिप्पी दिखाई दिया ।

उसी क्षण न जाने कैसे हिप्पी वापिस घूम पड़ा और उसकी निगाह सीधे सीढ़ियां उतरते जेमस से जा टकराई । आश्चर्य से उसके नेत्र फैल गये।
उसने फायर किया ।

जेम्स बांड तब तक सीढ़ियों से नीचे छलांग लगा चुका था गोली उसके सिर से गुजरती हुई पिछनी दीवार से जा टकराई । वह स्वयं सीढ़ियों के सामने पड़ी कुर्सी के साथ उलझता हुआ फर्श पर लौट गया ।

जैस्वर फौरन हाल में घुस आया। वह तो समझता था कि जेम्स वाड निहत्था है इसलिये उसने किसी प्रकार की ओट भी लेने की कोशिश नहीं की। उसके लिये निहत्थे जेम्स बांड को शूट करना और खरगोश को मारना एक जैसा काम था ।॥

(१३९)

और यहीं वह धोखा खा गया ।

जेम्म बांड ने सावधानी से फायर किया ।

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □

□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□□ □□□ □

'□□□□□□□□ □□□□□ - - □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □

□□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □

□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ , □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □

□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □ □□□ □□ □

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□

(□□□)

आ गया ।

मशीनगन वाला उसे देखते ही अपने स्थान पर ठिठक गया । लेकिन अभी वह अपनी मशीनगन सीधी भी नहीं कर पाया था कि जेम्स बांड की रिवाल्वर ने दो बार आग उगली ।

मशीनगन वाला कटे वृक्ष की तरह पीछे की ओर गिरा और सीढ़ियों से लुढ़कता हुआ वापिस नीचे लान में जा गिरा ।

जेम्स बांड ने साराह को अपने पीछे आने का संकेत किया और भागता हुआ टैरेस के सिरे पर पहुंचा। उसने अपनी रिवाल्वर अपने कोट की जेब में डाल ली और मशीनगन वाले के हाथ से निकली मशीनगन उठा ली ।

दोनों भागते हुए सीढ़ियां उतरे और लान पर भागने लगे, भागते हुए वे ड्राइव वे से आगे जंगल के पास पहुंच गये ।उसी क्षण जेम्स के कानों में दूर से आती हुई जीप की आवाज पडी ।

वे दोनों सड़क के किनारे उगें एक पेड़ के पीछे छुप गये ।

'तुम यहीं रहना' - जेम्स बांड साराह से बोला ।

ज्यों ही सड़क पर जीप दिखाई दी जेम्स बांड पेड़ के पीछे से कूदकर सड़क के बीच में आ गया। उसने चेतावनी के तौर पर जीप से थोड़ा बचाकर पांच छः फायर कर दिये और साथ ही गर्ज कर बोला- 'जीप रोको ।'

जीप तत्काल रुक गई ।

(१४१)

जेम्स बांड ने देखा । जीप की ड्राइविंग सीट पर प्रिंस सचाबैता बैठा था । वह मुह बाये सामने सड़क पर खड़े जेम्स बांड को की देख रहा था ।
उसकी बगल में दो आदमी और बैठे थे जिनके कंधों पर राइफलें लटक रही थी ।

'राइफलें सड़क पर फेंक दो' - जेम्स बांड ने आदेश दिया ।

राइफल वालों ने तत्काल आज्ञा का पालन किया ।

जेम्स बांड ने साराह को आवाज दी ।

साराह फौरन पेड़ों की ओट से निकल आई ।

जेम्स बांड और साराह जीप के पीछे सवार हो गये । जेम्स बांड ने मशीनगन प्रिन्स की पीठ के साथ सट्टा सटा दी ।

'जीप घुमाओ और एस्टेट से बाहर की ओर चलो' जेम्स बांड बोला- 'और अपने दोनों साथियों से कह दो कि कोई शरारत करने की कोशिश मत करे, वर्ना तुम्हारे शरीर में झरोखे ही झरोखे दिखाई देने लगेंगे ।

तीनों ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया ।

जेम्स बांड ने मशीनगन की नाल से प्रिन्स की पीठ को ठहोका ।

प्रिस ने फौरन जीप को बैंक किया और उसे घुमा कर आगे बढा दिया ।

'जैस्पर का क्या हुआ?' - रास्ते में उसने झिझकते हुए पूछा ।

(१४२)

'जैस्पर कौन?'- जेम्स बांड बोला- 'वह गन्दा सा हिप्पी ।'

'हाँ ।'

'हाल में पड़ा है। वापिस आकर देख लेना कि जिन्दा है या मर गया । और जिसकी मशीनगन इस वक्त तुम्हारी पीठ से सटी हुई है वह शायद मर गया है।'

'लेकिन लेकिन तुमने यह सब किया कैसे?'

'अगर हिप्पी जिन्दा हो तो वापिस जाकर उससे पूछना ।'

प्रिन्स फिर नहीं बोला ।

जीप तीन मील लम्बे जंगल में से गुजरती हुई लौहे के फाटक के सामने पहुंच गई । प्रिस ने कार रोक दी।

'आगे बढ़ो' - जेम्स बांड

'आगे जाकर फाटक तो खोलो' - प्रिन्स बोला ।

जेम्स बांड ने आगे दाई ओर बैठे आदमी से कहा-'तुम जाकर फाटक खोलो ।'

उस आदमी के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगी ।

'फ फाटक में क करेन्ट है' वह हकलाता हुआ बोला ।

जेम्स बांड ने मशीनगन की नाल का एक भरपूर प्रहार प्रिस की कनपटी पर किया ।

प्रिस पीड़ा से तिलमिला उठा ।

'यह आखरी चेतावनी है' - जेम्स बांड बोला- 'बुबारा कोई

(१४३)

ऐसी होशियारी दिखाने की कोशिश की तो कुत्ते की मौत मरोगे ।'

प्रिंस ने जीप को गियर में डाला और उसे दांयी ओर दीवार के साथ-साथ बनी एक सड़क पर घुमा दिया ।

'इधर कहां जा रहे हो?' जेम्स बांड ने पूछा ।

'पावर हाउस'-- प्रिंस कठिन स्वर से बोला ।

जेम्स बांड चुप हो गया ।

पावर हाउस के सामने ले जाकर प्रिंस ने जीप रोक दी ।

जेम्स बांड के संकेत पर साराह ने रिवाल्वर प्रिस की गरदन से सटा दी

जेम्स बांड जीप से नीचे उतर आया । उसके संकेत पर दोनों आदमी भी जीप से नीचे उतर आये । जेम्स बांड उनको मशीनगन से कवर करके पावर हाउस के भीतर ले आया। उनके आदेश पर दोनों आदमियों ने पावर के सारे फ्यूज निकाल कर खिड़की से बाहर फेंक दिये । फिर जेम्स बांड ने उन्हें एक अलग कमरे में बन्द किया और बाहर से दरवाजा बन्द कर दिया । उसने पावर हाउस का भी बाहरी दरवाजा बन्द किया और वापिस जीप में आ बैठा ।

'चलो' - वह प्रिस से बोला । प्रिन्स ने जीप स्टार्ट कर दी ।

(१४४)

वे फिर फाटक के सामने पहुंच गये ।

उतर कर फाटक खोलो- जेम्स बांड ने आदेश दिया ।

प्रिन्स जीप से उतरा और भारी कदमों से फाटक की ओर बढ़ा । बड़े त्रस्त भाव से उसने फाटक को हाथ लगाया ।

फाटक में करेन्ट नहीं था ।

उसने फाटक खोल दिया। वह वापिस जीप की ड्राईविंग सीट पर आ बैठा ।

जीप सचावेता एस्टेट से बाहर निकल गई ।

****

लन्दन से आने वाला बी० ओ० ए० सी० का विशाल प्लेन बैंकाक के हवाई अड्डे पर उतर चुका था ।

जेम्स बांड, साराह पैट्रिक और प्रिन्स सचावेता कस्टम के बेरियर के बाहर खड़े थे । प्रिन्स जेम्स बांड और साराह के बीच में था । जेम्स बांड के दांये हाथ में थमी रिवाल्वर प्रिन्स की पसलियों से सटी हुई थी ।

'अभी विशियन नाम का तुम्हारा आदमी बैरियर से बाहर निकलेगा जिसे तुमने लन्दन बाकी तीन फिल्में लेने भेजा था । तुमने अभी यहीं उससे वे फिल्में लेकर हमें सौंप देनी हैं। समझे?'

प्रिन्स ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

'और कोई शरारत करने की कोशिश मत करना ।'

'अच्छा' - प्रिन्स गहरी सांस लेकर बोला । वह जेम्स बांड के संसर्ग में गुजरे समय में बहुत कमजोर और पूर्णतया पराजित आदमी लगने लगा था ।

लगभग पन्द्रह मिनट बाद बिशियन ने बैरियर से बाहर कदम रखा ।

(१४६)

प्रिंस ने उसे आवाज दी ।

विशियन प्रिंस के समीप आ खड़ा हुआ था । उसने आदरपूर्ण ढंग से प्रिंस का अभिवादन किया । जेम्स बांड और साराह को प्रिंस के साथ देखकर उमे सख्त हैरानी हो रही थी ।

'काम हो गया?' - प्रिंस ने पूछा ।

'यस, सर' - विशियन उलझनपूर्ण स्वर से बोला ।

'लाओ ' - प्रिंस उसकी ओर हाथ बढ़ाता हुआ बोला ।

विशियन ने अपने एयर बेग में से एक पार्सल निकालकर प्रिंस के हाथ में रख दिया।

'तुम एस्टेट वापिस लौट जाओ' - प्रिस बोला- 'मैं अभी थोड़ी देर में आऊंगा।'

चेहरे पर संदेह और उलझन के गहरे भाव लिये विशियन आगे बढ़ गया ।

जेम्स बांड प्रिन्स और साराह के साथ दांई ओर घूमा और एक क्लाक रूम में प्रविष्ट हो गया । क्लाक रूम खाली था । जेम्स बांड ने भीतर से चटकनी चढ़ा दी। उसने विशियन का दिया पैकेट प्रिंस से लिया और उसे खोल डाला ।

भीतर आठ मिली मीटर की फिल्म के तीन स्पूल मौजूद थे।

जेम्स बांड ने एक स्पूल से थोड़ी सी फिल्म खोली और उसे बिजली के बल्ब की और ऊंचा उठाकर देखा ।

साराह का चेहरा शर्म से कानों तक लाल हो गया ।

जेम्स बांड ने सन्तुष्टीपूर्ण ढंग से सिर हिलाया और फिर बाकी दो फिल्मों का भी निरीक्षण किया ।

तीनों ब्लू फिल्में थी ।

जेम्स बांड ने स्पूल पर से तीनों फिल्में उतार कर फर्श पर डाल दी और फिर जेब से लाइटर निकाल कर उनमें आग लगा दी ।

फिल्में भक्क से जल उठी ।

साराह ने छुटकारे की गहरी सांस ली ।

जब फिल्में पूरी तरह से जल चुकी तो जेम्स बांड ने क्लाक रूम का दरवाजा खोल दिया।

****

'थैंक्यू वैरी मच, योर ऐक्सीलेन्सी' -जेम्स बांड बड़े अदब के साथ कमर से नीचे झुकता हुआ बोला - 'अब हम आपसे इस आशा के साथ विदा लेते हैं कि आप हमसे अलग होते ही हमारे रास्ते में कोई रोड़ा अटकाने की कोशिश नहीं करेंगे । अगर आपका ऐसा इरादा हो तो अभी बता दीजिये ताकि मैं आपका गला काट कर ही बैंकाक से रवाना होऊ

(१४८)

प्रिन्स चुप रहा । वह पराजित सा उसके सामने खड़ा रहा ।

'थैंक्स अगेन, योर एक्सीलेन्सी' - जेम्स बांड फिर बोला और प्रिन्स को वहीं खड़ा छोड़ कर साराह का हाथ थामें क्लाक रूम से बाहर निकल आया ।

लन्दन वापिस पहुंच जेम्स बांड एम के पास पहुंचा । उसने 'एम' को आपरेशन की सफलता की सूचना दी और साराह को उसके हवाले कर दिया ।

'एम' ने उसे बताया कि जान पैट्रिक ने बड़े रहस्यपूर्ण ढंग से पहले हो इलैक्शन से अपना नाम वापिस ले लिया है।

न जाने क्यों जेम्स बांड को यह समाचार सुनकर एक विचित्र एक विचित्र सी शांति का अनुभव हुया । "पीटर कुशिन्ग की बातें उसके दिमाग में गूंजने लगी ।

शायद जान पैट्रिक वाकई अमेरिका जैसे महान राष्ट्र का राष्ट्रपति बनने योग्य नहीं था । शायद जार्ज वाशिगटन, अब्राहम लिकन जेफरसन और कैनेडी जैसे कर्तव्यपरायण और देश भक्त राष्ट्रपतियों की परम्परा को आगे बढ़ा पाने की काबलियत जान पैट्रिक में नहीं थी और इस बात को अन्त में जान पैट्रिक ने खुद भी अनुभव किया था ।

साराह पंट्रिक ब्रिटिश इन्टेलीजेन्स की सुरक्षा में अमेरिका में पैट्रिक के पास पहुंचा दी गई ।

आपरेशन ब्लू फिल्म सफल रहा ।

***** समाप्त *****

(१५०)

इस कथानक के सभी पात्र एवं घटनायें काल्पनिक हैं। किसी जीवित एवं मृत व्यक्ति से इनका सम्बन्ध नहीं । उपन्यास का कथानक जेम्स बॉन्ड के एक उपन्यास पर आधारित है।

यह उपन्यास आपको कैसा लगा? कृप्या लेखक को इस पते पर लिखेंः -

सुरेन्द्र मोहन पाठक

पोस्ट बाक्स नम्बर ६४२६]

दिल्ली ११००५१

नीलम पाकेट बुक्स

में

आगामी माह प्रकाशित हो रहे हैं।

लोक प्रिय लेखक

सुरेन्द्र मोहन पाठक

के

सुनील सीरिज के दो यादगार उपन्यास

जासूस की हत्या

लहू पुकारेगा आस्तीं का

आपरेशन बैंकाक

लोकप्रिय लेखक

सुरेन्द्र मोहन पाठक

की

एक यादगार रचना

आदि से अन्त तक रोचक उपन्यास

Reader brother

नीलम पाकेट बुक्स

मेरठ-2